नई दिल्ली
रविवार, 1 फरवरी 2026
माघ मास शुक्ल पक्ष,
पूर्णिमा वर्ष : 29, अंक : 289
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 22
न्यून. 12

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

गुरु रविदास जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज सुबह 11 बजे पेश करेंगी आम बजट, उनका लगातार नौवां बजट

इनकम टैक्स, किसानों, शिक्षा, डिफेंस और रेलवे से जुड़े बड़े ऐलान 'संभव'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम बजट 2026-27 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का एक अहम बजट माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को सुबह 11 बजे संसद में ये बजट पेश करेंगी। पिछले साल का बजट एक लोकप्रिय बजट माना जाता है जिसमे मिडिल क्लास को बड़ी राहत मिली थी। इस बजट में इनकम टैक्स में छूट, सैलरीड क्लास के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने, सस्ती दवाओं और इंश्योरेंस सेक्टर में सुधार जैसे बड़े फैसले लिए गए थे। इस साल सरकार का ध्यान अर्थव्यवस्था पर है। गौर हो कि भारतीय शेयर बाजार में ▶▶ शेष पेज 5 पर

पिछले बजट में टैक्स फ्री हुई थी 12 लाख तक की आय

निर्मला सीतारमण

भारतीय शेयर बाजार में भी रविवार को आम दिनों की तरह ही कारोबार होगा

आज खुला रहेगा शेयर बाजार

रविवार (31 जनवरी 2026) को पेश होने वाले आम बजट के दिन शेयर बाजार खुला रहेगा। बता दें कि बजट अगर शनिवार या रविवार को पड़ता है तो भी शेयर बाजार में लाइव ट्रेडिंग सेशन आयोजित होते हैं। हाल ही में एनएसई ने एक सर्कुलर में कहा था कि रविवार को 1 फरवरी 2026 को बजट वाले दिन सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक शेयर बाजार खुले रहेंगे। लेकिन यह एक सेटलमेंट हॉलिडे है, इसलिए 30 जनवरी को खरीदे जने वाला कोई भी शेयर 1 फरवरी को बेचा नहीं जा सकेगा।

बजट-डे पर ये है वित्त मंत्री का शेड्यूल

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद फोटो सेशन

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को सुबह 11 बजे लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026 पेश करेंगी। वित्त मंत्री बजट-डे पर सुबह करीब 8.30 अपने आवास से निकलकर वित्त मंत्रालय पहुंचेंगी। इसके बाद 9 बजे के करीब अपनी बजट टीम के साथ वित्त मंत्रालय के बाहर फोटो सेशन होगा। इसके कुछ देर बाद ही निर्मला सीतारमण, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करने राष्ट्रपति भवन जाएंगी। इसके बाद कैबिनेट की बैठक होगी और फिर बजट को मंजूरी दी जाती है। संसद भवन पहुंचने के बाद वित्त मंत्री और उनकी टीम का ▶▶ शेष पेज 5 पर

पिछले बजट में मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत दी थी सरकार ने

नौकरीपेशा लोगों को बजट में गुड न्यूज देते हुए वित्त मंत्री ने बजट 2025 में 12 लाख तक की आय टैक्स फ्री करने का ऐलान किया था। देश के बड़े तबके यानी मध्यम वर्ग के लिए यह बड़ी राहत की बात थी। आपको बता दें स्टैंडर्ड डिडक्शन के बाद सैलरीड क्लास यानी वेतनभोगियों को अब 12.75 लाख रुपए तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।

सोने-चांदी पर लागू कस्टम ड्यूटी में होगी कटौती?

बजट 2026 में क्या सरकार सोने-चांदी पर लागू कस्टम ड्यूटी में कटौती करेगी? और अगर ऐसा हुआ तो क्या घरेलू बाजार में कीमतें सचमुच नीचे आएंगी? पिछले कुछ सालों के बजट फैसलों को देखें तो साफ होता है कि कस्टम ड्यूटी में बदलाव का असर सीधे तौर पर सोने-चांदी के दाम पर पड़ता है, लेकिन यह असर हमेशा लंबे समय तक टिके, ऐसा जरूरी नहीं होता।

खबर संक्षेप

केदारनाथ मंदिर परिसर में मोबाइल-कैमरा बैन

देहरादून। बाबा केदार के दर्शनों के लिए आने वाले तीर्थयात्रियों को अब मंदिर के भीतर और परिसर में मोबाइल या कैमरा ले जाने की अनुमति नहीं होगी। यह कदम धाम की गरिमा बनाए रखने और श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के दर्शन कराने के उद्देश्य से उठाया गया है। कई बार श्रद्धालु भक्ति के बजाए रील बनाने और फोटोग्राफी में ज्यादा व्यस्त नजर आते हैं, जिससे न केवल मंदिर की मर्यादा प्रभावित होती है। अन्य भक्तों को भी अनावश्यक देरी होती है।

जीएसटी अफसर प्रशांत ने इस्तीफा वापस लिया

अयोध्या। सीएम योगी के समर्थन में इस्तीफा देने वाले जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने यूटर्न ले लिया है। डिप्टी कमिश्नर ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी दबाव के इस्तीफा वापस ले रहे हैं। यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। इस दौरान उन्होंने अपने भाई पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि भाई विश्वजीत सिंह के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्वजीत सिंह ने अपने माता-पिता के साथ मारपीट भी की है।

पश्चिम-एशिया में जारी संघर्ष से अरब के साथ-साथ प्रभावित हुआ भारत

आतंकवाद के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता' एक अटल वैश्विक नियम होना चाहिए: जयशंकर

राजधानी में आयोजित की गई भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक को संबोधित करते हुए बोले डॉ. जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में शनिवार को भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी उच्च-स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ सह-अध्यक्षता करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक ओर वर्तमान समय में पश्चिम-एशिया से लेकर मध्य-पूर्व में जारी संघर्षों की वजह से बने हुए चिंताजनक माहौल पर भारत का पक्ष रखा। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने आतंकवाद के रूप में दुनिया के सामने खड़ी इस सदी की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय चुनौती का उल्लेख करते हुए पुरजोर अंदाज में कहा कि इसका मुकाबला करने के लिए शून्य सहिष्णुता यानी जीरो टॉलरेंस को बिना किसी समझौते के साथ एक अटल वैश्विक नियम के रूप में अपनाया जाना चाहिए। जयशंकर ने कहा कि ऐसा तब जब हम इस समस्या से दो-दो हाथ करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाने पर लगातार जोर दे रहे हैं। दोनों क्षेत्रों में सभी प्रकारों-अभिव्यक्तियों के साथ आतंकवाद (सीमा-पार आतंकवाद शामिल) पूरी तरह से अस्वीकार्य है। क्योंकि यह वैश्विक संबंधों और कूटनीति के मूलभूत सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। आतंकवाद द्वारा निशाना बनाए जाने वाले समाजों को इसका विरोध करने का पूरा अधिकार है। भारत ने भी पूरी सूझबूझ के साथ अपने इसी अधिकार का इस्तेमाल किया है। गौरतलब है कि बैठक से पहले अरब देशों के विदेश मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की थी।

अरब देशों संग प्रभावित हुए संबंध

उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे समय में मिल रहे हैं। जब वैश्विक परिदृश्य में कई वजहों से बदलाव देखने को मिल रहे हैं। जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, तकनीकी और जनसांख्यिकीय बदलाव मुख्य हैं। यहां ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि बदलावों की झलक पश्चिम-एशिया और मध्य-पूर्व में बाकी दुनिया के मुकाबले ज्यादा प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिल रही है। जहां भूभाग पर बीते एक साल में बड़े पैमाने से बदलाव जारी हैं और उनसे हम सभी प्रभावित हैं। भारत, क्षेत्र से निकटता की वजह से प्रभावित हो रहा है। साथ ही काफी हद तक इसका भारत के अरब देशों के साथ संबंधों पर भी असर पड़ा है।

घटनाओं के केंद्र में गाजा का मुद्दा: उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में इन तमाम घटनाओं का क्षेत्र और उससे बाहर भी बड़े पैमाने पर प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खासतौर पर गाजा में बने हुए हालात पर केंद्रित है। हममें से कई पिछले साल अक्टूबर-2025 में शर्म-अल-शेख में हुए शांति सम्मेलन में शामिल हुए थे। जो इसके अगले नवंबर महीने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्ताव-2803 के रूप में सामने आया। क्षेत्र में व्यापक योजना के साथ आगे बढ़ते हुए गाजा में जारी संघर्ष की समाप्ति आज के समय की विस्तृत रूप में साझा की गई प्राथमिकताओं में से एक है। कई देशों ने इसे नीतिगत घोषणापत्रों के माध्यम से तो कुछ ने व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से आगे बढ़ाया है। क्षेत्र की चुनौतियों और विचारों के मद्देनजर यह बड़ा मुद्दा है। जिस पर हम विचार कर रहे हैं।

सूडान, यमन के संघर्षों पर दिया जोर: जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में कई अन्य परिस्थितियां भी हैं। जिन्हें सामूहिक रूप से हमें ध्यान देना चाहिए। इसमें सूडान का संघर्ष जिसमें कई लोगों की जान जा चुकी है। इसके बाद यमन में जारी तनाव ने सुरक्षित समुद्री आवाजाही को अतिरिक्त रूप से प्रभावित किया है। लेबनान को लेकर भी चिंता बनी हुई है। ये वो इलाका है, जहां भारत की शांति सेना यूएन के बैनर यानी यूनिफिल के रूप में तैनात है। इसके अलावा लीबिया के मामले में हम सभी की रूचि राष्ट्रीय संवाद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में है। वहीं, क्षेत्र ▶▶ शेष पेज 5 पर

2026-28 के एजेंडे में मददगार

उन्होंने इस बैठक को दोनों पक्षों की सकारात्मक भावनाओं को प्रायोगिक रूप से आकार देने वाला एक मंच करार दिया। साथ ही कहा, ये 2026-28 के सहयोग के एजेंडे का आकलन करने का अवसर भी प्रदान करता है। जिसमें ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, पर्यटन, मानव संसाधन विकास, संस्कृति और शिक्षा के अलावा अन्य क्षेत्र शामिल हैं। भारत अरब देशों के साथ पारंपरिक रूप से सहयोग के और अधिक आयामों जैसे डिजिटल, स्पेस, स्टार्टअप, इनोवेशन भी अहम हैं। साथ ही हम आतंकवाद से मुकाबले व संसदीय आदान-प्रदान को लेकर भी साथ काम करने के लिए तैयार हैं। इसी के तहत शुक्रवार को हमने इंडिया-अरब चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर भी लांच किया है। ये गतिविधियां, कदम द्विपक्षीय क्षेत्र में हमारे सहयोग को और अधिक गहराई प्रदान करेंगी। बीते दशक में भारत ने तकनीक आधारित आमजन पर केंद्रित कई तकनीक विकसित की हैं। भारत का विश्वास है कि अच्छी आदतों और अनुभवों को आपस में बांटने से हमें सामूहिक रूप से लाभ होगा।

फिलिस्तीन के लोगों को लगातार समर्थन संग गाजा शांति योजना का स्वागत करता भारतः प्रधानमंत्री

राजधानी में शनिवार को अरब देशों के विदेश मंत्रियों से हुई मुलाकात में बोले पीएम मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत, फिलिस्तीन के लोगों को लगातार समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही गाजा शांति योजना समेत शांति के लिए जारी तमाम प्रयासों का स्वागत करता है। यह जानकारी पीएम ने 31 जनवरी को राजधानी में हुई भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी उच्च-स्तरीय बैठक से पहले समूह के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान दी ▶▶ शेष पेज 5 पर

समस्या का चाहिए द्विराष्ट्र समाधान

वहीं, फिलिस्तीन को लेकर भारत अपनी पुरानी नीति पर ही कायम है। जिसमें वह बातचीत के जरिए द्वि-राष्ट्र समाधान के पक्ष में मजबूती से खड़ा है। जिसमें वह सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के अंदर एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीन राज्य की स्थापना पर जोर देता है। जो इजरायल के साथ शांति से रह सके। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन की सदस्यता का भी भारत समर्थन करता है। 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर हुए आतंकी हमलों, इजरायल-हमास संघर्ष में हुई नागरिकों की ▶▶ शेष पेज 5 पर

सहयोग को और अधिक गहरा बनाएंगे

उन्होंने मुलाकात के दौरान भारत-अरब साझेदारी को लेकर देश के विजन को रेखांकित करते हुए भविष्य में सहयोग को गहराई प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई। जिसमें व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक, स्वास्थ्य के साथ ही प्राथमिकता और दोनों पक्षों के आम लोगों के साझा हितों से जुड़े हुए अन्य क्षेत्र मुख्य रूप से शामिल हैं। अरब विदेश मंत्रियों से बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों के बीच मौजूद गहरे और ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह साल-दर-साल हमारे संबंधों को नियमित रूप से प्रेरणा के साथ मजबूती प्रदान करेंगे।

अजित 'दादा' की कुर्सी संभालेंगी सुनेत्रा

महाराष्ट्र की 'पहली' महिला डिप्टी सीएम बनीं, ली शपथ

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री बन गईं। विमान हादसे में अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र सरकार में यह पद खाली हुआ था। सुनेत्रा पवार को एनसीपी (अजित पवार गुट) ने सर्वसम्मति से अपना नेता चुना। उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ सुनेत्रा पवार राज्य सरकार में आबकारी और खेल मंत्रालय का प्रभार भी संभालती रहेंगी। महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार को एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण देखने को मिला, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की नेता और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुंबई के लोक भवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान माहौल बेहद भावुक रहा। बड़ी संख्या में मौजूद पार्टी

बोले शिंदे गुट के मंत्री

इंसान से ज्यादा जरूरी कुर्सी

महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने अपने बयान में कहा कि 28 जनवरी को अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत के कुछ ही दिनों बाद नए उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को बाद में होना चाहिए था। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि इस घटनाक्रम से पता चलता है कि कुर्सी इंसान से ज्यादा जरूरी है। शिरसाट ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह जल्दबाजी एनसीपी की कुछ अंदरूनी राजनीति का नतीजा है।

अजित दादा अमर रहें के नारों से पूरे सभागार को गुंजायमान कर दिया और अपने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा- महाराष्ट्र की ▶▶ शेष पेज 5 पर

एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री मोदी का जिक्र करने पर भड़का भारत

विदेश मंत्रालय ने दो टूक अंदाज में कहा, 'घटिया बकवास, जिसे तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम का उल्लेख किए जाने पर शनिवार को विदेश मंत्रालय ने बेहद कड़े अंदाज में प्रतिक्रिया दी है। जिसमें मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि हमें तथाकथित एपस्टीन फाइल्स से संबंधित एक ईमेल संदेश के जरिए रिपोर्ट मिली है। जिसमें प्रधानमंत्री और उनके ▶▶ शेष पेज 5 पर

सालों पहले हो चुकी एपस्टीन की मौत

गौरतलब है कि अमेरिका के फ्लोरिडा में वर्ष-2008 में एक नाबालिग के यौन शोषण के एक मामले में एपस्टीन को सजा हुई थी। जिसके बाद 2019 में उसका नाम नाबालिग लड़कियों की तस्करी का आरोप लगने के बाद भी सामने आया था। लेकिन मामले ▶▶ शेष पेज 5 पर

145 किस्मों के गुलाब और 85 प्रजाति के फूल आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान का 3 से कर सकेंगे सब दीदार

नई दिल्ली। दिल्ली में राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान मंगलवार से आम लोगों के लिए खुल जाएगा। यहां 145 किस्मों के गुलाब और 85 प्रजाति के फूल-पौधे आकर्षण का केंद्र हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को उद्यान के विंटर एनुअल एडिशन का उद्घाटन ▶▶ शेष पेज 5 पर

5 फरवरी को मनाए जाने वाले तथाकथित कश्मीर सद्भावना दिवस के पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा का नापाक हिस्सा

पहलगाम का गुनहगार 'टीआरएफ' अब कश्मीर में बुद्धिजीवियों को दे रहा जान से मारने की धमकी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पिछले साल की शुरुआत में पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों का धर्म पूछकर उनकी बेहद निर्ममता के साथ हत्या करने के दोषी पाकिस्तानी लश्कर-ए-तैयबा के छद्म आतंकी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने अब कश्मीर के बुद्धिजीवियों को जान से मारने की धमकी देकर आतंक का खूनी खेल खेलने का नया सिलसिला शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह पड़ोसी दुश्मन देश की आगामी 5 फरवरी को मनाए जाने वाले तथाकथित कश्मीर सद्भावना दिवस के वार्षिक प्रोपेगेंडा का नापाक हिस्सा है। जिसमें पाकिस्तान के खुफिया प्रतिष्ठान खासकर आईएसआई और उनके पाले-पोसे हुए आतंकी संगठन नाम बदलकर यानी छद्म रूप से कश्मीरी बुद्धिजीवियों और अन्य लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। ताजा मामला इनकी ओर से यूरोपियन फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज (ईएफएसएएस) के डायरेक्टर जुनैद कुरैशी और अल्ताफ कालू को दी गई जानलेवा धमकी से जुड़ा हुआ है। यह दोनों अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के राज्य प्रायोजित आतंकवाद और जम्मू-कश्मीर में जारी छद्म युद्ध का पर्दाफाश करने में लगे रहते हैं। इन सबके बीच देश की सशस्त्र सेनाएं जम्मू-कश्मीर समेत अन्य सीमाई इलाकों की मजबूती के साथ सुरक्षा करने के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात हैं। आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति बरकरार ▶▶ शेष पेज 5 पर

आतंकियों ने मारे 5 हजार कश्मीरी

सूत्रों ने कहा कि खतरे की गंभीरता के साथ पाकिस्तान का भारत में हिंसा का पुराना पैटर्न भी किसी से छिपा हुआ नहीं है। वर्ष 1989 से 2020 तक पाकिस्तानी आतंकी संगठनों ने कुल करीब 5 हजार से ज्यादा कश्मीरी नागरिकों, पत्रकारों, राजनेताओं और बुद्धिजीवियों की हत्या की है। यह वो तमाम लोग हैं, जिन्होंने आतंकवाद का विरोध करते हुए भारत का खुलेआम समर्थन किया है। इसी दौर में 2018 में की गई राइजिंग कश्मीर के संपादक सुजात बुखारी की हत्या भी की गई थी। ये घटना हिजबुल मुजाहिद्दीन द्वारा दी गई कई महीनों की धमकी के बाद सामने आई थी। पिछले साल 2025 में कुपवाड़ा में भी सामाजिक कार्यकर्ता गुलाम रसूल मेगरे की हत्या इसी हिंसा का एक पहलू कहा जा सकता है।

जुनैद कुरैशी का पक्ष : एक मीडिया आउटलेट से बातचीत में जुनैद कुरैशी ने सीधे तौर पर पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस खतरे की शुरुआत आईएसआई ने लश्कर-ए-तैयबा और उसके कमांडर शेख सज्जाद गुल के साथ मिलकर किया है। जम्मू-कश्मीर में ▶▶ शेष पेज 5 पर

सामने खड़े व्यक्ति के साथ पूरा न्याय होना चाहिएः सुधीर जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश सुधीर कुमार जैन ने एक कार्यक्रम में कहा कि न्यायाधीश रहते हुए मैंने समझा कि सामने खड़ा व्यक्ति जो न्याय के लिए आया है उसके साथ पूरा न्याय होना चाहिए। मैंने समझा कि कानूनी जीवन में आध्यात्मिकता होना आंतरिक स्थिरता की कुंजी है, जिससे हम संवेदनशीलता, करूणा तथा दया के साथ यथार्थ न्याय कर सकते हैं। पूर्व न्यायाधीश जैन ने कहा कि कर्म का सिद्धांत और नैतिक साहस बताता है कि हर विचार, शब्द और कर्म का परिणाम होता है और यह समझ दबाव में भी सही निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करता है। पूर्व न्यायाधीश जैन शनिवार को ब्रह्माकुमारी के ज्यूरिस्ट प्रभाग द्वारा दिल्ली क्षेत्रीय मुख्यालय न्यू रोहतक रोड करोलबाग में न्यायविद, अधिवक्ता तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट के लिए आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर ज्यूरिस्ट विंग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी बीके पुष्पा दीदी, गुरुग्राम ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी बीके आशा दीदी, जिला सिविल जज किम्मी सिंगला अधिवक्ता एस भल्ला पूर्व अध्यक्ष आईएएआई, आर एस एस नगर कार्यवाहक नई दिल्ली अधिवक्ता चन्द्र भूषण, एडवोकेट मनीष जैन, बी के सविता, बी के येशू, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता प्रज्ञा बहन, सी ए हितेंद्र तथा लगभग 250 लीगल व्यवसायी कार्यक्रम में मौजूद थे।

जमीन हड़पने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने दक्षिण दिल्ली में जमीन हड़पने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है और ग्रेटर कैलाश-एक में एक आवासीय संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपी आशीष चौधरी, मुख्य सरगना विनीत कुमार सैगल और दिलीप कुमार पांडे ने कथित तौर पर बुजुर्गों की संपत्तियों को निशाना बनाया, स्वामित्व के फर्जी कागजात बनाकर और झूठा दावा पेश करने के लिए दीवानी मुकदमेबाजी शुरू की। पुलिस उपायुक्त (अपराध) आदित्य गौतम ने बताया कि मामला तब सामने आया, जब ग्रेटर कैलाश के एक निवासी ने शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि एक राष्ट्रीय अखबार में प्रकाशित एक फर्जी सार्वजनिक नोटिस में कुछ अज्ञात लोगों ने उसकी पैतृक संपत्ति पर मालिकाना हक होने का दावा किया था। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से यह पता चला है कि दस्तावेजों के आधार पर यह संपत्ति कई दशकों से शिकायतकर्ता और उसके परिवार की है। ग्रेटर कैलाश थाने में मामला दर्ज किया गया और बाद में विस्तृत जांच के लिए इसे अपराध शाखा को सौंप दिया गया। डीसीपी ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने कथित जाली और मनगढ़ंत दस्तावेज तैयार किए थे, ताकि स्वामित्व का दावा किया जा सके।

अधिकारी ने कहा कि इस मामले में शिकायतकर्ता की संपत्ति पर दावा करने और उसे एक अनजान खरीदार को बेचने के लिए कथित तौर पर जाली वसीयत और बिक्री विलेख सहित दो अलग-अलग प्रकार के फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए थे। अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता को कथित धोखाधड़ी के बारे में तब पता चला, जब एक रिश्तेदार ने उसे एक वर्गीकृत विज्ञापन के बारे में सूचित किया, जिसमें संपत्ति पर स्वामित्व का दावा किया गया था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने 22 जनवरी को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि चौधरी एक वकील है, जबकि पांडे का आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है।

सौतेले बेटे की हत्या करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 36 वर्षीय एक व्यक्ति को अपने 12 वर्षीय सौतेले बेटे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मामले में शनिवार को शास्त्री पार्क निवासी आरोपी वाजिद खान को गहन पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। रिश्तेदारों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि लड़के की मां ने अपने पहले पति की मृत्यु के एक साल बाद 2020 में खान से शादी की थी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से घर में अक्सर झगड़े होते थे, खासकर जब से महिला की पहली शादी से हुए बेटे छात्रवास से वापस लौटे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि मृत बच्चे की मां और उसके बीच में अनबन चल रही थी।" उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी शास्त्री पार्क चौक के पास सातवीं के छात्र का शव मिलने के एक दिन बाद हुई।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 9.50 बजे घायल लड़के के बारे में सूचना मिली जिसे तुरंत जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि लड़के के शरीर पर कई चोटें थीं। उन्होंने कहा कि लड़के के सिर और आंखों पर घाव तथा मारपीट के निशान थे।

पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार शाम स्कूल से लौटने के बाद लड़का खेलने निकला था लेकिन वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने रात भर उसकी तलाश की। जांचकर्ताओं ने पाया कि आरोपी खान ई-रिक्शा चलाता था और उसी ने बृहस्पतिवार शाम करीब 6:30 बजे लड़के और उसके छोटे भाई को घर पर छोड़ा था। इस संबंध में शास्त्री पार्क थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

किराड़ी : शर्मा कॉलोनी में नालों की सफाई का कार्य जारी

- जलनिकासी व्यवस्था सुधारने के लिए लगाए गए हैं पंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के निठारी वार्ड संख्या 40 स्थित शर्मा कॉलोनी में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए निगम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वार्ड की पार्षद ममता गुप्ता ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए बताया कि किराड़ी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली शर्मा कॉलोनी के वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली सरकार सहित कई विभाग हरकत में आए और उसके बाद से ही यहां कई पंपों के माध्यम से जलनिकासी के कार्य जारी हैं और हाल ही में निठारी तालाब पर दो पंप लगाए जा गए हैं, ताकि क्षेत्र में बने जल जमाव की स्थिति को जल्द समाप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि शर्मा कॉलोनी में पानी की निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाने के साथ-साथ सभी नालों की नियमित सफाई का कार्य जारी है। जो नाले लंबे समय से बंद पड़े हैं, उन्हें भी खुलवाया जा रहा है ताकि बारिश का पानी बिना रुकावट निकल सके। पार्षद ममता गुप्ता ने बताया कि निगम की टीम द्वारा प्रतिदिन सड़कों और नालियों की सफाई कराई जा रही है। इसके साथ ही जहां-जहां नालियां जाम पाई जा रही हैं, वहां तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें साफ कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि निगम का उद्देश्य है कि क्षेत्र के लोगों को जलभराव और गंदगी से राहत मिले तथा स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

टैंकर से मौत मामले पर डीजेबी ने लिया संज्ञान, मालिक को कारण बताओ नोटिस किया जारी

नई दिल्ली। एक निजी पानी टैंकर की चपेट में आने से हुई एक महिला की दर्दनाक मौत पर दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने संज्ञान लिया लेते हुए उसके मालिक को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है। इस बारे में डीजेबी से मिली जानकारी के अनुसार 30 जनवरी 2026 को दोपहर लगभग 2 बजे, सी-ब्लॉक, धोबी घाट, जहांगीरपुरी में मैसर्स मुकेश कुमार के स्वामित्व के तहत डीएल जीई-2203 वाले एक किराए के पानी के टैंकर से एक जानलेवा सड़क दुर्घटना हुई। डीजेबी ने कहा कि दुर्घटना वाली जगह पर मौके पर शुरुआती जांच में सामने आया कि एक महिला स्कूटर सवार की टक्कर उक्त टैंकर से हुई है। बताया गया है कि स्कूटर सवार महिला सड़क पर गलत साइड से जा रही थी और उसने अपने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिससे दुर्घटना हुई। डीजेबी ने कहा कि दुर्भाग्य से, स्कूटी सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। दुर्घटना के सही क्रम और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। डीजेबी ने कहा कि मामले की पूरी जांच पूरी होने और संबंधित अधिकारियों द्वारा तथ्यों के सत्यापन के बाद और जानकारी साझा की जाएगी। डीजेबी ने स्वयं सहित टैंकर ठेकेदार द्वारा हर प्रकार की जांच में दोनों अपना पूरा पूरा सहयोग मिलगा। डीजेबी द्वारा ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया जा रहा है। बता दें कि शुक्रवार को जहांगीरपुरी व आदर्श नगर के बीच बने शाह आलम बांध के पास दोपहर के समय एक टैंकर ने स्कूटी का टक्कर मार दी थी, जिसमें एक 30 वर्षीय महिला चालक की मौके पर ही मौत हो गई थी।

वीर बाल दिवस देता है हमें साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा : महापौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

वीर बाल दिवस हमें साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता है। दिल्ली के महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रथम नगर निगम वीरता फ़ुटबॉल कप प्रतियोगिता 2026 के उद्घाटन के अवसर पर यह संबोधन दिया। उन्होंने बताया कि दिल्ली नगर निगम का प्रयास है कि खेलों के माध्यम से हमारे बच्चे न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ बनें, बल्कि उनमें अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास जैसे गुण भी विकसित हों। यह फ़ुटबॉल कप उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बता दें कि यह भव्य आयोजन खाटू श्याम जी स्टेडियम में किया गया। इस प्रतियोगिता में नगर निगम के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष अमित खड़खड़ी, अतिरिक्त आयुक्त (शिक्षा) पंकज नरेश अग्रवाल सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का मजबूत माध्यम हैं। दिल्ली नगर निगम शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों को भी समान महत्व दे रहा है, ताकि हमारे विद्यार्थी जीवन की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकें। शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश कुमार वर्मा ने कहा कि नगर निगम के विद्यालयों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती हैं, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव बनती हैं।

31 किलोग्राम अल्प्राजोलम टैबलेट सहित तीन लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 31 किलोग्राम अल्प्राजोलम की टैबलेट (गोलियां) जब्त किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपी कथित तौर पर हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रतिबंधित मादक पदार्थ के अवैध उत्पादन, परिवहन और वितरण में लिप्त एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा थे। अधिकारी ने बतायया कि यह अभियान एनसीआर में सक्रिय मादक पदार्थ के तस्करों पर नजर रखने के उद्देश्य से खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया। विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर टीम ने नंद नगरी बस डिपो के पास दो आरोपियों को उस समय गिरफ्तार किया जब वे उत्तर प्रदेश से संबंधित पंजीकरण संख्या वाली एक कार में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी शमीम, बुलंदशहर निवासी राजीव शर्मा और मोहित गुप्ता के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस ने 31 किलोग्राम अल्प्राज़ोलम टैबलेट बरामद की, अनुमान है कि गोलियों की संख्या करीब तीन लाख है जो स्वापक ओषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम में परिभाषित वाणिज्यिक मात्रा के अंतर्गत आती हैं। अधिकारियों ने बताया कि अल्प्राज़ोलम की व्यावसायिक मात्रा की सीमा 100 ग्राम है।

पुलिस ने बताया कि गोलियों के अलावा, टीम ने 'अल्प्राज़ोलम' छपा हुआ 11 किलोग्राम एल्युमीनियम फ़ॉइल, गोलियों की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाली 25 किलोग्राम पीवीसी शीट रोल, बैच नंबर, निर्माण और समाप्ति तिथि अंकित 20 मुहर और परिवहन में इस्तेमाल की गई कार जब्त की। उसने बताया कि पैकेजिंग सामग्री और प्रिंटिंग उपकरणों की बरामदगी से बड़े पैमाने पर अवैध दवा निर्माण प्रतिष्ठान का संकेत मिलता है। पुलिस ने बताया कि एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत 29 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान, वाहन मोहित गुप्ता के नाम पर पंजीकृत पाया गया, जिसे बाद में अन्य आरोपियों की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान शर्मा ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि वह गुप्ता के निर्देश पर हिमाचल प्रदेश में शमीम और उसके सहयोगी रणदीप से अल्प्राज़ोलम की गोलियां एकत्र करता था और उन्हें बुलंदशहर की स्थानीय फार्मेसियों को आपूर्ति करता था। पुलिस के मुताबिक शमीम ने कथित तौर पर खुलासा किया कि वह और उसका साथी हिमाचल प्रदेश के परवानू में एक अवैध विनिर्माण इकाई चला रहे थे, जहां गोलियों का उत्पादन किया जाता था और हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में वितरकों को आपूर्ति की जाती थी।

दिल्ली सरकार ने पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए कई फुट ओवर ब्रिजों को दी मंजूरी : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए कई नए फुट ओवर ब्रिज के निर्माण की स्वीकृति दे दी है। इस बात की जानकारी पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को दी। मंत्री प्रवेश ने कहा कि यह पहल दिल्ली सरकार की उस व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, ट्रैफिक दबाव घटाना और रोजाना लाखों लोगों को सुरक्षित तथा सुव्यवस्थित पैदल मार्ग उपलब्ध कराना है। मंत्री प्रवेश ने बताया कि जिन स्थानों पर फुट ओवर ब्रिज स्वीकृत किए गए हैं उनमें मधुबन चौक (विकास मार्ग–पटपड़गंज रोड), वेलकम कट, जीटी रोड, शाहबाद डेयरी, बादली–बवाना रोड, बेर सराय मार्केट, वेदांत देशिका मार्ग, कटवारिया सराय-लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ के पास, ओखला सब्जी मंडी, कैप्टन गौर मार्ग, जनकपुरी-ब्लॉक ए-2 के पास, जीवन पार्क बस स्टैंड और लाल सिंह चौक-माता चानन देवी अस्पताल के पास शामिल है। मंत्री ने बताया कि इन सभी स्थानों का चयन ट्रैफिक अध्ययन और जमीनी निरीक्षण के बाद किया गया है, इन जगहों पर भारी पैदल आवाजाही, दुर्घटनाओं की आशंका और रोजमर्रा के यात्रियों की जरूरतें सबसे अधिक हैं। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार सुरक्षित सड़कों के निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। दिल्ली के तेज विकास के साथ आधुनिक और व्यावहारिक समाधान ज़रूरी हैं। किसी भी नागरिक को सड़क पार करते समय अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। ये फुट ओवर ब्रिज ठीक उन्हीं स्थानों पर बनाए जा रहे हैं जहां सुरक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है।

तेज कार्यान्वयन पर जोर देते हुए मंत्री प्रवेश ने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं के लिए कड़ी समय-सीमा तय कर दी गई है। अब धीमी रफ्तार वाली परियोजनाओं की संस्कृति खत्म होनी चाहिए। फरवरी 2026 से निर्माण कार्य शुरू होगा और तय समय-सीमा में पूरा किया जाएगा। जवाबदेही और गति अब अनिवार्य हैं। मंत्री प्रवेश ने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि साइट तैयारी, यूटिलिटी शिफ्टिंग और अनुमतियों पर समानांतर रूप से काम किया जाए ताकि किसी भी तरह की रुकावट न आए।

एमसीडी ने प्रदूषण फैलाने वाली 5 अवैध फैक्ट्रियां सील

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने पश्चिमी ज़ोन में प्रदूषण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 अवैध और प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों को सील कर दिया है। निगम प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली नगर निगम प्रशासन की सख्त कार्रवाई जारी है और आगे भी जारी रहेगी। यह कार्रवाई एमसीडी की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से विकास नगर, बापरोला और रणहोला क्षेत्रों में की। सील की गई फैक्ट्रियां स्प्रे पेंटिंग, प्रिंटिंग डाई वर्क और सीएनसी मशीन संचालन जैसे कार्यों में लगी हुई थीं, जिससे वायु और जल प्रदूषण गंभीर स्तर पर फैल रहा था। इन इकाइयों के खिलाफ लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं। एमसीडी अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली के पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए निगम 'जीरो टॉलरेंस नीति' के तहत लगातार कार्रवाई कर रहा है। भविष्य में भी अवैध और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

अटल कैंटीन से खाने के लिए आधार कार्ड, रेटिना जांच गरीबों का मजाक उड़ानाः यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई अटल कैंटीन को लेकर निशाना साधा है। यादव ने कहा कि अटल कैंटीन से खाना लेने के लिए आधार कार्ड और रेटिना जांच करना सीधे सीधे गरीबों का मजाक उड़ाना है। दिल्ली सरकार का यह निर्णय गरीब लोगों के साथ भद्दा मजाक है। रेखा सरकार अटल कैंटीन की संख्या बढ़ाने की बजाय गरीब मजदूर लोगों के खाने की भूख पर ही लगाम लगाना चाहती है। यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार गरीब झुग्गी वालों को भूख से समझौता करने की शर्त के साथ अब अटल कैंटीन में 5 रुपये में खाना देगी। जहां पहले से ही सस्ते खाने के लिए सैंकड़ों लोग अटल कैंटीन पर लम्बी लाईनों में लगे रहते है। वहीं नए नियम के बाद अगर आधार और रेटिना चेक की औपचारिकताओं के बाद ही लोगों को खाना देगी तो इस प्रक्रिया में ही उसे तीन स चार घंटे लाइन में खड़ा होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली के लगभग 16 लाख झुग्गीवालों को जांच के नाम पर केवल परेशान कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 675-685 जेजे क्लस्टर है। आधार कार्ड और रेटिना जांच इस लिए लागू की गई है कि एक ही आदमी दो अटल कैंटीन से खाना लेता है। उन्होंने हैरानी जताई कि मौजूदा अटल कैंटीनों की दूरी लगभग 3-5 किलोमीटर है, तो कैसे संभव है एक ही व्यक्ति एक कैंटीन से खाना लेने के बाद दूसरी अटल कैंटीन से खाना ले सकता है। जबकि प्रत्येक अटल कैंटीन से खाना लेने के लिए सुबह से ही 500 से भी अधिक लोग लाईन में लगे होते है। उन्होंने कहा कि सरकार को अटल कैंटीन में एक समय में मिलने वाली थालियों को संख्या बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। आधार कार्ड जांच जैसी शर्ते लागू करके भूख के लिए संघर्ष कर रहे लोगों को परेशान नहीं करना चाहिए। करीब 16 लाख के लगभग गरीब लोगों की भूख सिर्फ 86 अटल कैंटीन नहीं मिटा सकती। रेखा गुप्ता सरकार 86 अटल कैंटीन के द्वारा एक समय में सिर्फ 43000 थालियां ही उपलब्ध करा पा रही है। अगर सुबह और शाम का भी जोड़ दिया जाए तो एक दिन में सरकार सिर्फ 86000 थालियां उपलब्ध है और भविष्य में थालियों को बढ़ाने की सरकार ने किसी योजना की घोषणा भी नही की है। उन्होंने कहा कि जेजे कलस्टर वालों की जनसंख्या 16 लाख के करीब है जबकि बाजारों, फेक्ट्रियों, अस्पताल के नजदीक गरीब लोगों की संख्या को जोड़ा जाए तो 4-5 लाख की संख्या और जुड़ जाएगी। उन्होंने कहा कि 20 लाख गरीब लोगों की भूख मिटाने का दावा करने वाली रेखा गुप्ता सरकार की अटल कैंटीन योजना ऊँट के मुँह में जीरा साबित हो रही है।

शास्त्री पार्क में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला, पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में शनिवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुबह एक व्यक्ति के अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि मृतक की शिनाख्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। उसने बताया कि कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ट्रांसपोर्टरों एवं कार्गो संचालकों के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल से एचएचवी/सामान्य कोच से चलने वाली गाड़ी सं. 12225/26 मे 24 टन भार वीपीयू को 03 वर्ष की अवधि के लिए पट्टे पर आवंटित करने हेतु ई-नीलामी।

भारत के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा मंडल से एलएचवी/सामान्य कोच से चलने वाली गाड़ी सं. 12225/26 मे 24 टन भार वीपीयू को पट्टे पर आवंटित करने हेतु ई-नीलामी के अन्तर्गत खुली नीलामी आमंत्रित की जाती है।

ई-नीलाम किये जाने वाले वीपीयू का विवरण निम्नवत है :-

क्र.सं. 1. गाड़ी सं. 12225/26, ई-नीलामी कैटलाग सं : BSB8LEASING26, एसएलआर/वीपूयू : वीपीयू, कंपाटमेंट : -, वीपीयू/एसएलआर की क्षमता (टन मे) : 24, ई-नीलामी की तिथि : 12.02.2026, ई-नीलामी की समय : 10:00 से 10:30 बजे, अमानत राशि (रू. मे) : कॉन्ट्रैक्ट की वार्षिक कीमत का 10%, बेवसाईट पता : www.ireps.gov.in

नोट - 1. ई-नीलामी IREPS (E-Auction leasing Portal) पर निर्धारित तिथि एवं समय पर ऑनलाईन होगी। 2. ई-नीलामी (E-Auction) में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर रू. 10000/- +GST (Non Refundable) ऑनलाईन जमा कर एक बार पंजीकरण कराना आवश्यक है एवं साथ ही उसके पास भारतीय स्टेट बैंक (SBI) मे चालू खाता हो जो IREPS से लिंक हो, अमानत राशि (EMD) का भुगतान/कटौती ऑनलाईन उसी खाते से होगी। 3. ई-नीलामी (E-Auction) से संबंधित नियम एवं शर्तो की सम्पूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल (www.ireps.gov.in) के E-Auction leasing Section मे उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.) वाराणसी

मुजाधि/वा० - 246

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

बल्लियों के बीच से आने-जाने को मजबूर बच्चे

निगम उत्कृष्ट बाल विद्यालय में बच्चों की सुरक्षा से हो रहा खिलवाड़

दया राम ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के अधीन संचालित विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। नरेला ज़ोन के अलीपुर वार्ड स्थित अलीपुर गांव के निगम उत्कृष्ट बाल विद्यालय से ऐसा ही एक मामला सामने आया है। बता दें कि यहां विद्यालय के अंदर प्रवेश द्वार की हालत जर्जर अवस्था में है और मरम्मत कार्य के चलते दोनों ओर बल्लियां लगाकर रास्ता बंद किया गया है। हालांकि पास से ही आवागमन का भी रास्ता हैं लेकिन जिस समय बच्चों का आना जाना होता है उस समय यहां बच्चों की निगरानी करने वाला कोई नहीं है। हकीकत यह है कि बिना किसी निगरानी के बच्चे इन्हीं बल्लियों के बीच से निकलकर स्कूल में आ-जा रहे हैं। शनिवार को कई बच्चे इसी खतरनाक रास्ते से आते-जाते देखे गए, जो सीधे तौर पर उनकी जान को जोखिम में डालने जैसा है। वहीं, इस संबंध में निगम शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष अमित खरखड़ी का कहना है कि इस लापरवाही के संबंध में संबंधित शिक्षा अधिकारी को अवगत करा दिया गया है और इस मरम्मत कार्य के दौरान बच्चों के आवागमन के दौरान विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

वहीं, इस संबंध में स्थानीय जागरूक लोगों का कहना है कि यदि कोई बड़ा हादसा हो गया तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? सवाल यह भी है कि जब मरम्मत कार्य चल रहा है तो निगम प्रशासन और शिक्षा विभाग आंख मूंदे क्यों बैठा है। यह मामला केवल एक स्कूल का नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। जबकि दिल्ली नगर निगम में शिक्षा विभाग प्रशासन और शिक्षा समिति के पदाधिकारी कहते हैं कि बच्चों की सुरक्षा से समझौता किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। अब देखना यह है कि निगम प्रशासन किसी दुर्घटना के बाद या उससे पहले, कब जागेगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू उर्फ रवि पुत्रः राजेश** पताः **ईई 2836, जहाँगीरपुरी, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली** ने case **FIR No. 726/2020 U/s 23/35/59 Arms Act, थानाः तिलक नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ रवि** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ रवि** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 726/2020 U/s 23/35/59 Arms Act, थानाः तिलक नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू उर्फ रवि** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 24.03.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री विकास मदान
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–07
पश्चिम, रूम नं. 289
तीस हजारी कोर्ट, नई दिल्ली

DP/1315/WD/2026 (Court Matter)

आप पार्षद सरिता फोगाट का निधन, केजरीवाल ने जताया दुख

नई दिल्ली। ग्रीन पार्क से निगम पार्षद सरिता फोगाट का शुक्रवार की रात को लंबी समय से गंभीर बीमारी के दौरान निधन हो गया। इस दुखद घटना पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दुख जताया है। सरिता फोगाट का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे ग्रीन पार्क के श्मशान घाट में कर दिया गया। उनके अंतिम संस्कार में काफी संख्या में लोग सम्मिलित हुए। केजरीवाल ने मालवीय नगर के पूर्व विधायक सोमनाथ भारती के एक पोस्ट को रिट्वीट करते हुए लिखा कि 'आप पार्षद सरिता फोगाट जी का निधन बेहद दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें और शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। इस कठिन घड़ी में मेरी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं। सोमनाथ भारती ने अपने पोस्ट में लिखा है कि बड़े दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी बड़ी बहन समान सरिता फोगाट (वर्तमान निगम पार्षद, ग्रीन पार्क) का शुक्रवार रात्रि 2.30 बजे स्वर्गवास हो गया। वे पिछले काफी समय से गंभीर बीमारी से संघर्षरत थीं। इस दुखद घटना पर आप के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, आप के दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज, पूर्व मुख्यमंत्री व दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने भी शोक प्रकट किया है।

मुख्यमंत्री ने महरौली विधानसभा में 135 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का किया शुभारंभ

सड़कों से पार्क तक बदलेगी महरौली की तस्वीर : रेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सड़कों के सुदृढ़ीकरण और पार्कों के सौंदर्यीकरण से महरौली विधानसभा की तस्वीर बदलेगी। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महरौली विधानसभा क्षेत्र में 135 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शुभारंभ करने के अवसर पर कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक महरौली क्षेत्र में इन परियोजनाओं की शुरुआत क्षेत्र के समग्र कायाकल्प और वर्षों से लंबित बुनियादी आवश्यकताओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहली बार यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए फंड की कोई कमी न रहे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, महरौली विधायक गजेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महरौली विधानसभा में आज 135 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के शिलान्यास के माध्यम से क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत सड़कों का पुनर्निर्माण, मरम्मत, जर्जर चौपालों और सामुदायिक भवनों का जीर्णोद्धार, सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण, पार्कों का सौंदर्यीकरण, बच्चों के लिए झूलों की स्थापना, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नए ओपन जिम उपकरणों की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था अधिक सुगम होगी, सार्वजनिक स्थल अधिक सुरक्षित बनेंगे और नागरिकों को बेहतर जीवन गुणवत्ता का लाभ प्राप्त होगा।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि महरौली केवल विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि दिल्ली की प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। मां योगमाया मंदिर, गुरुद्वारा, लौह स्तंभ, पुरातत्व पार्क और अनेक ऐतिहासिक स्मारकों से समृद्ध यह भूमि हजारों वर्षों के इतिहास की साक्षी रही है।

केंद्र का बजट विकसित भारत के विजन को देगा बल : सीएम

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को विश्वास व्यक्त किया है कि केंद्र सरकार का आगामी बजट विकसित भारत की संकल्पना को और सशक्त करेगा। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि केंद्रीय बजट दिल्ली के समग्र विकास को नई गति देगा और विकसित दिल्ली की सोच को और पंख लगाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किए जाने वाला केंद्र सरकार का बजट भारत को वर्ष 2047 तक एक आत्मनिर्भर, समृद्ध और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र बनाने में भी सहयोग देगा। यह बजट देश की आर्थिक व सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम होगा। मुख्यमंत्री का मानना है कि केंद्र के बजटीय प्रावधानों का सकारात्मक प्रभाव राष्ट्रीय राजधानी की विकास योजनाओं पर भी पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्तमान में भारत को वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने के विजन पर कार्य कर रहे हैं। इस दिशा में बुनियादी ढांचे का विकास और तकनीकी प्रगति केंद्र सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरका का बजट राष्ट्रीय राजधानी को विकसित दिल्ली बनाने की दिशा में भी सहयोग प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार केंद्र सरकार पहले से ही कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अपनी भूमिका निभा रही है। यमुना की सफाई के लिए चल रहे प्रोजेक्ट्स और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण में केंद्रीय सहयोग मिल रहा है। इसके अतिरिक्त दिल्ली मेट्रो के आगामी चरणों के विस्तार में भी केंद्र की वित्तीय सहभागिता बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की योजनाएं दिल्ली में भी प्रभावी ढंग से लागू की जा रही हैं। प्रधानमंत्री की पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना जैसी पहल स्वच्छ ऊर्जा, बिजली बचत और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा दे रही है, जिससे दिल्ली जैसे महानगर को भी लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेट्रो के विस्तार में केंद्र सरकार की भूमिका निर्णायक रही है। दिल्ली मेट्रो परियोजनाओं में केंद्र और दिल्ली सरकार की साझेदारी राजधानी के आधुनिक परिवहन ढांचे को मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार दिल्ली के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

बवाना के हर कोने में सीवर, सड़क, पेयजल की होगी सुविधा : इंद्राज

दिल्ली। बवाना विधानसभा के हर कोने में सीवर, सड़क और पेयजल की सुविधा होगी। यह बात शनिवार को स्थानीय विधायक और समाज कल्याण विभाग मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा के साथ बवाना विधानसभा में विकास कार्यों का शुभारंभ करने अवसर पर कही। मंत्री इंद्राज के साथ पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को रोहिणी सेक्टर-22 में पंजाब स्वीट्स के समीप सीवर लाइन विकास कार्य का विधिवत लोकार्पण किया। इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को वर्षों से चली आ रही जल-निकासी की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी। इस अवसर पर मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि यह कार्य मात्र एक विकास परियोजना नहीं, बल्कि स्वच्छता, सुव्यवस्थित नागरिक जीवन एवं जनसम्मान के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। सेवा, विकास एवं जनकल्याण के मूल मंत्र के साथ बवाना विधानसभा में विकास कार्य निरंतर गति और परिणामों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इसके पश्चात बेगम विहार क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह द्वारा सौरभ प्रोपर्टीज के समीप स्थल भ्रमण एवं व्यापक जनसंपर्क किया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया।

सूद ने राज्य स्तरीय बहु-संवेदी टीएलएम प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को जनकपुरी के डेसू कॉलोनी के सीएमश्री स्कूल में शनिवार को दिल्ली में समग्र शिक्षा के अंतर्गत राज्य स्तरीय बहु-संवेदी टीएलएम प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भाषा, गणित एवं सामाजिक विज्ञान विषयों में बहु-संवेदी शिक्षा शिक्षण-सामग्री के विकास के माध्यम से आनंदमय एवं अनुभवात्मक शिक्षण को सुदृढ़ करना है। दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत समग्र शिक्षा, दिल्ली द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए राज्य स्तरीय ज्वॉयफुल लर्निंग प्रोग्राम के तहत कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों हेतु एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल की जा रही है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को अधिक इंटरैक्टिव, सुलभ और प्रभावी बनाना है, साथ ही शिक्षकों को ऐसे उन्नत शिक्षण उपकरण उपलब्ध कराना है, जिनसे वे अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझा सकें, शिक्षण परिणामों का मूल्यांकन कर सकें तथा कक्षा प्रबंधन को अधिक प्रभावी बना सकें। उन्होंने यह भी कहा की यह प्रतियोगिता विद्यालयी शिक्षा में नवाचार, रचनात्मकता और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को प्रोत्साहित करने की दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है। सूद ने कहा कि दिल्ली सरकार का मानना है कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि वह विद्यार्थियों के लिए एक आनंदमय, अनुभवात्मक और सहभागी प्रक्रिया होनी चाहिए।

डीएमआरसी बना रहा है एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर दिल्ली एयरोसिटी मेट्रो स्टेशन को बड़ा इंटरचेंज हब

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर स्थित दिल्ली एयरोसिटी मेट्रो स्टेशन को मेट्रो नेटवर्क के एक प्रमुख और बड़े इंटरचेंज हब के रूप में विकसित करने जा रहा है। इस स्टेशन का विस्तार फेज़-चार के अंतर्गत निर्माणाधीन तुगलकाबाद–एयरोसिटी गोल्डन लाइन कॉरिडोर से अतिरिक्त कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किया जा रहा है। डीएमआरसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार हाल ही में इस कॉरिडोर के एयरोसिटी से आईजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल-1 स्टेशन (2.263 किलोमीटर) तक विस्तार को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। भविष्य में इस स्टेशन को ट्रिपल इंटरचेंज के रूप में विकसित किया जाएगा। क्योंकि एनसीआरटीसी के प्रस्तावित अलवर कॉरिडोर के लिए दिल्ली एयरोसिटी पर इंटरचेंज सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। नए दिल्ली एयरोसिटी मेट्रो स्टेशन में एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन और गोल्डन लाइन के बीच प्लेटफॉर्म-टू-प्लेटफॉर्म एवं कंकोर्स-टू-कंकोर्स पेड एरिया कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। यह प्लेटफॉर्म लगभग 22 मीटर की गहराई पर निर्मित किया जाएगा। गोल्डन लाइन का नया स्टेशन लगभग 290 मीटर लंबा होगा, ताकि इंटरचेंज की सभी आवश्यकताएं पूरी की जा सकें। वैसे सामान्य इंटरचेंज स्टेशन की लंबाई लगभग 260 मीटर होती है। योजना के अनुसार, गोल्डन लाइन और प्रस्तावित एनसीआरटीसी कॉरिडोर एक-दूसरे को लगभग तिरछी दिशा में क्रॉस करेंगे। भविष्य में एनसीआरटीसी प्लेटफॉर्म के निर्माण के लिए आवश्यक संरचनात्मक प्रावधान पहले से ही स्टेशन में शामिल किए जाएंगे।

हर गरीब को राशन कार्ड देना सुनिश्चित करेगी भाजपा सरकार : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली की भाजपा सरकार स्वीकृत न्यूनतम वेतन से कम पाने वाले हर गरीब को राशन कार्ड देना सुनिश्चित करेगी और बेहतर होगा कि आम आदमी पार्टी नेता दिल्ली के गरीबों को गुमराह करना बंद करें। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को आप नेताओं पर निशाना साधते हुए यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार हर भारतीय गरीब को राशन कार्ड उपलब्ध करवायेगी पर एक भी बांग्लादेशी एवं रोहिंग्या मुसलमान का राशन कार्ड नहीं बनने देगी। सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने राशनकार्ड को लेकर एक लाख तक वार्षिक आय वालों के लिए जो पहले आओ पहले पाओ स्कीम बनाई थी वह एक छलावा थी जिसकी आड़ में दिल्ली में हजारों हजार बंग्लादेशी एवं रोहिंग्या मुसलमानों के राशनकार्ड बना दिए गये।

सचदेवा ने कहा है कि आप नेता डी.एम. के आधीन बनी कमेटी से इसलिए घबरा रहे हैं क्योंकि अब उनके विधायकों की सिफारिश पर बांग्लादेशी एवं रोहिंग्याओं के साथ उनकी पार्टी के समृद्ध कार्यकर्ताओं को राशन कार्ड नहीं मिल पायेंगे। उन्होंने कहा है कि अब दिल्ली में भाजपा सरकार है और कोई अधिकारी किसी गरीब से ईडब्ल्यूएस कार्ड बनाने का पैसा मांगता है तो मुख्यमंत्री आवास एवं दिल्ली भाजपा कार्यालय के द्वार उनकी सुनवाई के लिए खुले हैं।

आईपीयू : 'अमान्य कानून और अमान्य अधिकार' पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने द्वारका परिसर में "अमान्य कानून और अमान्य अधिकार" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। आईपीयू प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रशासन ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समकालीन कानूनी ढांचे में आमान्य कानूनों की प्रासंगिकता और निरंतर महत्व का पता लगाना था, जिसमें सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक प्रथाओं, दृष्टिकोण और पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर विशेष ध्यान दिया गया था। उद्घाटन सत्र में ब्रतिन सेनगुप्ता, पूर्व सदस्य, राज्यसभा, और न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) संजीव जैन ने भाग लिया, जिन्होंने सभा को संबोधित किया और समावेशी और संदर्भ-संवेदनशील कानूनी प्रणालियों को आकार देने में अमान्य कानून कानून की भूमिका पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की। उनके संबोधनों ने विचार-विमर्श के लिए एक अर्थपूर्ण स्वर निर्धारित किया और पारंपरिक प्रथाओं को संवैधानिक मूल्यों के साथ समन्वय करने के महत्व पर जोर दिया।

सम्मेलन में भारत भर के शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने 50 से अधिक पेपर प्रस्तुत किए, जिसमें कई राज्यों का प्रतिनिधित्व था, जो विविध क्षेत्रीय और सामाजिक-कानूनी दृष्टिकोणों को दर्शाता है। यह आयोजन प्रो. महेश वर्मा, कुलपति, डॉ. कमल पाठक, रजिस्ट्रार, प्रो. शिवानी गोस्वामी, डीन, यूएसएलएलएस, प्रो. दीपशिका अग्रवाल, आयोजन सचिव और डॉ. जुबैर अहमद खान, संकाय समन्वयक के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।

भारतीय तटरक्षक
वयम् रक्षामः ...

आपातकालीन समुद्री 'खोज एवं बचाव' टेलीफोन नं. 1554
नोटः कृपया किसी भी समुद्री आपातकालीन स्थिति में उपरोक्त टोल फ्री नम्बर पर संपर्क करें

राष्ट्रपति पुरस्कार 2025 - 2026

गणतंत्र दिवस - 2026 (26 जनवरी 26)

अपर महानिदेशक डौनी माइकल, र.त.प., त.प. : अति विशिष्ट सेवा मेडल
उप महानिरीक्षक के एस सीताराम : विशिष्ट सेवा मेडल
महानिरीक्षक इकबाल सिंह चौहान, त.प., महानिरीक्षक दतविन्दर सिंह सैनी, त.प. : राष्टपति तटरक्षक पदक (विशिष्ट सेवा)
प्र./नाविक (एम.ई.) सौम्य रंजन बेहेरा : उत्तम जीवन रक्षा पदक
स्वर्गीय समादेशक राकेश कुमार राना, स्वर्गीय समादेशक (क.श्रे.) विपिन बाबू, स्वर्गीय प्र./नाविक (आर.पी.) करन सिंह : तटरक्षक पदक (वीरता) मरणोपरान्त
समादेशक (क.श्रे.) शैलेन्द्र सिंह बिष्ट, प्र./नाविक (आर.पी.) गौतम यादव, प्र./नाविक (आर.पी.) बन्टी कुमार : तटरक्षक पदक (वीरता)
उप महानिरीक्षक विनोद कुमार परमार, उप महानिरीक्षक अरुण कुमार भारद्वाज, उप महानिरीक्षक सुधाकर पाटिल, समादेशक इन्दु पी, प्र./अधिकारी (आर.ओ.) तपस कुमार बनर्जी : तटरक्षक पदक (सराहनीय सेवा)

स्वतंत्रता दिवस - 2025 (15 अगस्त 25)

समादेशक श्रीनिवास गदम, समादेशक (क.श्रे.) अंकित शर्मा, समादेशक (क.श्रे.) राजकमल अत्री : तटरक्षक पदक (वीरता)
महानिरीक्षक अनुपम राय, उप महानिरीक्षक बिभूति रंजन : तटरक्षक पदक (सराहनीय सेवा)

CBC 10147/13/0016/2526

संपर्क करें: @IndianCoastGuard @IndiaCoastGuard @indiancoastguard_official @indiancoastguard9228

तटरक्षक में भर्ती हेतु, संपर्क करें : www.joinindiancoastguard.gov.in & www.indiancoastguard.gov.in

खबर संक्षेप

मरीज के पेट से निकला 16.5 किलो का ट्यूमर

फरीदाबाद। चिकित्सा क्षेत्र में अग्रणीय एसएसबी सुपर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के अनुभवी डाक्टरों ने एक मरीज की सर्जरी कर उसके अंदर से 16.5 किलोग्राम का ट्यूमर निकालने में सफलता हासिल की है। ऑपरेशन के बाद मरीज की सेहत में सुधार हुआ और उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। यह सर्जरी डॉ. अजय वर्मा और उनकी टीम द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि जब मरीज को हॉस्पिटल में लाया गया तो उसकी हालत काफी गंभीर थी।

एक्मा ऑटोमैकेनिका में होगी 20 देशों की भागीदारी

गुरुग्राम। भारत का ऑटोमोटिव आफ्टरमार्केट पॉलिसी रिफॉर्म, बढ़ते निवेश और तेजी से टेक्नोलॉजी अपनाने के कारण विकास के एक नए दौर में है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) के अनुसार, ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री का मौजूदा वैल्यू वित्तवर्ष-2025 में 80.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर है, जिसमें ऑटोमोटिव आफ्टरमार्केट का हिस्सा 11.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।

कंपनी का नाम बदलकर करोड़ों का घोटाला, केस दर्ज

गुरुग्राम। फर्जी दस्तावेजों के सहारे शेयरों की अवैध बिक्री, कंपनी के भीतर सुनियोजित साजिश और करोड़ों रुपए के कथित फर्जीवाड़े से जुड़ा एक बड़ा कारपोरेट घोटाला सामने आया है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच एजेंसियों को इस पूरे प्रकरण में मनी लान्ड्रिंग के संकेत भी मिले हैं, अब ईडी की नजर भी इस मामले पर टिक गई है। यह शिकायत जियोन यूनिवर्सल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से उसके पावर आफ अटार्नी होल्डर सिद्धार्थ शर्मा द्वारा दर्ज कराई गई है।

अपर मुख्य सचिव ने लिया बायोडायवर्सिटी पार्क व आईटीएमएस का जायजा

इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के एक ही कार्यालय में 311, आइजीआर एस, कंट्रोल रूम, शहर की सुविधाओं को बना रहा है सरल: अमृत अभिजात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम मुख्यालय में बनी आई ट्रिपल सी बिल्डिंग अपर मुख्य सचिव, अमृत अभिजात, पर्यटन संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग ने शनिवार को निरीक्षण किया। उपस्थित अधिकारियों द्वारा इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के माध्यम से चल रहे ट्रायल के कार्य को देखा गया। अपर मुख्य सचिव तथा महापौर द्वारा ट्रायल के क्रम में हापुर चुंगी रेड लाइट पर बिना हेलमेट के चल रहे स्कूटी सवार का चालान काटा गया।

नगर आयुक्त ने प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कैमरा इंटीग्रेटेड के बारे में बताया गया। ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ निगम के कार्यों पर भी मॉनिटरिंग रखी जा रही है बताया गया। अपर मुख्य सचिव,अमृत अभिजात

ने बताया गया कि गाजियाबाद ननि द्वारा इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के अंतर्गत 311 एप्लीकेशन, आइजीआर एस, कंट्रोल रूम तथा व्हीकल ट्रैकिंग मॉनिटरिंग सिस्टम का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अलावा आईटीएमएस के माध्यम से सुविधा ट्रैफिक व्यवस्था में रहेगी तथा शहरवासियों को जाम से भी मुक्ति मिलेगी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी मॉनिटरिंग सरल होगी ट्रायल के रूप में विभागों के चल रहे कार्यों के क्रम में चालान काटने की शुरुआत की गई है। बिल्डिंग में जन समस्याओं के समाधान के लिए चल रहे कार्य प्रसंसनीय हैं ननि टीम का उत्साहवर्धन किया गया।

नगर आयुक्त तथा निगम अधिकारियों द्वारा निगम के चल रहे प्रोजेक्ट बायोडायवर्सिटी पार्क का भी स्थलीय निरीक्षण कराया गया। बायोडायवर्सिटी पार्क एनसीआर का सबसे भव्य और आकर्षक होने के साथ-साथ सुविधाजनक भी बनाया जाए अपर मुख्य सचिव द्वारा निर्देश दिए गए। बायोडायवर्सिटी एक्सपर्ट के माध्यम से उक्त पार्क की प्लानिंग को कराया जाए निर्देशित किया गया। समय सीमा के अंतर्गत ही कार्य पूर्ण हो निर्देश दिए गए। पर्यटकों के लिए गाजियाबाद का बायोडायवर्सिटी पार्क बहुत ही अद्भुत और सुविधाजनक हो प्लानिंग करने के लिए कहा गया।विजयनगर जोन अंतर्गत बने जोनल कार्यालय का भी जायजा लिया गया। बिल्डिंग का निर्माण पूरा हो चुका है उद्घाटन से पूर्व इलेक्ट्रिक तथा इंटरनेट की वर्किंग का पर्यवेक्षण करने के लिए निर्देश दिए गए, अग्नि समन संयंत्र के अधिष्ठापन के लिए भी कहा गया। अपर मुख्य सचिव द्वारा विजयनगर अंतर्गत आर्मी लैंड पर 6 महीने पूर्व पौधारोपण किया था जिसमें 18000 स्क्वायर मीटर लैंड पर 55000 पौधे लगाए गए थे जो अब 6 फीट से ऊंचे हो गए हैं, पौधों को वृक्ष बनते देखा अपर मुख्य सचिव द्वारा ननि उद्यान विभाग की प्रशंसा की तथा मौके पर उपस्थित नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि कूड़े को हटाकर मियांवकी पद्धति से पौधारोपण किया गया है, लगभग 50 से अधिक प्रजातियों के फलदार और फूलों के पौधे लगाए गए थे जो कि अब बड़े हो रहे हैं सिंदूर, पीपल, नीम, जामुन, कदम, पिलखन, अशोक, अर्जुन, कॉनोकार्पस, चक्रेसिया, आम, गुलमोहर,ब ल पत्थर, बॉटल ब्रश अमरूद के पौधे लगाए गए थे। जो कि अब वृक्ष बन रहे हैं। इसी प्रकार शहर में आने को स्थान पर प्लांटेशन किया गया था जो कि अब वृक्ष का रूप ले रहे हैं।

वर्तमान में ऑक्सीजन का हब बन रहा है आगे भी रिक्त भूमि पर पौधारोपण करने की योजना बनी हुई है। महापौर सुनीता दयाल, जिलाधिकारी रविंद्र माँदंड, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंदकिशोर, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, एडिशनल सीपी आलोक प्रियदर्शी, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र, जेबी सिंह व मुख्य अभियंता एनके चौधरी उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मेले का किया शुभारंभ

39 वें सूरजकुंड अंतराराष्ट्रीय आत्मनिर्भर मेले का रंगारंग आगाज

कन्ट्री पार्टनर इजिप्ट व थीम स्टेट उत्तर प्रदेश व मेघालय बने

बिजेन्द्र शर्मा ▶▶ फरीदाबाद

सूरजकुंड पर्यटन स्थल पर 39वें सूरजकुंड अंतराराष्ट्रीय आत्मनिर्भर हस्तशिल्प मेले का आज रंगरंगा आगाज हो गया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बड़ी चौपाल पर दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। 16 दिनों तक चलने वाले एक अंतराराष्ट्रीय मेले में 50 के करीब देश व 12 सौ के करीब हस्तशिल्पी शिरकत कर रहे है। इस बार मेले का थीम पार्टनर कन्ट्री इजिप्ट है तथा थीम स्टेट उत्तर प्रदेश व मेघालय है। उद्घाटन अवसर पर हरियाणा के लोक कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, मेले में सहयोगी देश मिस्त्र के एम्बेसडर कमल जायद गलाल, पर्यटन मंत्री अरविंद शर्मा, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर, खेल मंत्री गौरव गौतम, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के सचिव डॉ. श्रीवत्स कृष्णा व पर्यटन विभाग हरियाणा के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मेले के शुभारंभ अवसर पर उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने मेला परिसर में हरियाणा के अपना घर पवेलियन का दौरा किया, जहां हरियाणवी पगड़ी पहनाकर उनका पारंपरिक स्वागत-सत्कार किया

गया। उपराष्ट्रपति ने मेले के थीम स्टेट मेघालय के स्टॉलों का अवलोकन करते हुए शिल्पकारों से संवाद किया तथा उनके हुनर की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने मेले में सहभागी विभिन्न देशों और राज्यों की सांस्कृतिक विद्याओं का अवलोकन कर कलाकारों एवं शिल्पकारों का उत्साहवर्धन किया। मेला परिसर की मुख्य चौपाल के मंच से उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेले में आने वाले आगंतुकों की सुविधा हेतु मेला साथी ऐप का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा द्वारा उन्हें पांचजन्य शंख और महाभारत के दृश्य को दर्शाती एक आकर्षक पेंटिंग भेंट की गई। वसुधैव कुटुंबकम के शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता सूरजकुंड शिल्प मेला रू उपराष्ट्रपति उद्घाटन करने उपरांत उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने संबोधन में कहा कि सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला दशकों से भारत की सांस्कृतिक आत्मा, कलात्मक उत्कृष्टता और सभ्यतागत निरंतरता का जीवंत प्रतीक रहा है। यह उत्सव वसुधैव कुटुंबकम के उस शाश्वत भारतीय दर्शन को साकार करता है, यह मेला निर्माण करने वाले हाथों, नवाचार से भरे मस्तिष्कों और हमारी पहचान गढ़ने वाली परंपराओं को एक सांझा मंच पर एकत्र करता है। लगभग चार दशकों से यह आयोजन हमारे कारीगरों, बुनकरों, मूर्तिकारों, चित्रकारों और लोक कलाकारों को वैश्विक पहचान दिला रहा है, जिनमें से अनेक पीढ़ियों से चली आ रही कलाओं को जीवित रखे हुए हैं। इस वर्ष आत्मनिर्भर भारत पर केंद्रित दृष्टिकोण ने मेले के महत्व को और भी गहन बना दिया है और उन्हें सशक्त बनाना एक समावेशी, सशक्त और टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नींव है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से सशक्त हो रहा कारीगर समुदाय

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक हस्तशिल्प क्षेत्र को राष्ट्रीय पुनर्जागरण के केंद्र में रखा गया है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना जैसे परिवर्तनकारी प्रयासों ने कारीगरों और शिल्पकारों को कौशल विकास वित्तीय सहायता और बाजार से जुड़ाव प्रदान कर पूरे इकोसिस्टम को सशक्त बनाया है।

सांस्कृतिक विरासत और व्यावसायिक सफलता का सशक्त उदाहरण है मेला

उपराष्ट्रपति ने कहा कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के इस युग में सूरजकुंड मेला हमें हाथ से बनी वस्तुओं, मानवीय स्पर्श और प्रामाणिक शिल्प के अमूल्य महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष लगभग 15 लाख लोगों ने मेले का भ्रमण किया, जो यह दर्शाता है कि यह मेला आमजन से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि मेले में कारीगरों के उत्पादों की बिक्री प्रतिदिन बढ़ती है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सूरजकुंड मेला न केवल सांस्कृतिक रूप से, बल्कि व्यावसायिक दृष्टि से भी अत्यंत सफल और प्रभावशाली आयोजन है। उपराष्ट्रपति ने इस दौरान कारीगरों, आयोजकों व दर्शकों से इस विरासत को समझने,ख अपनाने और आगे बढ़ाने का आह्वान भी किया।

सूरजकुंड शिल्प मेला हमारी प्राचीनता और आधुनिकता का संगमः नायब सिंह सैनीः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिल्प मेले के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सूरजकुंड शिल्प मेला हमारी प्राचीन विरासत और आधुनिक सोच का सजीव संगम है। पिछले 38 वर्षों से यह मेला भारतीय लोक कला, संस्कृति और शिल्प परंपराओं को न केवल संरक्षित कर रहा है, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी और वैश्विक मंच से भी जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम लोकल टू ग्लोबल और आत्मनिर्भर भारत की पहचान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विजन को साकार करती है।

एक शाम-स्वदेशी के नाम का आयोजन किया गया

सांस्कृतिक संध्या में एकता, सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी भावना की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एनसीयूआई ऑडिटोरियम, सिरी फोर्ट रोड में एक शाम-स्वदेशी के नाम का आयोजन किया गया। जिसमें भारत की एकता, सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी भावना को संगीत, नृत्य और दृश्य प्रस्तुति के सशक्त संयोजन द्वारा अभिव्यक्त किया गया।

इस अवसर पर 12 राज्यों से आए 60 कलाकारों ने 14 शास्त्रीय एवं लोक नृत्य शैलियों की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं, जिनसे भारत की सांस्कृतिक विविधता सजीव हो उठी। पूरी प्रस्तुति में तिरंगा एक प्रमुख दृश्य प्रतीक के रूप में उभरा—जिसमें केसरिया शौर्य, श्वेत शांति और हरा समृद्धि का संदेश देता रहा। कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता,स्वदेशी जागरण मंच के वरिष्ठ नेता कश्मीरी लाल, सतीश कुमार, डॉ. अश्वनी महाजन, भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम तथा विधायक अनिल शर्मा और शिखा राय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के संयोजक मुकेश गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम में सशक्त दृश्य भाषा, भावनात्मक प्रस्तुति और देशभर के कलाकारों की सहभागिता से अनेकता में एकता का शानदार चित्रण किया गया।

अस्पताल की टीम ने डबल वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया

फोर्टिस हॉस्पिटल मानेसर ने की 300 कार्डियाक सर्जरी

शानदार क्लीनिकल परिणामों को साकार कर दिखाया जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

फोर्टिस हॉस्पिटल मानेसर ने 300 कार्डियाक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी कर एडल्ट एवं पिडियाट्रिक कार्डियाक केयर के अग्रणी तथा उन्नत केंद्र के तौर पर अपनी पहचान बना ली है। एक वर्ष के दौरान, फोर्टिस मानेसर की कार्डियाक टीम ने देशभर के अलावा पड़ोसी देशों से यहां उपचार के लिए रेफर किए गए कुछ बेहद चुनौतीपूर्ण मामलों में दक्षता का परिचय देते हुए ऐसे शानदार क्लीनिकल परिणामों को साकार कर दिखाया जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप थे।

ऐसा ही एक मामला 14-वर्षीय किशोरी का था जो जन्मजात हृदय विकार से पीड़ित थी। जिसका फोर्टिस मानेसर में दुर्लभ

इंटरवेंशनल फोंटन प्रक्रिया से इलाज किया गया। अस्पताल की टीम ने 47 वर्षीय महिला मरीज की डबल वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा किया। ऐसे ही बांग्लादेश से इलाज के लिए आए 60 वर्षीय मरीज कर फोर्टिस मानेसर की टीम ने उनकी दुर्लभ 'बीटिंग हार्ट' रीडू मिनीमली इन्वेसिव मिट्रल वाल्व रिस्पेलसमेंट सर्जरी की। कार्डियाक टीम ने 43 वर्षीय एक प्रोफेशनल स्कूबा डाइवर की अवरुद्ध धमनियों, हार्ट वाल्व से रिसाव और हृदय की कमजोर मांसपेशियों का इलाज सिंगल सर्जरी से ही करने का शानदार उदाहरण पेश किया।

डॉ. महेश वाधवानी, चीफ कार्डियाक सर्जन एवं एचओडी, सीटीवीएस, फोर्टिस हॉस्पिटल मानेसर ने कहा, कि अस्पताल में 300 सर्जरी करने का मतलब है हमारे प्रति मरीजों का भरोसा और साथ ही, हमारी मल्टी डिसीप्लीनरी टीम के बीच अत्यधिक तालमेल होना। हमारा जोर उन्नत तथा साक्ष्य आधारित कार्डियाक केयर प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परिणाम उपलब्ध कराने का रहा है।

एक दिवसीय कम्यूनिटी डे मीटअप का आयोजन होगा

देश के 33 शहरों में आज एक साथ होगी कम्यूनिटी डे मीटअप

फ़ॉक्स पोकेमॉन को विशेष रूप से फीचर किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

पोकेमॉन गो कम्यूनिटी डे पर वलपिक्स और अलोला वलपिक्स फ़ॉक्स पोकेमॉन को विशेष रूप से फीचर किया जाएगा। रविवार को आज यह एक दिवसीय कम्यूनिटी डे मीटअप दोपहर को एक साथ देश के 33 शहरों में आयोजित होगी। कम्यूनिटी डे मीटअप में नई दिल्ली के सेक्टर 6, द्वारका में प्लाज़ा पार्क, ईरोज़ वन मॉल, महाराजा अग्रसेन पार्क और लोधी गार्डन, गाजियाबाद के इंदिरापुरम में स्वरूप जयंती पार्क, मुंबई के काला में हॉर्निमन सर्कल, शिवाजी पार्क (दादर), डॉकयार्ड रोड, वर्धमान फ़ैंटेसी पार्क, नवी, मुंबई के वाशी में इनऑर्बिट मॉल, ऐरोली में राजीव गांधी गार्डन और कलांबोली के सेक्टर 10 में मंडावा गार्डन, पुणे के सरसबाग, भुवनेश्वर के खरवेला पार्क, बेंगलुरु के हनुमान पार्क, केम्पफोर्ट मॉल, कम्मनहल्ली में डॉ. राजकुमार पार्क, पूर्वा फ़ाउंटेन स्क्वेयर, राजाजीनगर के ओरियन मॉलक्यूब्बन पार्क, श्रीमती लक्ष्मी देवी उद्यानवन, सेंट्रो मॉल और एचएसआर लेआउट में स्वाभिमान पार्क), कोलकाता के सूर्या सेन नगर प्लेग्राउंड, सॉल्ट लेक स्टेडियम, शापूरजी कॉम्प्लेक्स एम्फीथिएटर, लायलका मठ और लायंस सफारी पार्क (रवींद्र सरोवर लेक), हैदराबाद के इंदिरा पार्क, जयलक्ष्मी गार्डन्स, शिल्पारमम आर्ट एंड क्राफ्ट विलेज, अहमदाबाद के वस्त्रापुर लेक, अगरतला के चिल्ड्रन पार्क, लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क, मंगलुरु के कदरी पार्क, भोपाल के डीबी मॉल, कोयंबटूर, इंदौर के लाल बाग गार्डन, कोच्चि के सुभाष पार्क, मैसूरु के संजीविनी पार्क, चेन्नई के टॉवर पार्क, एसआरएम टेक पार्क, बर्धमान के मलिर मठ, गोवा के फातोर्डा में रविंद्र भवन, कानपुर के मोतीझील में कारगिल पार्क, गुवाहाटी के लतासिल प्लेग्राउंड, जयपुर के जवाहर सर्किल, मदुरै के मदुरै कॉर्पोरेशन इको पार्क, नोएडा के मेघदूतम पार्क, सूरत के लेक व्यू गार्डन, तिरुवनंतपुरम के नेपियर म्यूजियम, मल्लिकपुर के खानपारा ग्राउंड आदि।

ढाबे पर देर रात युवक खाना खाने आए थे

3 हजार रुपए का विवाद, ढाबा कर्मचारियों ने कर दी 2 लोगों की हत्या, ढाबा संचालक हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

ट्रांस हिंडन जोन के खोड़ा थाना क्षेत्र में आंबेडकर गेट के नजदीक स्थित वैष्णो ढाबा कर्मचारियों ने शुक्रवार देर रात दो युवकों की हत्या कर दी गई। घटना में एक अन्य युवक घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है।डीसीपी ट्रांसहिंडन निमिष पाटील ने बताया कि खोड़ा थाना क्षेत्र के आंबेडकर गेट के नजदीक कागज मार्केट की गली में एक वैष्णो ढाबा है।

वहां पर शुक्रवार की देर रात कुछ युवक खाना खाने आए थे। खाना खाने के बाद होटल ने तीन हजार रुपए का बिल दिया। युवकों ने ज्यादा बिल बताया। इसी को लेकर ढाबा कर्मचारियों व युवकों के बीच विवाद हो गया। इसी बीच दोनों पक्षों में विवाद इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के युवकों पर हमला बोल दिया। इस घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि युवकों पर हमला चाकू और पत्थरों से किया

गया था। इस हमले में सत्यम, श्रीपाल और अनुराग घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पैदल ही वहां से भाग निकले। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंची। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में सत्यम और श्रीपाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। घायल तीसरे युवक अनुराग का इलाज चल रहा है। डीसीपी ने बताया कि युवकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे जा रहे हैं। घटना में मृत युवकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

श्रीराम कथा में अभूतपूर्व ज्वार उमड़ पड़ा, माता जानकी का प्रसंग भी सुनाया

भक्ति, शक्ति और शरणागति का दिव्य अनुष्ठान: कविनगर के रामलीला मैदान में गूंजी रावण-मर्दन और लंका विजय की शाश्वत विजयगाथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की पावन लीलाओं के माध्यम से जन-मानस में धर्म, संस्कार और सदाचार का बीजारोपण कर रहे 'मंगलमय परिवार' द्वारा आयोजित अष्ट दिवसीय श्रीराम कथा के सप्तम सोपान पर शनिवार को श्रद्धा का अभूतपूर्व ज्वार उमड़ पड़ा।

कविनगर स्थित रामलीला मैदान में पूज्य संत विजय कौशल जी महाराज की ओजस्वी और रससिक्त वाणी से जब 'सीता खोज' से लेकर 'लंका विजय' तक के प्रसंगों का प्रवाह आरंभ हुआ, तो उपस्थित जनसमूह भाव-

विभोर होकर मानो त्रेतायुग की दिव्यता का साक्षी बन गया। महाराजश्री ने अपनी विशिष्ट व्याख्या-शैली से प्राचीन प्रसंगों को समकालीन जीवन-मूल्यों से जोड़ते हुए अध्यात्म की नव्य चेतना का संचार किया।

हनुमान का चरित्रः संकल्प और सिद्धि का शिखर कथा के प्रथम चरण में महाराजश्री ने हनुमान जी के समुद्र-लंघन की दार्शनिक विवेचना करते हुए कहा कि वे केवल पराक्रम के प्रतीक नहीं, अपितु सेवा, सुमिरन और सामर्थ्य के सजीव आदर्श हैं।

अशोक वाटिका में शोक-संतप्त माता जानकी को प्रभु की मुद्रिका सौंपने का प्रसंग जीव और ब्रह्म के मध्य अटूट विश्वास का सेतु है। उन्होंने रेखांकित किया कि हनुमान जी की विनयशीलता उनके बल से भी अधिक विराट है जिसने लंका के स्वर्णिम अहंकार को भस्म कर दिया।

धर्म-युद्ध और अधर्म का उन्मूलनः लंका विजय आगे सेतु-निर्माण, विभीषण की शरणागति और रावण-वध के प्रसंगों का सशक्त वर्णन करते हुए महाराजश्री ने स्पष्ट किया कि यह विजय केवल युद्ध का परिणाम नहीं, बल्कि काम, क्रोध और लोभ जैसी आसुरी प्रवृत्तियों पर सात्विकता की निर्णायक जीत है। विभीषण के माध्यम से यह संदेश उभरा कि जब व्यक्ति कुल, स्वार्थ और भय से ऊपर उठकर धर्म का आलिंगन करता है, तब स्वयं ईश्वर उसका पथ प्रशस्त करते हैं। लंका विजय के क्षणों में समूचा पंडाल 'राजाराजेश्वर राम' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

महाराजश्री का आध्यात्मिक पाथेयः महाराजश्री ने कहा कि रामकथा केवल श्रवण का विषय नहीं, आचरण की जीवन-संहिता है। हनुमान जैसी भक्ति, लक्ष्मण जैसा अनुशासन और राम जैसा मर्यादित आचरण अपनाकर ही भीतर के रावण—अहंकार—का वध संभव है। शुद्ध संकल्प और सात्विक वृत्तियाँ हों, तो कोई नकारात्मक शक्ति पराजित नहीं कर सकती।

रेलवे और नमो भारत यात्रियों के लिए आसान हुआ एंड-टू-एंड सफर

एनसीआरटीसी और आईआरसीटीसी के बीच निर्बाध टिकट बुकिंग सेवा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने एक निर्बाध टिकटिंग प्रणाली शुरू की है, जिससे यात्रियों को अब भारतीय रेल और नमो भारत के माध्यम से यात्रा की योजना बनाने और टिकट बुक करने में अधिक सुविधा मिलेगी।

अब नमो भारत के यात्री एनसीआरटीसी के नमो भारत ऐप पर उपलब्ध आईआरसीटीसी आइकन पर क्लिक कर सीधे भारतीय रेल के टिकट बुक कर सकते हैं। वहीं, आईआरसीटीसी यात्री यदि दिल्ली को गंतव्य बनाकर ट्रेन टिकट बुक करते हैं, तो वे आईआरसीटीसी रेल कनेक्ट ऐप पर अपनी बुकिंग डिटेल खोलकर एनसीआरटीसी आइकन पर क्लिक कर नमो भारत का टिकट भी आसानी से बुक कर सकते हैं। इससे दोनों प्लेटफॉर्म्स के बीच पूर्ण एंड-टू-एंड फंक्शनल इंटीग्रेशन सुनिश्चित हुआ है। यह एकीकृत प्रणाली यात्रियों को सरल और सहज टिकट बुकिंग अनुभव प्रदान करती है और बार-बार जानकारी दर्ज करने की आवश्यकता को भी कम करती है। आईआरसीटीसी ई-टिकट बुक करने के बाद एनसीआरटीसी टिकट का विकल्प पीएनआर कन्फर्मेशन पेज पर दिखाई देता है और ट्रेन टिकट बुकिंग हिस्ट्री से भी एक्सेस किया जा सकता है। यह पहल भारत सरकार की "वन इंडिया—वन टिकट" परिकल्पना के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य विभिन्न परिवहन माध्यमों के बीच यात्रा को यात्रियों के लिए अधिक आसान और सुविधाजनक बनाना है।

डीएम ने पेश की मिसाल

आंगनबाड़ी में कराया अपनी बेटी का दाखिला कहा- बचपन में ममता, पोषण और सुरक्षा सबसे जरूरी

एजेंसी ▶▶ चित्रकूट

सरकारी स्कूल और आंगनबाड़ी का नाम सुनते ही बदहाली, अव्यवस्था और उपेक्षा की तस्वीर उभरकर सामने आती है। लोग शिकायत तो करते हैं, मगर भरोसा करने से कतराते हैं। जिन हाथों में व्यवस्था सुधारने की ताकत होती है, वही अक्सर अपने बच्चों को इन संस्थानों से दूर रखते हैं। चाहे वो अध्यापक हो, अधिकारी हो या जनप्रतिनिधि। ऐसे में एक जिम्मेदार अधिकारी खुद उदाहरण बनकर सामने आए। उनकी इस पहल से उम्मीद की एक नई किरण जगी है।

चित्रकूट के डीएम पुलकित गर्ग ने वही किया, जो अब तक सिर्फ बातें बनकर रह गया था। उन्होंने अपने पद, रुतबे और सामाजिक सोच से ऊपर उठकर अपनी बेटी का दाखिला आंगनबाड़ी में कराया। यह फैसला केवल एक एडमिशन नहीं, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास का प्रतीक है, जिसे हम अक्सर नकार देते हैं। उनका यह कदम बताता है कि बदलाव भाषणों से नहीं, बल्कि अपने आचरण से आता है।

साढ़े तीन साल की है बेटी

समाज में आंगनबाड़ी केंद्रों को लेकर बनी धारणाओं को बदलने की दिशा में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने एक सराहनीय पहल की है। उन्होंने अपनी साढ़े तीन वर्ष की पुत्री शिया का दाखिला शहर के धनुष चौराहा स्थित सरकारी आंगनबाड़ी केंद्र में कराकर यह संदेश दिया कि बच्चों की शुरुआती शिक्षा महंगे स्कूलों और बड़ी इमारतों से नहीं, बल्कि सही देखभाल और संस्कारों से मजबूत होती है।

1900 करोड़ में बनकर तैयार होगा भव्य राम मंदिर

भव्य राम मंदिर 1900 करोड़ में बनकर तैयार होगा। अभी तक 1600 करोड़ का भुगतान हो चुका है। सभी निर्माण कार्य पूरा होने की तिथि 30 अप्रैल तय की गई है।

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण समिति की शनिवार को दूसरे दिन की बैठक राम जन्मभूमि परिसर में हुई। बैठक में राम कथा संग्रहालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक से पहले मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कई अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि राम मंदिर निर्माण पर कुल 1900 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। अब तक जीएसटी सहित 1600 करोड़ रुपए का भुगतान हो चुका है। 30 अप्रैल तक राम मंदिर से जुड़े सभी निर्माण कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। निर्माण पूरा होने के बाद एलएंडटी और टाटा कंसलटेंसी साइट से हटेंगी।

अब तक 1600 करोड़ का भुगतान हो चुका

ऑडिटोरियम का कार्य अभी शेष

नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि 30 अप्रैल तक सभी दस्तावेज और बिल भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। एलएंडटी और टाटा कंसलटेंसी ने तीन वर्ष की गारंटी दी है। मेंटेनेंस के लिए दोनों संस्थानों की स्मॉल यूनिट मंदिर परिसर में तैनात रहेगी। ऑडिटोरियम का कार्य अभी शेष है।

खबर संक्षेप

तेज प्रताप ने खाली किया सरकारी बंगला

पटना। तेज प्रताप यादव ने अपना सरकारी बंगला खाली कर दिया है। उन पर सरकारी आवास से सामान गायब करने का आरोप लगने लगा है। पटना के 26 एम स्टैंड रोड स्थित यह आवास नीतीश सरकार में मंत्री लखेंद्र पासवान को आवंटित हुआ है। मंत्री ने आरोप लगाया कि जब वे बंगले में पहुंचे तो उसकी हालत खंडहर जैसी पाई गई।

धोनी को झारखंड में मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड सरकार पर्यटन के क्षेत्र में ब्रांड एंबेसडर बनाने की तैयारी में है। विभाग प्रस्ताव की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा फैसला लिया गया है। पर्यटन को लेकर धोनी जल्द ही जागरूक करते नजर आ सकते हैं।

कफ सिरप कांड में बड़ी कार्रवाई

भोला की 5.77 करोड़ की संपत्ति जब्त, अब तक 34.27 करोड़ संपत्ति पर की गई कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ सोनभद्र

कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी में संलिप्त भोला प्रसाद जायसवाल के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई जारी है। पूर्व में 28.50 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त किए जाने के बाद अब सोनभद्र पुलिस ने करीब 5.77 करोड़ रुपए की और संपत्ति कुर्क कर ली है। इस तरह अब तक तस्कर की कुल 34.27 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त की जा चुकी है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना रॉबर्ट्सगंज में दर्ज एफआईआर के तहत आरोपी प्रहलाद घाट के कायस्थ टोला निवासी भोला प्रसाद के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 23 जनवरी को पहले ही 28.50 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति जब्त की जा चुकी थी। इसके बाद धारा 68-एफ एनडीपीएस एक्ट के तहत वाराणसी जनपद में अभियुक्त और उसके परिजनों की संपत्तियों पर कुर्की की गई।

इसके पहले 23 जनवरी को पुलिस ने भोला की वाराणसी स्थित करीब 28.5 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की थी। न्यायालय से पुनः आदेश प्राप्त करके शनिवार को भोला प्रसाद और उनके परिजनों की वाराणसी स्थित करीब 6 करोड़ की संपत्ति और कुर्क करने की कार्यवाही की गई।

पहले भी संपत्ति की गई थी कुर्क

इसके पहले 23 जनवरी को पुलिस ने भोला की वाराणसी स्थित लगभग 28.5 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। उन्होंने कहा कि न्यायालय से पुनः आदेश प्राप्त करके शनिवार को भोला प्रसाद और उनके परिजनों की वाराणसी स्थित लगभग छह करोड़ की संपत्ति और कुर्क करने की कार्यवाही की गई।

इन स्थानों पर हुई कार्रवाई

शनिवार को पुलिस ने मड़ौली, भरलाई,जगदीशपुर क्षेत्र में स्थित कुल सात अचल संपत्तियों को कुर्क किया है, जिनकी कीमत करीब 4.55 करोड़ रुपए बताई गई है। इसके अलावा चार लग्जरी व अन्य वाहन भी जब्त किए गए हैं, जिनकी कीमत लगभग 51 लाख रुपए है। वहीं, बैंक खातों में जमा 70.99 लाख रुपए की राशि भी अभिग्रहित की गई है। इस तरह कुल 5.77 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई। कुर्क किए गए वाहनों में फॉर्च्यूनर लेजेंडर, हुंडई आई-20, एक्टिवा व वेस्पा स्कूटर शामिल हैं। फॉर्च्यूनर की कीमत ही करीब 40 लाख बताई गई है। कुर्की की कार्रवाई में एसआईटी निरीक्षक प्रणय प्रसून श्रीवास्तव, थानाध्यक्ष हाथीनाला नागेश सिंह, चौकी प्रभारी डाला घनश्याम तिवारी सहित पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने कहा कि नशीली दवाओं की तस्करी और उससे अर्जित अवैध संपत्तियों के खिलाफ कठोर व निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

आरजेडी का केंद्र पर उपेक्षा का आरोप

कहा- बिहार सबसे गरीब राज्य प्रति व्यक्ति औसत से आय कम

एजेंसी ▶▶ पटना

देश के आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए राष्ट्रीय जनता दल ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग एक बार फिर दोहराई है। शनिवार को बयान जारी कर राजद के प्रदेश प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा कि बिहार देश का सबसे गरीब राज्य है, जहां प्रति व्यक्ति आय 70,000 रुपए से भी कम है।

एनडीए सरकार बिहार के साथ निरंतर अन्याय करती रही : राज्य पर अभी 3.5 लाख करोड़ से अधिक कर्ज है। ऐसी स्थिति में बिहार को गरीबी से उबारने के लिए विशेष राज्य का दर्जा आवश्यक है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव बिहार को उसका उचित अधिकार देने की मांग करते रहे हैं, पर केंद्र की एनडीए सरकार बिहार के साथ निरंतर अन्याय करती रही है। पिछले बजट में बिहार के लिए की गई केंद्र की घोषणाएं भाषण तक ही सिमट कर रह गईं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कभी कहा था कि वे उसी गठबंधन को समर्थन देंगे, जो बिहार को विशेष दर्जा देगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इसका आश्वासन दिए थे। राजद को आशा है कि इस बार बिहार की चिर-प्रतीक्षित मांग पूरी होगी।

बिहार केसरी को आधुनिक बिहार का निर्माता बताया

शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की पुण्यतिथि राजद ने प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू की अध्यक्षता में मनाई। बिहार केसरी की उपाधि से ख्यात रहे श्रीकृष्ण सिंह के तैल-चित्र पर माल्यार्पण के बाद राजद नेताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा की। साहू ने कहा कि बिहार केसरी ने अपने व्यक्तित्व व कृतित्व से लंबी लकीर खींची। विरोध से बेपरवाह होकर अनुसूचित जाति के लोगों को लेकर मंदिर में प्रवेश किया।

पेज एक का शेष

आतंकियों ने मारे 5 ...

पाक खुफिया एजेंसी के निर्देश पर लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठन वर्षों से अपना खूनी आतंकी खेल खेलने में लगे हुए हैं। जुनैद कुरेशी वर्ष 1971 में एयर इंडिया के अपहृत विमान आईसी-405 विमान के अपहरणकर्ताओं में से एक हाशिम कुरैशी का बेटा है। इसलिए वह लगातार सार्वजनिक रूप से अपने पिता की विचारधारा और विमान अपहरण को आतंकवाद का एक कृत्य बताता है। साथ ही उसने कश्मीर में पाकिस्तान के झूठे आजादी के संघर्ष का भी बीते समय में बड़े पैमाने पर तथ्यों के साथ पर्दाफाश किया है। वह कहता है कि ये और कुछ नहीं बल्कि लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों का आईएसआई के निर्देश पर चलाया जा रहा छद्म अभियान है।

इनकम टैक्स, किसानों ...

भी रविवार को आम दिनों की तरह ही कारोबार होगा। बजट के चलते नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) रविवार को खुला रहेगा। इंडस्ट्री के तमाम स्टेकहोल्डर्स सरकार के साथ अपनी अपेक्षाएं साझा कर रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि आने वाले बजट में इन प्राथमिकताओं को शामिल किया जाएगा। न्यू रिजीम में 12 लाख तक की सालाना आय टैक्स फ्री: बजट 2025 में वित्त मंत्री ने न सिर्फ न्यू रिजीम में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स-फ्री कर दिया, बल्कि नौकरीपेशा लोगों को 75 हजार रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी दिया गया, जिससे 12.75 लाख रुपए तक का सालाना वेतन टैक्स मुक्त हो गया।

ऑपरेशन सिंदूर का रक्षा बजट पर क्या होगा असर? : यह केंद्रीय बजट सिर्फ सरकार की आमदनी और खर्च का हिसाब नहीं होगा, बल्कि इसमें यह संकेत भी मिलेगा कि भारत आने वाले समय में अपनी सुरक्षा को कैसे मजबूत करना चाहता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश में युद्ध और रक्षा रणनीति की अहमियत और प्राथमिकता और बढ़ी है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या इसका असर बजट 2026 में भी दिखेगा?

राष्ट्रपति से मुलाकात ...

मीडिया के सामने एक बार फिर से फोटो सेशन होता है। इसके बाद सुबह 11 बजे लोकसभा के सत्र की शुरुआत स्पीकर करते हैं और फिर वित्त मंत्री बजट भाषण शुरू कर देती हैं। बजट भाषण के शुरुआती हिस्से में वित्त मंत्री सरकार की उपलब्धियों और आंकड़ों का जिक्र करती हैं। इसके बाद बजट से जुड़े अहम ऐलान होते हैं।

कहां से देखें बजट?: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बजट भाषण सुबह 11 बजे से लाइव प्रसारित होगा। यह लाइव भाषण संसद टीवी या डीडी न्यूज पर देखा जा सकेगा। इन चैनलों के यूट्यूब चैनल या प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के यूट्यूब चैनल पर भी लाइव स्ट्रीमिंग होती है।

आतंकवाद के खिलाफ ...

की भलाई से इतर सीरिया के हालात भी जटिल बने हुए हैं। ऐसे में इस बहु-चुनौतियों के दौर में हमारी साझा पसंद शांति, स्थिरता और समृद्धि को मजबूती प्रदान करना है।

खाद्य सुरक्षा पर चाहिए मजबूत सहयोग भारत की अरब देशों के साथ मजबूत साझेदारी है। कई देशों के साथ यह सामरिक स्तर तक भी जा पहुंची है। भारत की साझेदारी की जड़ें इतिहास से जुड़ी हैं, जिसमें हमारे बीच सेवाओं, लोगों और विचारों का आदान-प्रदान होता था। परंपरागत जगत में ये भागीदारी कई सहयोगियों के साथ विविध रूपों में आगे बढ़ रही है। समूचे क्षेत्र में भारत से स्थानांतरित होकर पहुंचा बड़ा समुदाय भी रहता है। ऊर्जा के भंडारों के साथ भारत के बड़े व्यापार भी संबंध हैं। साथ ही हमारे बीच तेजी से बढ़ती उभरती हुई तकनीक और कनेक्टिविटी जैसे कदम भी मुख्य रूप से शामिल हैं। लेकिन जब बात खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा की आती है। तब मामला हमारे बीच चुनौतीपूर्ण के साथ ही संवेदनशील हो जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आज की सामूहिक चर्चा द्विपक्षीय संबंधों के बीच बने हुए इस अंतर को भरने का काम करेगी।

फिलिस्तीन के लोगों को ...

है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात में अरब देशों द्वारा पश्चिम-एशिया क्षेत्र में शांति और स्थिरता के प्रयासों को लेकर निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की है। प्रतिनिधिमंडल में अरब देशों के विदेश मंत्रियों के अलावा अरब लीग के महासचिव और भारत यात्रा पर आए प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख शामिल हुए।

एक दशक पहले हुई थी पहली बैठक : गौरतलब है कि भारत की अरब दुनिया के देशों के साथ उक्त फोरम के तहत पहली बैठक वर्ष 2016 में बहरीन में हुई थी। जिसमें अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, मीडिया, शिक्षा और संस्कृति जैसे सहयोग से जुड़े प्राथमिकता वाले पांच क्षेत्रों पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया था। अब इस दूसरी बैठक की खास बात यह है कि इसका आयोजन भारत में किया जा रहा है। जिसकी भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) संयुक्त रूप से सह-अध्यक्षता कर रहे हैं।

समस्या का चाहिए ...

मौत की भारत ने कड़े शब्दों में निंदा की थी। इसके अलावा संघर्ष के बीच दोनों पक्षों में युद्धविराम, सभी बंधकों की रिहाई और बातचीत-कूटनीति के जरिए समस्या के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान भी मजबूती के साथ किया है।

महाराष्ट्र की...

उपमुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल शुरू करने वाली सुनेत्रा पवार को हार्दिक शुभकामनाएं। वह इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह राज्य की जनता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम करेंगी और दिवंगत अजित दादा पवार के सपनों को साकार करेंगी। मुझे बेहद खुशी है कि सुनेत्रा काकी ने राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। सच तो यह है कि कोई भी अजित दादा की जगह नहीं ले सकता, लेकिन कम से कम सुनेत्रा काकी के रूप में हम अजित दादा की उपस्थिति को किसी न किसी रूप में देख सकते हैं। दुख के पहाड़ से घिरे और शोक में डूबे हम सभी को यह भी समझ नहीं आ रहा कि उन्हें बधाई कैसे दें?

सनेत्रा की जगह उनके बेटे पार्थ जाएंगे राज्यसभा: सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने का फैसला एक दिन पहले हुआ, जब उन्होंने उपमुख्यमंत्री बनने के पार्टी नेताओं के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की सहयोगी एनसीपी (अजित पवार गुट) की विधायक दल की शनिवार सुबह हुई बैठक में सुनेत्रा पवार को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। एनसीपी नेताओं का कहना है कि यह निर्णय न केवल संगठनात्मक स्थिरता के लिए जरूरी था, बल्कि अजित पवार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की दिशा में भी अहम कदम है। उपमुख्यमंत्री बनने से पहले सुनेत्रा राज्यसभा की सांसद थीं। उन्हें शपथ ग्रहण से पहले राज्यसभा से इस्तीफा देना पड़ा। एनसीपी अजित पवार के बड़े बेटे पार्थ पवार को उनकी मांग और सुनेत्रा की जगह राज्यसभा भेजने की तैयारी में है।

विदेश मंत्रालय ने दो टूक...

इजरायल दौरे का उल्लेख किया गया है। वर्ष 2017 में की गई पीएम मोदी की आधिकारिक इजरायल यात्रा के तथ्य के अलावा इस रिपोर्ट में कही गई बाकी सभी बातें एक दोषी अपराधी (जेफ्री एपस्टीन) की घटिया बकवास के अलावा और कुछ भी नहीं हैं। ऐसे में इन्हें साफ तौर पर नजरअंदाज करते हुए बिना किसी देरी के तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए।

सालों पहले हो चुकी ...

में ट्रायल शुरू होता कि उससे ठीक पहले ही एपस्टीन की मौत हो गई। ऐसे में अब सामने आ रहे यह तमाम दस्तावेज वो हैं। जो कि अमेरिका के न्याय विभाग और एफबीआई के पास एपस्टीन प्रकरण की जांच के दौरान एकत्रित किए गए थे।

राष्ट्रपति भवन के ...

करेंगी। अमृत उद्यान 3 फरवरी से 31 मार्च तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा। लोग हफ्ते में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक उद्यान घूमने आ सकते हैं। उद्यान में आखिरी प्रवेश शाम पांच बजे तक दिया जाएगा। सोमवार को उद्यान बंद रहेगा। इस वर्ष आगंतुक ट्यूलिप और अलग-अलग तरह के गुलाब के अलावा बैबलिंग ब्रूक -झरनों वाली पानी की धारा और रिफ्लेक्सोलॉजी पाथ वाले बरगद के बगीचे का दीदार कर सकते हैं। उद्यान में बाल वाटिका, प्लूमेरिया गार्डन, बरगद, बोनसाई, सेंट्रल लॉन, लॉन्ग व सर्कुलर गार्डन देख सकते हैं। यहां गुलाबों की भीम, अर्जुन, कृष्णा व अश्वनी किस्में खास हैं। अमृत उद्यान में पौधों की पहचान के लिए क्यूआर कोड लगाए गए हैं, इससे आगंतुक पौधों के वनस्पतीय नाम और अन्य विवरण सहित प्रत्येक प्रजाति के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पहलगाम का गुनहगार ...

है। ऐसे में किसी भी आतंकी मंसूबे को नाकाम करने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा तत्काल मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

धमकी में बुद्धिजीवियों को बताया गद्दार: सूत्रों ने शनिवार को बताया कि टीआरएफ ने एक एंड-टू-एंड मैसेज प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर कश्मीरी बुद्धिजीवियों को जान से मारने की धमकी वाला ये संदेश भेजा है। जिसमें लिखा है कि भारत, थिंक टैंक कहे जाने वाले इन समूहों द्वारा अपनी फासीवाद रिजीम को आगे बढ़ा रहा है। जिसके प्रमुख चेहरों में गद्दार जुनैद और अल्ताफ शामिल हैं। लेकिन अगर ये दोनों यह सोचते हैं कि इनकी गतिविधियों के बारे में किसी को कुछ नहीं पता है। तो यह किसी और को नहीं बल्कि अपने आप को ही धोखा दे रहे हैं। भारत के कब्जे वाले कश्मीर में इनकी गोपनीय बैठकों (अधिकारियों, पुलिस) के बारे में हमें पूरी जानकारी है। अगर इन्होंने भारतीय रिजीम के इस जहर के साथ चल रहा अपना दुष्प्रचार नहीं रोका। तो हम इन्हें जान से मारने में जरा भी नहीं हिचकेंगे।

रावलपिंडी से भेजा गया संदेश: टीआरएफ का ये एनक्रिप्टेड संदेश पाकिस्तान के रावलपिंडी से भेजा गया था। जिसके खाते की पुष्टि सूत्रों ने करते हुए बताया कि ये न केवल रावलपिंडी से संचालित एक प्लेटफार्म से भेजा गया है। जिसे लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर शेख सज्जाद गुल द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित किया जाता है। यह खाता पिछले साल 24 अगस्त को एक फर्जी नाम के साथ बनाया गया था। जिसके बाद से यह लगातार टीआरएफ के प्रॉपेगेंडा को फैलाने में लगा हुआ है। सूत्र कहते हैं कि इसके पीछे पाकिस्तान ही है। जो हर साल सद्भावना दिवस के नाम पर भारत के खिलाफ अपना आतंकी एजेंडा फैलाने के लिए आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करता है।

यूपी में 6 आईएएस अफसरों का तबादला

नगेन्द्र बने आगरा के मंडलायुक्त प्रशांत नागर बने नगर आयुक्त

▶▶ गाजियाबाद की संयुक्त मजिस्ट्रेट डॉ. पूजा गुप्ता बनीं मथुरा की मुख्य विकास अधिकारी

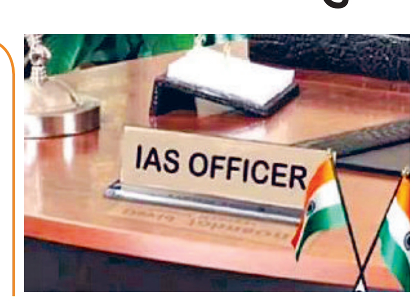

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

राज्य सरकार ने शनिवार को छह आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। नगेन्द्र प्रताप को आगरा का मंडलायुक्त बनाया गया है। वह अभी तक अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के पद पर तैनात थे। मऊ के मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर को नगर आयुक्त, फिरोजाबाद एवं उपाध्यक्ष, फिरोजाबाद-शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी दी गई है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के उपसचिव विवेक कुमार श्रीवास्तव को मऊ का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। मथुरा के मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीणा को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यमुना एक्सप्रेसवे आद्योगिक विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी दी गई है। गाजियाबाद की संयुक्त मजिस्ट्रेट डॉ. पूजा गुप्ता को मथुरा का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया है। रणवीर प्रसाद को आयुक्त, खाद्य एवं रसद, उत्तर प्रदेश के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उनके पास अभी प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद तथा उपभोक्ता मामले विभाग, उत्तर प्रदेश शासन की जिम्मेदारी थी।

हाईकोर्ट जज की निगरानी में जांच की मांग

नीट छात्रा मर्डर की सीबीआई जांच से खुश नहीं परिवार

▶▶ डीजीपी हत्या को आत्महत्या बता रहे। हमें किसी पर भरोसा नहीं है। पुलिस सरकार के दबाव में है

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार की राजधानी पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में नीट की पढ़ाई कर रही छात्रा की हत्या के मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। नीतीश सरकार ने यह केस केंद्रीय जांच एजेंसी को ट्रांसफर करने का फैसला लिया है। हालांकि, जहानाबाद की छात्रा के परिजन इससे खुश नहीं हैं। परिवार वालों का कहना है कि उन्हें किसी पर भरोसा नहीं है। परिजन के अनुसार, उन्होंने सीबीआई जांच की मांग नहीं की थी। बल्कि वह सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के जज की निगरानी में एक निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

छात्रा के परिवार के एक सदस्य ने शनिवार को एएनआई से बातचीत में मौत के पीछे प्रशासन की मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम संतुष्ट नहीं हैं। इसमें प्रशासन, हॉस्टल और अस्पताल की मिलीभगत है। सरकार मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। बल्कि सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की थी। डीजीपी ने कहा कि हमारी बेटी ने आत्महत्या की है। हमें किसी पर भरोसा नहीं है। बिहार पुलिस सरकार के दबाव में है।

झारखंड में खुली सरकारी स्कूलों की पोल

500 से ज्यादा में लड़कियों के लिए शौचालय ही नहीं

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में वर्तमान में 35, 454 सरकारी स्कूल संचालित हैं। इनमें 516 स्कूल ऐसे हैं, जहां छात्राओं के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं है। वहीं, 792 स्कूल ऐसे हैं, जहां छात्रों के लिए शौचालय नहीं है। इतना ही नहीं, 495 स्कूल ऐसे हैं, जहां पेयजल की सुविधा भी नहीं है। राज्य सरकार ने आठ मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले इन स्कूलों में शौचालय और पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

खास बातें

- 35, 454 सरकारी स्कूल संचालित
- 495 स्कूलों में पेयजल की सुविधा भी नहीं
- शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित कराने का था निर्देश

शौचालय नहीं होने से छात्राएं स्कूल से होती हैं ड्रॉपआउट

इससे छात्राओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और स्कूलों में न आने की समस्या सामने आती है। उनका ड्रॉपआउट भी देखा जाता है। झारखंड के कई स्कूलों में अब भी छात्राओं के लिए शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है या फिर वह उपयोग के लायक नहीं है। ऐसे में छात्रों के लिए शौचालय और पेयजल की सुविधा जल्द बहाल की जाए।

पीएम मोदी ने छात्राओं के लिए शौचालय सुविधाओं दिया था जोर

दिसंबर में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्राओं के लिए शौचालय सुविधाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है।

दुनिया की भीड़ में क्यों बढ़ रहा है अकेलापन

देश-दुनिया की आबादी भले ही दिनों-दिन बढ़ रही हो, लेकिन इसके उलट लोगों का अकेलापन भी बढ़ रहा है। अकेलेपन की समस्या विश्वव्यापी है। भारत समेत अनेक देशों के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अकेलेपन का हमारे स्वास्थ्य ही नहीं पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इसके कारणों को जाना जाए और इसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाए।

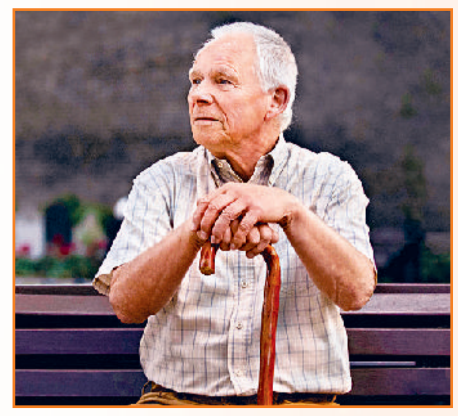

कवर स्टोरी
एस. भाग्यम शर्मा

यह सही है कि दुनिया में आठ अरब से अधिक और हमारे अपने देश में 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। लेकिन दुख की घड़ी में शायद ही एक कंधा ऐसा मिले, जिस पर सिर रखकर हम रो सकें। सोशल मीडिया पर भले ही हमारे हजारों दोस्त होंगे, फॉलोअर्स होंगे, लेकिन असल जिंदगी में एक भी हमारे साथ नहीं होता। यानी आज लोगों की भीड़ में भी हर कोई खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

अगर कोई शारीरिक बीमारी हो तो इसका असर दूसरों को नजर आता है। अकेलेपन का दुष्प्रभाव धूम्रपान और मोटापे की तरह शरीर पर नजर नहीं आता है। दरअसल, अकेलापन हमारे मन को बीमार बना देता है। अकेलापन एक दिन में 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा खतरनाक असर हमारे स्वास्थ्य पर डालता है। अकेलापन समय से पहले मृत्यु के खतरे को 25% तक बढ़ा देता है। अकेलेपन से ब्रेन स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा 30% तक बढ़ता है। यह डिमेंशिया के खतरे को 50% तक बढ़ा देता है, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि समय रहते अकेलेपन की इस बीमारी को पहचान लें और यह जानें कि कहीं आप भी अकेलेपन के अंधेरे में खोते तो नहीं जा रहे हैं।

दुनिया भर में लोग हैं परेशान

वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया था। अकेलेपन को परिभाषित करते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अकेलापन व्यक्ति की अपनी भावनात्मक पीड़ा है, जो सामाजिक अलगाव और सार्थक रिश्तों की कमी से पैदा होती है। आज के दौर में अकेलापन दुनिया भर में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कई लोग इस कदर अकेले हो चुके हैं कि अगर उनकी मृत्यु भी हो जाए तो कई-कई दिनों तक बाहरी दुनिया को उनकी मौत के बारे में पता ही नहीं चलता। वहां से आई खबरों के अनुसार पिछले साल जापान में करीब 76,000 लोगों की उनके घर में अकेले रहते हुए मौत हुई। 4,000 लोग ऐसे थे, जिनके मरने के करीब एक महीने के बाद बाहर के लोगों को उनकी डेड बॉडीज मिलीं। जापान में तो अकेलेपन को दूर करने के लिए ज्यादा उम्र के लोग कई बार जान-बूझकर अपराध करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, जिससे उन्हें सजा मिले और सजा के बाद वे जेल में दूसरे लोगों से मिलकर कुछ बातचीत कर सकें, उनका अकेलापन दूर हो, उनका मन लग सके।

बढ़ रहे हैं एकल परिवार

भारत में भी अकेलापन तेजी से फैल रहा है। इसकी मुख्य वजह है भारतीय समाज में टूटते संयुक्त परिवार। पहले के दौर में हमारे घर-परिवार में साथ रहने वाले अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हम अपना सुख-दुख शेयर कर लिया करते थे। लेकिन अब वह दौर नहीं रहा। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहां परिवार में पति-पत्नी ही रहते हैं। कई कपल तो बच्चे तक पैदा नहीं करना चाहते। बच्चे इसलिए नहीं पैदा करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर बच्चे हुए तो उनकी देखभाल करने वाला परिवार में कोई नहीं है। महानगरों में 'ड्यूल इनकम-नो किड्स' का चलन बढ़ रहा है।

बढ़ती सामाजिक दूरी भी है वजह

पिछली सदी तक हम सब अनजान लोगों से भी बातचीत कर लिया करते थे। कोई रास्ता पूछता था तो बड़े मन से उसे रास्ता बताते, कई बार तो उन्हें उनके गंतव्य तक छोड़ कर आ जाते थे। बाजार जाते तो किराने की दुकान या सब्जी की दुकान पर दुकानदार से बातचीत कर लिया करते थे। अड़ोसी-पड़ोसी से उनका हाल-चाल पूछ लिया करते थे। चाय की दुकानों पर जाने-अंजाने लोग भी खूब बतियाते थे। लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड से लोगों का बाजार आना-जाना भी बहुत कम हो गया है। सब इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी के पास समय ही नहीं रह गया है, एक-दूसरे की खबर लेने का।

बच्चे-युवा भी हो रहे प्रभावित

2021 के ग्लोबल सर्वे के मुताबिक, अकेलेपन से प्रभावित होने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश भारत है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में 43% लोग अकेलापन महसूस करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि 13 से 15 साल की उम्र के 25 % बच्चे भी अकेलापन अनुभव कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। कई स्टडीज में सामने आया है कि सोशल मीडिया की लत, युवाओं में अलगाव, अकेलापन और डिप्रेशन को बढ़ा रही है।

मशीनी हो रही भावनाएं

अकेलापन इसलिए भी बढ़ रहा है कि लोग एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं साझा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया में कोई इमोजी भेजकर खुद को दायित्वमुक्त समझ लेते हैं। आजकल लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किसी की आंखों में आंख डालने की जरूरत नहीं है। किसी का हाथ थामने की जरूरत नहीं है। लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इमोजीज भेजना ही पर्याप्त है। यानी जब हम दुखी महसूस करते हैं तो हमारे साथ किसी की वास्तविक भावनाओं के स्थान पर ढेरों इमोजीज होते हैं।

अकेलापन दूर करने का करें प्रयास

हमें बचपन से ही सिर्फ यह सिखाया जाता है कि सफलता ही खुशी का सबसे बड़ा पैमाना है और जीवन में हर कीमत पर सफल होना सबसे जरूरी है। जो सफल है, वह खुश भी रह लेगा। हमें रिश्तों की अहमियत नहीं सिखाई जाती। सफलता और अधिक से अधिक पैसा, सुख-सुविधएं अर्जित करने की अंधी दौड़ में ज्यादातर लोग अपने रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं। जाहिर है, इससे जीवन में अकेलापन आएगा ही। अकेलापन किसी सफलता से या दौलत कमाने से या शानदार करियर से नहीं, अपनों के साथ होने से दूर होता है। इसलिए अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं तो सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने उनके घर जाइए, उन्हें अपने घर बुलाइए। परिवार के साथ समय बिताइए। अंजान लोगों से भी बात करने में न हिचकिचाइए। यही नहीं अगर आपके परिवार में या आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अकेलापन महसूस कर रहा है तो उससे बात कीजिए। उसके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास कीजिए। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं। ऐसा करने से उस व्यक्ति का अकेलापन तो दूर होगा ही, आपको भी आत्मीय खुशी, संतुष्टि मिलेगी। *

कई देशों में हो रही नई पहल

अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अब कई तरह की पहल की जा रही है। जैसे दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों के लिए हैप्पी कैब्स चलाई जा रही हैं। यह एक कैब सर्विस है, जिसमें बुजुर्ग लोग अंजान लोगों के साथ बैठकर घूमने जा सकते हैं। उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। इससे उन्हें अपना अकेलापन दूर करने में मदद मिलती है। इसी तरह अकेलेपन की समस्या के समाधान को तलाशने के लिए ब्रिटेन ने वर्ष 2018 में ही लोनलीनेस मिनिस्टर की नियुक्ति शुरू कर दी थी। एक अलग मंत्रालय, एक अलग मंत्री, जो सिर्फ यह देखेगा कि देश में लोगों के अकेलेपन को कैसे दूर किया जा सकता है? वहां अकेलेपन से जूझ रहे लोगों को काउंसिलिंग और मेडिकल सपोर्ट उपलब्ध कराए जाते हैं।

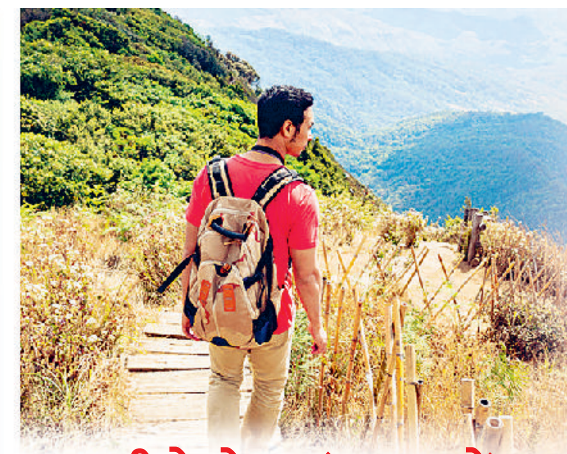

जिंदगी को खुशमिजाज बनाना हमारे ही हाथों में होता है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव कर लें, कुछ आदतों को शामिल कर लें तो हमारी जिंदगी खुशमिजाज बन सकती है। ऐसा किस तरह हो सकता है, जानिए।

जीने के अंदाज में करें बदलाव खुशमिजाज हो जाएगी जिंदगी

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

हमारा दिमाग ही हमारी सोच और नजरिए का स्रोत होता है। जब दिमाग अशांत या उद्वेलित रहता है तो हमें हर चीज में उथल-पुथल, नकारात्मकता और बुराई नजर आती है। लेकिन जब दिमाग शांत रहता है, हम खुशमिजाज रहते हैं तो हमें हर चीज सकारात्मक अच्छी और सही लगती है। खुशमिजाजी और सुकून के लिए कुछ बातें और आदतें अपनानी जरूरी हैं।

लोगों से बनाए अच्छे संबंध

भले ही सबको खुश रखना दुनिया का सबसे कठिन काम है लेकिन सबके साथ खुश रहना दुनिया का सबसे आसान काम है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के डायरेक्टर और मनोचिकित्सक रॉबर्ट वालडिंगर का कहना है कि लोगों के साथ मजबूत और मधुर संबंध खुशी की प्रमुख वजह बन सकते हैं। ये लोग रोमांटिक पार्टनर, आपके दोस्त, बच्चे, सहकर्मी, पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन कोई भी हो सकते हैं। भले ही हम सब स्वतंत्रता को खास मानते हों, लेकिन यह ना भूलें कि हम सब एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जब हम अपने इर्द-गिर्द मौजूद लोगों के साथ अच्छे संपर्क रखते हैं तो मानसिक खुशी तो मिलती ही है, एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी मिलता है, जो हमें हर तरह से सुकून देता है।

अजनबियों से करें बातचीत

ओटावा (कनाडा) की कार्लटन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी जॉन जेलवेंसकी कहते हैं कि आपको एक्सट्रोवर्ट होना चाहिए। अंतर्मुखी, गंभीर और चुप्पी साध कर रहने वाले लोग उदास रहते हैं, जबकि सबसे आसानी से घुल-मिल जाने वाले और अजनबी लोगों से बातचीत करने की कला जानने वाले अकसर खुशमिजाज रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग आसानी से अपना सोशल सर्किल और बिजनेस सर्किल भी बढ़ा लेते हैं, जिससे इन्हें सफलता मिलती है। जाहिर है, सफलता भी खुशी मिलने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

पालतू के साथ समय बिताएं

वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन में पाया गया कि पालतू जानवर के साथ बिताया गया 10 मिनट का समय भी दिमाग को सुकून देने वाला होता है। इससे कार्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर गिरता है। अमेरिकी नागरिकों द्वारा किए गए एक शोध में पाया गया कि सबसे ज्यादा सुकून देने वाले पालतू कुत्ते होते हैं।

कुदरत को निहारें

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने 90 स्टूडेंट्स पर किए गए शोध में पाया कि कुदरत को निहारना मन को सुकून देने वाला एहसास होता है। जब हम पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को निहारते हैं तो हमारा ध्यान परेशानियों से हटकर पूरी तरह उन्हीं पर लग जाता है। इससे दिमाग को सुकून मिलता है।

फल-सब्जी ज्यादा खाएं

सोशल साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित ताजातरीन स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रचुर मात्रा में फल और सब्जी खाने से खुशमिजाजी और सुकून मिलता है। इसलिए रोज कच्ची सब्जियों का सलाद और फल खाएं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप खान-पान, आराम और सोने का समय निर्धारित कर लेते हैं तो आपका हैप्पीनेस लेवल बढ़ जाता है। न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट, खुशी के मूल मंत्र हैं।

वाटर बॉडीज के पास जाएं

जर्नल आफ एनवॉयर्नमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि पानी के संग्रह स्थल नजदीक रहने से लोगों में पॉजिटिव इमोशंस का संचार होता है। स्विमिंग पूल, समुद्र या नदी के किनारे खड़े होकर पानी की हलचल को निहारना सुकून देता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। *

इन पर भी करें अमल

जीवन के हर आयाम को बराबर समय देने की कोशिश करें, जैसे- परिवार, व्यापार, मित्र, जीवनसाथी, समाज आदि क्षेत्रों में सक्रिय रहें। हंसी-मजाक करें, लेकिन दूसरों का मजाक ना उड़ाएं। कई बार इससे स्थिति बिगड़ जाती है और तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नए अनुभवों पर पैसा और समय खर्च करें। उन कार्यों को करे, जो आपने कभी नहीं किया और देखा। जैसे हॉर्स राइडिंग करना, घुड़दौड़ देखना, अंडरवाटर स्पोर्ट देखना या इसमें शामिल होना, थिएटर में जाकर नाटक देखना, किसी बर्फीले स्थान की यात्रा करना आदि।

व्यंग्य
अंशुमान खरे

गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है।

प्रतिभा सम्मान

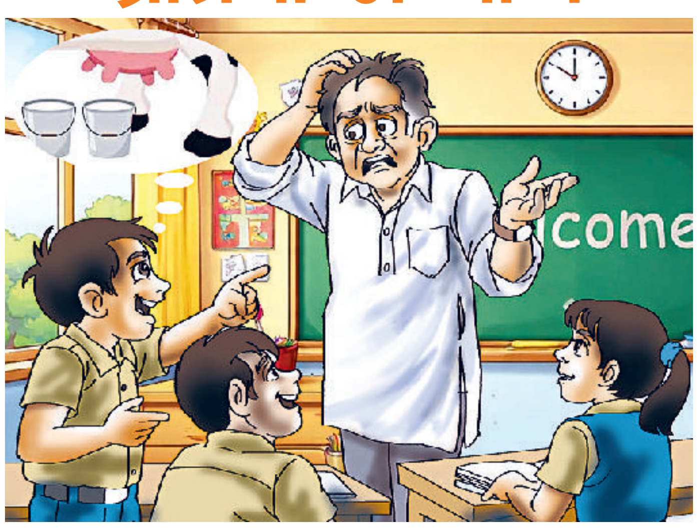

गणित में बचपन से ही हम बगैर होशियार होकर भी होशियार थे। न मालूम गणित के मास्साब कहां-कहां से सवाल लाते थे, लेकिन पिटते-पिटाते किसी तरह गणित में पास कर दिए जाते थे। घर वालों की तमन्ना डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की थी। कक्षा में हमेशा अपराधी की तरह बैठे रहते थे। गणित के गुरु जी हमेशा हमें अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ बनाने का मजाक करते रहते थे। पर हमें कुछ भी समझ नहीं आता। हमारे गणित के गुरु जी फिरकी लेते थे कि मुझे भगवान भी नहीं समझा सकते। गणित की क्लास हमारे लिए आफत से कम नहीं थी। मास्साब के सवाल भी माशाअल्लाह अद्भुत होते थे। एक औरत एक काम को चार घंटे में पूरा कर लेती है तो बताओ उसी काम को आठ औरतें कितने समय में पूरा करेंगी? मैं कहता, 'आठ औरतें काम तो पूरा कर नहीं पाएंगी। हां, रायता जरूर फैला देंगी।'

सवाल से सवाल निकालने की कला में हमारे मास्साब का कोई सानी नहीं था। कपड़े पर अटक गए तो उसी से जुड़े सवाल पर सवाल पूछने लगते, 'बताओ बच्चो, अगर एक साड़ी धूप में एक घंटे में सूखती है तो चार साड़ियां सूखने में कितना समय लेंगी?'

बहुत सरल सवाल सोचकर मैं हाथ उठाकर बोल पड़ा, 'वेरी सिंपल, चार घंटे।' मास्साब जवाब सुनकर आपे से बाहर हो गए। मैं समझ नहीं पा रहा था, मास्साब को सीधा-सा गुणा करना नहीं आता क्या?

मैंने हिम्मत करके एक सवाल पूछ लिया, 'गुरु जी, अगर एक गांव में एक गाय है और वह दो लीटर दूध देती है तो बताइए गांव वाले चालीस-चालीस लीटर दूध बाहर कैसे सप्लाई करते हैं?' मास्साब का माथा ठनका और तमतमा कर क्लास से बाहर चले गए। मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया। मेरे सवाल पर क्लास में चर्चा होने लगी। सब हैरान। प्रश्न तो उचित है। मास्साब नाराज क्यों हो गए? गणित के मास्साब का वैसे भी स्कूल में काफी जलवा था। प्रधानाचार्य से लेकर सभी अध्यापक और छात्र उनको आदर की दृष्टि से देखते थे। दूध की सप्लाई का सवाल गणित के मास्साब के गले की फांस बन गया। कुछ दोस्तों ने कहा, 'पानी मिला लेते होंगे।'

पर इतना पानी मिलाकर दूध रह ही नहीं पाएगा। सब पानी-पानी हो जाएगा।

मास्साब इस बात को पता लगाने में जी-जान से जुट गए कि इस प्रश्न को किसके इशारे पर उनसे पूछा गया है। यह किस अध्यापक की साजिश है, पता लगाना जरूरी है। गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है। इस तरह के सवाल किसी किताब में नहीं होते हैं। मास्साब मेरे प्रश्न में उलझते जा रहे थे। मैं उनकी तरफ आशाभरी दृष्टि से टकटकी लगाकर धैर्य से देखता रहता था।

मेरे प्रश्न को दूर-दूर तक पहुंचाया गया। कहीं से समस्या का समाधान निकले। प्रधानाचार्य जी ने ऐसा गांव पहचाना, जहां के लोग दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सम्मानित करने की योजना बनाई। गांव के प्रधान गांव को सम्मानित करने के नाम से उत्साहित दिखे। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए मुझे भी मालाओं से लाद दिया गया। क्षेत्र के विधायक, सांसद, सभी ने गांव को सम्मानित करने में रुचि दिखाई। श्वेत क्रांति के लिए पूरे गांव के लोगों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शासन, प्रशासन ने भी गांव को सम्मानित करने के सुर में सुर मिला दिया। जिलाधिकारी से लेकर सारे कर्मचारी मुस्तैदी से सम्मान समारोह की तैयारी में जुट गए हैं। लेकिन मैं और गणित के मास्साब प्रश्न अनुत्तरित रहने से चिंतित हैं। हम दोनों शून्य में उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दुग्ध क्रांति की गुत्थी उलझती जा रही है। सुना है कि गांव के सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आएंगे और ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे, जो दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध सप्लाई करने का 'हुनर' जानते हैं। *

लघुकथा / निशा भास्कर

छांव से दूर

अस्पताल जाते समय सड़क की भीड़ और अब वहां सैकड़ो की संख्या में कतारबद्ध खड़े लोगों को देखकर बाबूजी बोले, 'महानगरों के सड़कों पर दौड़ती-हांफते वाहनों के साथ, यहां का आम जीवन थरथराते हुए गुजरता है।'

'राजधानी में अच्छी सुविधा मिलेगी, यह सोचकर सभी राज्यों से लोग आकर यहां बसना चाहते हैं और बसते भी हैं, इसलिए भीड़ तो होगी ही।' बाबूजी की ओर देखकर मयंक धीरे से बोला। बाबूजी बड़ी मुश्किल से इलाज के लिए अपना घर और गांव छोड़कर अपने बेटे मंयक के पास इस महानगर में आए थे। कहीं बाबूजी गांव वापस जाने की जिद्द न करने लग जाएं, यह ख्याल आते ही मयंक बोला, 'बाबूजी एक बार आपका अच्छी तरह से इलाज हो जाए बस और हमें क्या चाहिए!' 'अरे बेटा! मुझे लगता है यहां तो हम और भी बीमार हो जाएंगे। स्वस्थ क्या खाक होंगे?' कहकर वे तेज-तेज खांसने लगे। उनकी आंखें भी लाल हो गईं। मयंक ने घबराकर इधर-उधर देखा। अस्पताल का प्रतीक्षालय पूरी तरह से भरा हुआ था। एक भी सीट खाली नहीं थी, जहां बाबूजी को वह बैठा सके। एक व्यक्ति जो उसी की तरह दिख रहा था। मयंक ने उसे आग्रहपूर्ण नजरों से देखा। उस व्यक्ति ने खड़े होकर बाबूजी को बिठाने का इशारा किया। मयंक ने बाबूजी को बिठाया और दोनों हाथ जोड़कर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और बाबूजी से बोला, 'मैं अभी आया।' फिर वह शीघ्रता से अस्पताल से बाहर निकल गया। थोड़ी ही देर में पानी की बोतल लेकर आया और बाबूजी को पानी पिलाकर बोला, 'आप चिंता न करें, हम जिस डॉक्टर से दिखाने के लिए आए हैं, उनका बहुत नाम है। उनके इलाज से कितना भी पुराना रोग, ठीक हो जाता है।' बाबूजी, बेटे की बात सुनकर बोले, 'अरे! यह तो बुढ़ापे का रोग है। खांसना-खंखारना तो लक्षण है, बुढ़ापे का। लेकिन बेटा, मेरी एक बात ध्यान से सुन, यह शहर बड़ा है, डॉक्टर बड़ा है पर हम तो बड़े लोग नहीं हैं न! बड़ा शहर और इसकी सुविधाएं बड़े लोगों के लिए होती हैं। हम इनके फोटो देखकर अपने से झूठ बोलते हैं कि मैं भी इसका हिस्सा हूं। पर हमारी इतनी औकात नहीं है।' मयंक की आंखें गीली हो गईं। वह बोला, 'सच कह रहे हैं बाबूजी! बीस साल की नौकरी में क्या ही कर लिया मैंने? आज तक बीवी बच्चों को इस शहर में एक छत भी न दे सका।' बेटे को इस तरह उदास देखकर बाबूजी उसके सिर पर हाथ रखकर बोले, 'बेटा हम अपने गांव चलेंगे। वहीं के अंग्रेजी स्कूल में मेरी पोती पढ़ेगी और मैं अपने बड़े से आंगन में नीम की छांव तले बैठकर उसके साथ खेलूंगा और' तभी नर्स ने टोकन नंबर बहत्तर रामजस को आवाज दी। मयंक बाबूजी का हाथ थाम कर बोला, 'चलिए बाबूजी, अपना नंबर आ गया।' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अलग मिजाज की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार हबीब कैफी की चुनी हुई सत्रह कहानियां 'तमन्ना खानम' पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं। करीब साढ़े पांच दशक के कालखंड में लिखी गई ये कहानियां, हमें समाज के अलग-अलग तबके से ताल्लुक रखने वाली स्त्रियों की जिंदगी से रूबरू कराती हैं। कहीं पुरुषत्व के दंभ से दमित लेकिन फिर भी उसके साथ रहने को विवश भंवरी नजर आती है (औरत), तो कहीं गणिकाओं के जीवन की त्रासदी भोगती मरजीना की कराह सुनाई पड़ती है (मरजीना)। 'तमन्ना खानम' कहानी में उच्च वर्ग की महिला तमन्ना को अपनी जिंदगी की पेचीदगियों को अपने अंदाज में सुलझाते देखा जा सकता है। बहुत अलग मिजाज की ये कहानियां, कहीं-कहीं उर्दू के मशहूर कथाकार मंटो की याद दिलाती हैं। इन कहानियों में भाषा की रवानगी भी देखने लायक है। *

पुस्तकः तमन्ना खानम (कहानी संग्रह), **लेखकः** हबीब कैफी,
मूल्यः 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली

ओबीसी आरक्षण प्रकरण में राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में रखा प्रभावी रूप से पक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ओबीसी आरक्षण से संबंधित प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से पूरी तैयारी के साथ सशक्त पक्ष रखा जा रहा है।

इसी क्रम में 29 जनवरी 2026 को राज्य सरकार की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज, स्टैंडिंग कॉउंसल मृगांक एलकर, अतिरिक्त महाधिवक्ता धीरेंद्र सिंह परमार, स्टैंडिंग कॉउंसल हरमीत सिंह रूपराह एवं शासकीय अधिवक्ता राजन चौरसिया सम्पूर्ण तैयारी के साथ न्यायालय में उपस्थित थे।

■ प्रिंट एवं सोशल मीडिया में प्रकाशित तथ्यहीन एवं भ्रामक रिपोर्टिंग को न्यायालय ने लिया गंभीरता से

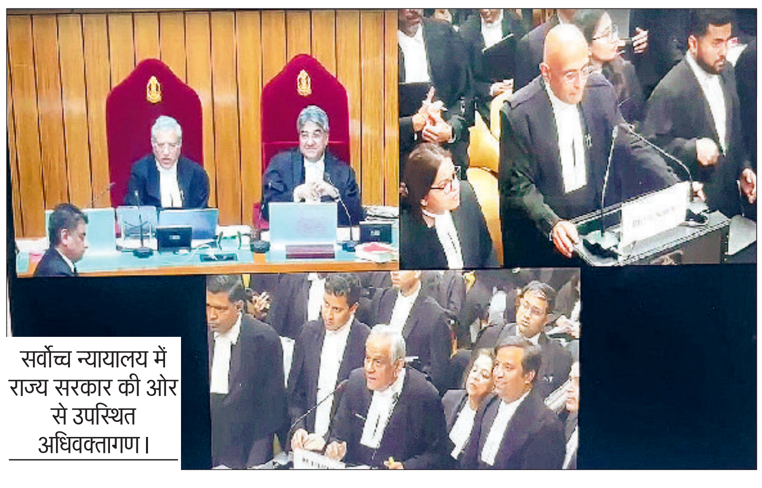
सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्तागण।

प्रकरण की विस्तृत सुनवाई 4 फरवरी को होगी

सर्वोच्च न्यायालय की बेंच केवल इस सप्ताह के लिए गठित थी। न्यायालय से अवगत कराया गया कि उक्त प्रकरण की विस्तृत सुनवाई 4 फरवरी को की जाएगी। राज्य सरकार की ओर से न ही समय मांगा गया और न ही सुनवाई को आगे बढ़ाने का कोई अनुरोध किया गया।

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल नटराज ने 29 जनवरी को न्यायालय में हुई सुनवाई के संबंध में तथ्यहीन एवं भ्रामक रिपोर्टिंग के संवेदनशील मुद्दे को न्यायालय के संज्ञान में लाया गया। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के संबंध में मीडिया के समक्ष पार्टी प्रवक्ताओं की तरह जानकारी प्रस्तुत करना न्यायालय की गरिमा के विरूद्ध है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल नटराज ने मीडिया के समक्ष संबंधित एडवोकेट के शासकीय अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति बताने और न्यायाधिपतियों के नाम के उल्लेख को भी न्यायालयीन गरिमा के विरूद्ध बताने पर समग्र निर्देश प्रसारित करने का आग्रह किया। इसे न्यायालय ने गंभीरता से लेते हुए आगामी 4 फरवरी 2026 को होने वाली सुनवाई के दौरान इस विषय को संज्ञान लेने की बात कही है।

पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार के अवसरों का बढ़ा दायरा, हर वर्ष 600 युवाओं को विदेश भेजने का लक्ष्य

मप्र कैबिनेट ने 'पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने की योजना–2022' में महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी है। अब यह योजना 'अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार नियोजन योजना–2026' के नाम से संचालित की जाएगी। सरकार ने इस योजना के तहत जापान के साथ अन्य देशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इस योजना से प्रदेश के युवाओं को जापान के साथ दुनिया के अन्य देशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। युवाओं को अलग-अलग मान्य कार्यक्रमों के माध्यम से विदेश भेजा जाएगा। योजना के तहत हर वर्ष पिछड़ा वर्ग के 600 युवाओं को विदेश भेजने का लक्ष्य रखा गया है। पहले युवाओं को केवल 'टेक्निकल इंटर्न ट्रेनिंग प्रोग्राम' के तहत जापान भेजा जाता रहा है।

योजना के लिए पात्रता, मप्र का मूल निवासी होना अनिवार्य

इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का मप्र का मूल निवासी होना अनिवार्य है। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का नॉन-क्रीमीलेयर जाति प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा। प्रशिक्षण के चयन के समय आयु 17 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, जबकि विदेश में नौकरी ज्वॉइन करते समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष पूर्ण होना आवश्यक है। आवेदक के विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज या विचाराधीन नहीं होना चाहिए तथा संबंधित ट्रेड/कौशल के अनुसार न्यूनतम शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता अनिवार्य होगी।

महिलाओं और दिव्यांगजनों को आरक्षण, प्रशिक्षण शुल्क सरकार वहन करेगी

योजना के अंतर्गत 35 प्रतिशत सीटें बेटियों के लिए और 6 प्रतिशत सीटें दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित की गई हैं। प्रति युवा अधिकतम 2 लाख रुपए तक का प्रशिक्षण शुल्क सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय होगा। यदि हॉस्टल सुविधा उपलब्ध नहीं होती है, तो प्रशिक्षुओं को 2,000 रुपए प्रतिमाह किराया भत्ता प्रदान किया जाएगा। सर्टिफिकेशन परीक्षा के पहले प्रयास की फीस भी संस्था द्वारा वहन की जाएगी।

12 माह का समग्र प्रशिक्षण कार्यक्रम

युवाओं को कुल 12 माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें सॉफ्ट स्किल्स, डोमेन-स्पेसिफिक स्किल्स तथा संबंधित देश की विदेशी भाषा का प्रशिक्षण शामिल होगा। योजना के वित्तपोषण के लिए बजट के अतिरिक्त सोशल इम्पैक्ट बॉण्ड (एसबीआई) और कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड का भी उपयोग किया जाएगा।

खबर संक्षेप

निगम के सेवानिवृत्त 6 कर्मचारियों को दी विदाई

भोपाल। नगर निगम में सेवा से सेवानिवृत्त हुए 6 कर्मचारियों को शुक्रवार को उपायुक्त हीरेन्द्र सिंह कुशवाह ने शॉल, श्रीफल से सम्मानित कर विदाई दी। माता मंदिर हर्षवर्धन काम्प्लेक्स स्थित निगम कार्यालय में आयोजित विदाई समारोह में सुषमा रानी श्रीवास्तव, निहाल सिंह, जफ़र खां, मदनलाल, मो जफर के अलावा सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष एस नजीर अहमद आदि मौजूद रहे।

एलआईसी द्वारा टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण) श्री सलील विश्वनाथ ने 28 जनवरी 2026 को लखनऊ स्थित के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2025-26 का उद्घाटन किया।उद्घाटन समारोह में लखनऊ मंडल के वरिष्ठ मंडलीय प्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई की सचिव (मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण) सुश्री एस. गायत्री तथा उत्तर मध्य क्षेत्र, कानपुर के प्रादेशिक प्रबंधक (मानव संसाधन विकास) श्री अजय कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे।

मानव अधिकार आयोग की समझी कार्यप्रणाली

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने शीतकालीन इंटर्नशिप का आयोजन किया। इसमें विद्यार्थियों को मानव अधिकार एवं आयोग की कार्यप्रणाली, विधि विषयों पर रिसोर्स पर्सन ने प्रशिक्षण दिलाया। आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को पूर्ण लगन से प्रशिक्षण के लिए निर्देशित किया। रीना शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, मप्र मानव अधिकार आयोग ने विद्यार्थियों को कई संस्थानो का भ्रमण कराते हुए कार्यप्रणाली से अवगत कराया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 33 विद्यार्थियों को आयोग की ओर से प्रमाण-पत्र दिए गए।

एमपी में ई-एचआरएमएस का पहला चरण फरवरी से

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब पुलिसकर्मियों और अफसरों को अब अगले महीने से छुट्टी या प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए लिखित में आवेदन नहीं देना पड़ेगा। अब उन्हें ऑनलाइन अपना आवेदन देना होगा। सर्विस बुक में अपनी सजा आदि भी पुलिसकर्मी किसी भी समय देख सकेंगे। इन दिनों सर्विस बुक को डिजिटल रूप में अपलोड करने का कामअपने आखिरी चरण में पहुंच गया है, अब तक एक लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों का रिकॉर्ड ई -एचआरएमएस पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है, जबकि इस सुविधा का पहला चरण फरवरी के पहले हफ्ते से शुरू होगा।

कुरुक्षेत्र के उमरी में राज्य स्तरीय गुरु रविदास जयंती समारोह में बोले मुख्यमंत्री

5 एकड़ भूमि पर 124 करोड़ रुपये से किया जाएगा गुरु रविदास धाम का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु रविदास जी के समानता, समरसता व सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर चलते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार अंत्योदय के लिए वचनबद्ध हैं। कुरुक्षेत्र के उमरी में 5 एकड़ भूमि में 124 करोड़ रुपये से गुरु रविदास धाम का निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने प्रथम चरण में 90 करोड़ रुपये के कामों के टेंडर जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि 20 वर्षों से एक स्थान पर रहने वाले अनुसूचित जाति के लोगों को पॉलिसी बनाकर मालिकाना हक दिया जाएगा। एससी कम्पोनेंट प्लान के पैसों को एससी समाज के लिए ही प्रयोग करने के लिए सेशन सत्र में प्रावधान लाकर लागू किया जाएगा। औद्योगिक व व्यावसायिक प्रयोग के लिए एचएसआईआईडीसी में पॉलिसी बनाकर छूट का प्रावधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति की नौकरियों की क्लास ए व बी में पदोन्नति व क्रीमीलेयर के मापदंडों को 31 मार्च 2026 तक निर्धारित किया जाना है, इसके लिए सुझाव प्रस्तुति किए जाएं, उन सुझावों के आधार पर मांग को पूरा किए जाने की कोशिश की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को कुरुक्षेत्र के उमरी में आयोजित संत गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को

चंडीगढ़। संत रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी।

गुरु जी की वाणी, आदर्श और शिक्षाएं अमर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरु रविदास जी का जन्म आज से लगभग 648 वर्ष पहले माघ पूर्णिमा के पावन दिन काशी की

पुण्य भूमि पर हुआ था। उनका व्यक्तित्व पूर्णिमा के चन्द्रमा की तरह शीतल एवं उज्ज्वल रहा। उनकी वाणी, आदर्श और शिक्षाएं अजर-अमर हैं। वे केवल अपने युग के संत नहीं थे, बल्कि हर युग के लिए मानवता के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी बचपन से ही दयालु व परोपकारी स्वभाव के रहे।

वे साधु-संतों के साथ सत्संग किया करते थे। वे स्वयं मधुर तथा भक्तिपूर्ण भजनों की रचना करते थे, जिन्हें सुनकर लोग भाव-विभोर हो जाते थे।

सरकार ने 217 वादे किए थे, 54 पहले ही पूरे हो चुके हैं: सीएम

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में 'नॉन-स्टॉप' हरियाणा सरकार 2047 तक 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' के विजन को साकार करने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। गत विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए, सैनी ने कहा कि बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में हरियाणा के लोगों से 217 वादे किए थे। इनमें से 54 वादे पहले ही पूरे हो चुके हैं, जबकि बाकी वादों पर तेजी से काम चल रहा है। इसके उलट, पड़ोसी राज्य पंजाब और हिमाचल प्रदेश में, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस द्वारा अपने चुनावी घोषणापत्रों में किए गए वायदे ज़्यादातर कागजों पर ही रह गए हैं।

गुरु संत रविदास समाज सुधारक और विचारक थे : मनोहर लाल

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गुरु रविदास जी संत तो थे ही, इसके साथ ही एक समाज सुधारक और विचारक भी रहे। संत रविदास का 15वीं शताब्दी में वाराणसी में जन्म हुआ था। अब वाराणसी में पूर्णिमा को मेले का आयोजन किया जाता है और दूर दराज से लोग वहां पर जाते हैं। यह समाज के लिए प्रेरणादायक है। गुरु रविदास जी संत होने के साथ ही समाज सुधारक और विचारक थे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जो नागरिक रविदास जी के संस्कारों व शिक्षाओं को मानते हैं, वो जाति से बाहर निकलें।

नोहलेश्वर महोत्सव होगा भव्य और ऐतिहासिक

सीएम डॉ. मोहन करेंगे 5 दिवसीय नोहलेश्वर महोत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सांस्कृतिक रूप से चरमोत्कर्ष पर है। मुख्यमंत्री के इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए बुंदेलखंड के दमोह जिले में नोहटा स्थित नोहलेश्वर मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला नोहलेश्वर महोत्सव इस वर्ष अधिक भव्यता के साथ मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री 11 से 15 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस 5 दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस महोत्सव में कला, संस्कृति, साहित्य एवं भक्ति संगीत जगत की ख्यातनाम हस्तियां अपनी प्रस्तुतियां देंगी। राज्य मंत्री लोधी ने बताया कि बुंदेलखंड की धार्मिक आस्था के इस केंद्र पर होने जा रहे नोहलेश्वर महोत्सव में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर जहां भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे, वहीं भगवान भोलेनाथ के शिव तांडव नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, जय श्रीराम नृत्य नाटिका आदि मनभावन प्रस्तुतियां होगी। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में जहां हरिओम पवार, जानी बैरागी जैसे राष्ट्रीय कवि रचनापाठ करेंगे। समापन समारोह में प्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री आशा वैष्णव प्रस्तुति देंगी।

आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां

राज्य मंत्री लोधी ने बताया कि संस्कृति विभाग की ओर से इस समूचे आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रहीं हैं। इसमें यहां आने वाले प्रदेश और देश के श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, स्थानीय प्रशासन भी इस आयोजन को और भव्यता देने के लिए पूरी तरह जुटा हुआ है। उन्होंने कहा कि नोहलेश्वर महोत्सव की शुरुआत 2 वर्ष पूर्व की गई थी। इस वर्ष यह महोत्सव अपनी भव्यता और विशेषता के साथ प्रारंभ होने जा रहा है। मप्र का बुंदेलखंड अपने गौरवशाली इतिहास और समृद्धशाली परंपराओं के लिए समूचे भारत में अपनी अलग पहचान रखता है। बुंदेलखंड की शौर्य गाथाएं एवं सांस्कृतिक कला कौशल का वर्णन देश के साहित्यकारों, कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से बखूबी किया है, यहां की पुरातन संस्कृति आज भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने का कार्य करती है। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि हमारा प्रयास कि नोहलेश्वर महोत्सव के माध्यम से प्रदेश और देश में बुंदेलखंड की विशेष पहचान बने।

एक दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री शिवराज ने कहा

केंद्र और राज्य सरकार के रोडमैप की बात की

छग को कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ को कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे चौहान ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर चर्चा में कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के साझा रोडमैप की बात की।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि सुधारों, ग्रामीण विकास योजनाओं और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना भी की। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने दुर्ग जिले में प्रगतिशील किसानों से मुलाकात की और उनके अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान अपनी मेहनत और उन्नत कृषि पद्धतियों से एक मिसाल पेश कर रहे हैं। विकसित भारत जी रामजी योजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसके तहत गाँवों को स्वावलम्बी, गरीबी मुक्त और रोजगार युक्त बनाया जाएगा। योजना के तहत मनरेगा की तर्ज पर रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। इस योजना को लेकर कांग्रेस केवल 'विरोध के लिए विरोध' की

मानसिकता से ग्रस्त है। केन्द्रीय मंत्री ने पिछली सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना में कोताही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने 18 लाख आवासों के निर्माण में तेजी लाई है। रविवार को प्रस्तुत होने जा रहे केन्द्र सरकार के आगामी बजट के बारे में चौहान ने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा और किसानों व आम जनता के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

संबलपुर पुस्तक मेला, आठवां दिन

नई दिल्ली। छब्बीसवां संबलपुर पुस्तक मेला हर दिन हजारों लोगों को आकर्षित कर रहा है। यह मेला 24 जनवरी को शुरू हुआ था और अब अपने आखिरी चरण में पहुँच गया है। बच्चों के साहित्य, फिक्शन, नॉन-फिक्शन, शिक्षा जगत की पुस्तकें और पॉपुलर पुस्तकों वाले 250 से अधिक स्टॉल संबलपुर और आस-पास के जगहों से पाठकों को लगातार आकर्षित कर रहे हैं। शिशु मंडप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (एनबीटी) के राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (एनसीसीएल) द्वारा आयोजित अलग-अलग कार्यक्रमों में विशेषज्ञ बच्चों को गाइड कर रहे हैं। आज के कार्यक्रम में अलग-अलग स्कूलों के लगभग 1,000 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

तीन लाइनें पूरी तरह अवरुद्ध, यातायात पूरी तरह प्रभावित

मालगाड़ी के दो डिब्बे अचानक पटरी से उतरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मनेन्द्रगढ़-दर्रीटोला से टाईगर हिल्स की ओर जा रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे अचानक पटरी से उतर गए। यह घटना नागपुर चौकी क्षेत्र में हुई, जिसके कारण रेल मार्ग पर तीनों लाइनें पूरी तरह अवरुद्ध हो गईं। इस हादसे के परिणामस्वरूप रेल यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे ट्रेनों के संचालन में विलंब हुआ।

रेलवे प्रशासन ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मालगाड़ी के डिब्बों के पलटने से रेल पटरियों को काफी नुकसान पहुंचा है। घटना के तुरंत बाद, प्रभावित लाइन पर ट्रेनों का आवागमन रोक दिया गया। मलबे को हटाने और पटरियों की मरम्मत के लिए विशेष टीमों को मौके पर भेजा गया। इस कारण कई यात्री ट्रेनें और मालगाड़ियां अपने गंतव्य से पहले ही रोक दी गई हैं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे ने वैकल्पिक मार्गों से ट्रेनों को चलाने की व्यवस्था की है, लेकिन इसमें भी समय लग रहा है।

रेलवे ने दिए कारणों की जांच के आदेश

रेल मंत्रालय ने इस दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दिए हैं। प्रारंभिक जांच में किसी तकनीकी खराबी या मानवी भूल की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पूरी रिपोर्ट आने के बाद ही दुर्घटना के असल कारणों का पता चल पाएगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील की है और उन्हें किसी भी असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और यातायात को सुचारू बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य जारी है।

नारायणपुर प्रवास के दौरान आईटीबीटी बटालियन परिसर नारायणपुर में जवानों से की चर्चा

मुख्यमंत्री साय ने सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात कर की हौसला अफजाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने नारायणपुर प्रवास के दौरान आईटीबीटी बटालियन परिसर नारायणपुर में जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। आईटीबीटी, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन, बीएसएफ, डीआरजी, सीएएफ़ के जवानों एवं अधिकारियों से मुलाकात और बस्तर की शांति और सुरक्षा के स्थापना में उनके योगदान की सराहना करते हुए सुरक्षा बल के जवानों की हौसला अफजाई की। मुख्यमंत्री साय एवं मत्रीगणों ने बटालियन परिसर में जवानों के साथ रात्रि भोज किया और उनसे आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जवानों से चर्चा करते हुए कहा कि नैसर्गिक संसाधनों से और सांस्कृतिक

विरासत से परिपूर्ण बस्तर के कई इलाकें माओवाद आतंक के चलते विकास की मुख्यधारा से अलग-थलग पड़े थे। आप सबके अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम के कारण ही यहां शांति और सुरक्षा का वातावरण निर्मित हुआ है और विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने देश की सुरक्षा में सुरक्षा बलों के जवानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में सेवा कर रहे जवानों का मनोबल बनाए रखना हम सबकी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने जवानों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण और सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयासरत है। जवानों ने भी मुख्यमंत्री के साथ अपने अनुभव साझा किए और इस आत्मीय मुलाकात को प्रेरणादायक बताया। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प को यहां साकार करने का काम पूरी दृढ़ता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब बम गोलियों की आवाज की जगह अब आमजन की चहल-पहल, स्कूलों में ककहरा की गूंज और गांवों में मांदर की थाप सुनाई दे रही हैं। कार्यक्रम में अतिथियों ने जवानों को उपहार भेंट किए। सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

सीएम ने रात्रि भोज में जवानों को परोसा भोजन

आईटीबीटी बटालियन परिसर में आईटीबीटी, सीआरपीएफ, कोबरा, बीएसएफ, डीआरजी और सीएएफ़ के हमारे वीर जवानों के साथ रात्रि भोजन परोसने का अवसर मिला। जवानों की थालियों में भोजन परोसते हुए उनके साहस, शौर्य और राष्ट्र सेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रयास किया। नक्सल गतिविधि को नियंत्रण के लिए सुरक्षा कैम्प स्थापित कर केंद्रीय सुरक्षा बलों और राज्य के सुरक्षा बलों के दस्तों को तैनात किया गया है। आईजी सुंदरराज पी ने कार्यक्रम की रूपरेखा और बस्तर संभाग में शांति के लिए जवानों के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम में पुलिस बैंड ने स्वागत में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी।

अब अबूझमाड़ क्षेत्र दे रहा शांति और सद्भाव का सशक्त संदेश

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि कभी माओवादियों का गढ़ माने जाने वाला अबूझमाड़ क्षेत्र आज शांति और सद्भाव का एक सशक्त संदेश पूरे देश और दुनिया को दे रहा है। नारायणपुर जिले में आयोजित 'अबूझमाड़ शांति हाफ मैराथन 2026' के अवसर पर उन्होंने कहा कि यह वही क्षेत्र है जो पहले नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी दुर्गम था, लेकिन अब सुरक्षा स्थिति में सुधार और सकारात्मक माहौल के कारण एक बड़ा बदलाव आया है। मुख्यमंत्री साय ने मैराथन को हरी झंडी दिखाते हुए इस दौड़ में प्रतीकात्मक रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम में कई आत्मसमर्पित नक्सली भी प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विजेताओं को दिए जाने वाले पदकों का भी अनावरण किया। सीएम साय ने इस बात पर जोर दिया कि आज हजारों लोग यहां इकट्ठा हुए हैं, जो सामान्य स्थिति और आत्मविश्वास की वापसी को दर्शाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का लक्ष्य इस साल 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि बस्तर संभाग, जिसमें नारायणपुर सहित सात जिले शामिल हैं, पूरी तरह से माओवादी हिंसा से मुक्त हो जाएगा।

भारत में वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। वहीं, देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं, जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। कह सकते हैं कि एविएशन सेक्टर में एक तरफ विकास की अपार संभावनाएं हैं तो दूसरी तरफ चुनौतियां भी मौजूद हैं। इसके लिए सरकार को इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत बनाना होगा, ताकि विमान हादसों पर यथासंभव रोक लगाई जा सके। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

चुनौतियों से घिरीं वायुमार्गीय यात्राएं

विश्लेषण
विकेश कुमार बडोला
वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में हुई विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

विमानों के माध्यम से वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो ही रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। सीडीएस विपिन रावत का हेलिकॉप्टर, गुजरात में बोइंग विमान और अब महाराष्ट्र में अजित पवार का निजी विमान, सभी भयंकर रूप में दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

हवाई पट्टियों का समुचित प्रबंधन

नवीन विमान दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत क्षति नहीं है, बल्कि इसने हमारे देश के विमानन सुरक्षा नवाचार तथा विशेष रूप में लघु नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हवाई पट्टियों के समुचित प्रबंधन पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अजित पवार की मृत्यु ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वायुमार्गीय वीआईपी आवागमन की समयावधि में सुरक्षा के उच्चतम मानकों में थोड़ी सी भी चूक प्राणघाती सिद्ध हो सकती है। अभी भारत में कई ऐसी हवाई पट्टियां हैं जो जनपदीय प्रशासन के अधीन हैं, जहां नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के निर्दिष्ट मानकों का पूर्ण पालन प्रायः चुनौतीपूर्ण होता है।

इस स्थिति में हवाई पट्टियों का समुचित संचालन अत्यावश्यक हो जाता है, और ऐसा होने पर ही वायुमार्ग का आवागमन सुरक्षा की परिधि में हो सकता है। विमान दुर्घटनाओं की त्रासदी के आलोक में, वीआईपी आवागमन को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित करने के लिए अनेक कार्य करने होंगे। इसके लिए सर्वप्रथम विमानन के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण आवश्यक है।

नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य

देश में अधिसंख्य अस्थायी अथवा लघु आकार की हवाई पट्टियों पर रात्रि में विमान को उतारने की सुविधाएं व प्रबंधकीय व्यवस्थाएं अपर्याप्त हैं। प्रतिकूल वातावरण में नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य हैं। जो सुविधाएं हैं, वे भी पुरानी हैं। इस दिशा में जो भी सुधार किए जाने हैं, वे तत्काल प्रभाव से युद्ध स्तर पर किए जाने चाहिए। इसके अंतर्गत सभी सक्रिय हवाई पट्टियों पर सटीक दृष्टिकोण पथसंकेतक लगाये जाएं। आधुनिक प्रकाश प्रणाली स्थापित की जाएं। रनवे की सतह और उसकी लंबाई का नियमित रूप में सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य हो। मौसम संबंधी पूर्वानुमान प्रणाली को दुर्घटनाओं की चुनौतियों के अनुसार सुदृढ़ किया जाना चाहिए। पहाड़ी या तटीय क्षेत्रों में, जहां मौसम क्षण-प्रतिक्षण परिवर्तित होता रहता है, वहां के लिए विशिष्ट पूर्वानुमान प्रणालियां सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित हों। उड़ानों के लिए केवल सामान्य मौसमीय जानकारी पर निर्भर रहने की तुलना में, हवाई पट्टियों पर प्रतिक्षण की मौसमीय जानकारी देने वाले स्वचालित मौसम सूचना प्रणालियां स्थापित की जाएं। विमान चालकों को उड़ान भरने से ठीक पहले मौसम की उपयुक्त जानकारी सुनिश्चित की जाए।

उड्डयन मानकों का पालन

प्रायः देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं। जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होगा। वीआईपी आवागमन का अंतिम निर्णय विमान चालक के स्तर पर होना चाहिए। वहीं निश्चित करें कि उड़ान भरी जानी है अथवा स्थगित करनी है। यदि विमान चालक मौसम या तकनीकी कारणों से उड़ान भरने से मना करता है, तो बिना किसी प्रशासनिक दबाव के उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त समय-निर्धारण की कार्यसंस्कृति विकसित की जाए, जिसमें निर्धारण हेतु निर्णायक की भूमिका में विमान चालक ही हो। उड्डयन संबंधी जो भी मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित है, उसका हर परिस्थिति में कठोरतापूर्वक पालन हो। वैसे तो नागरिक उड्डयन महानिदेशक के पास वीआईपी आवागमन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश होते हैं, किंतु धरातल पर इनका पालन नहीं होता। देखा गया है कि राजनीतिक मनमर्जी ऐसे दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने देती। इस स्थिति पर उड्डयन संबंधी नियमों का कठोर नियंत्रण सुनिश्चित होना चाहिए।

ईंधन गुणवत्ता की सघन जांच

उड़ान से पूर्व विमानों की तकनीकी उपयुक्तता का प्रमाणपत्र तथा ईंधन की गुणवत्ता की द्विस्तरीय सघन जांच होनी चाहिए। विमान को भूमि पर उतारने तथा उड़ान की समयावधि में विमान स्थल के कर्मचारियों और अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत अनिवार्य हो। विमान चालकों का प्रशिक्षण यदि गुणवत्तापूर्ण होगा तथा यदि उनके अधि कार्यघंटों को ध्यान में रख समुचित विश्राम देने का प्रबंधन नियमित होगा, तो भी दुर्घटनाओं की संभावनायें कम होंगी।

चालकों को हो विशेष अनुभव

देखा जाता है कि प्रायः एक ही चालक दल निरंतर कई यात्राओं में उड़ान व्यस्त होता है। यह स्थिति तत्काल प्रभाव से बदली जानी चाहिए। वीआईपी उड़ानों के लिए चालकों का विशेष अनुभव भी निर्धारित होना चाहिए। उन्नत संचार तकनीकों की भी वायुमार्गीय विमान यात्रा को सुरक्षित करने में व्यापक भूमिका हो सकती है।

इसके साथ ही, ध्यान रहे कि जिनके पास इनके संचालन का कार्यदायित्व हो, वे कार्य के प्रति निष्ठापूर्वक होकर समर्पित रहें।

संभावनाओं के साथ चुनौतियां भी कम नहीं

दृष्टिकोण
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

भारत का एविएशन सेक्टर दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। पिछले कुछ सालों में हवाई यात्रा करने वाले लोगों की संख्या बहुत बढ़ी है, लेकिन विमानों की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। इस साल एविएशन सेक्टर का भविष्य मिश्रित दिखाई देता है। एक तरफ विकास की संभावनाएं हैं, दूसरी तरफ चुनौतियां - जैसे विमान और पायलटों की कमी तथा वित्तीय नुकसान। सबसे पहले, विमानों की कमी की वजह समझते हैं। भारत में एयरलाइंस जैसे इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट तेजी से फैल रही हैं। विमान बनाने वाली कंपनियां जैसे बोइंग और एयरबस समय पर विमान नहीं दे पा रही हैं। सप्लाई चेन की समस्या, कच्चे माल की कमी और मजदूरों की कमी से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। जानकारों का मानना है, 2026 में घरेलू हवाई यात्री ट्रैफिक में सिर्फ 0-3% की बढ़ोतरी हो सकती है। वैश्विक स्तर पर देखें तो अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की रिपोर्ट कहती है कि 2026 में हवाई यात्री ट्रैफिक में 4.9% की बढ़ोतरी होगी। भारत इसमें बड़ा योगदान देगा, क्योंकि यहां अर्थव्यवस्था मजबूत है और मध्यम वर्ग बढ़ रहा है। 2026 में एविएशन सेक्टर कैसा रहेगा? सकारात्मक पक्ष से शुरू करें। बोइंग ने घोषणा की है कि 2026 में भारतीय एयरलाइंस को 25 नए विमान दिए जाएंगे। यह क्षमता बढ़ाएगा और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। कुल मिलाकर, भारत का फ्लीट 2026 में 100 से ज्यादा विमानों से बढ़ सकता है। एयरबस का अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल फ्लीट तीन गुना होकर 2250 विमानों तक पहुंच जाएगा। अभी यह 850 के आसपास है। यूनियन बजट में एविएशन पर फोकस है। इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, एयरपोर्ट क्षमता बढ़ाना और सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। विंग्स इंडिया 2026 जैसे इवेंट में नए सौदे और निवेश की बात हो रही है। बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइसल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं। जानकारी के अनुसार, 2026 में वैश्विक स्तर पर 120 बिलियन डॉलर के नए विमान डिलीवर होंगे। भारत में पायलटों की कमी एक बड़ी समस्या है। बिजनेस एविएशन में पायलट शॉर्टेज और मेंटेनेंस की दिक्कतें हैं। 2035 तक 35,000 पायलटों की जरूरत होगी, अभी सिर्फ 12,000 हैं। टेक्निकल स्टाफ भी तीन गुना बढ़ाना पड़ेगा। अब बात सुधार की। एविएशन सेक्टर में सुधार के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, सरकार को इंफ्रास्ट्रक्चर पर और निवेश करना चाहिए। इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में कहा गया है कि एविएशन, पोर्ट्स और शिपिंग में मजबूत ग्रोथ होगी, और जीडीपी ग्रोथ 7% तक पहुंच सकती है। 10 सालों में 200 एयरपोर्ट हो सकते हैं, अभी 150 हैं। मेक इन इंडिया के तहत विमान पार्ट्स बनाने वाली फैक्टरियां लगाएं। बोइंग और एयरबस से ज्यादा पार्टनरशिप करें। पायलट ट्रेनिंग के लिए नए संस्थान खोलें। मेंटेनेंस के लिए स्पेयर पार्ट्स की लोकल सप्लाई चेन बनाएं। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें, जैसे एआई से उड़ान शेड्यूल ऑप्टिमाइज करें और साइबर सिक्योरिटी मजबूत करें। एयरलाइंस को फाइनेंशियल सपोर्ट दें, जैसे टैक्स छूट। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) पर फोकस करें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे। 2025 में हुई दुर्घटनाओं से सीखें और ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाएं। कुल मिलाकर, अगर ये सुधार किए गए तो 2027 में ट्रैफिक 6-8% बढ़ सकता है। इस बाबत ईमानदारी से प्रयास किए जाने जरूरी हैं। बेशक, 2026 में भारत का एविएशन सेक्टर चुनौतियों से भरा रहेगा, लेकिन विकास की राह पर है। विमानों की कमी से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। अधिकतर एयरलाइंसों का अपने मुसाफिरों को लेकर रवैया कोई बहुत सही तरह का नहीं रहता। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही अराजकता फैली रहती है। मुसाफिरों को यहां से वहां धक्के खाने पड़ते हैं। अगर सरकार, एयरलाइंस और मैन्युफैक्चरर्स मिलकर काम करें तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बन सकता है। यह न सिर्फ अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि लाखों लोगों को रोजगार देगा। उम्मीद है कि आने वाले महीनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइजल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं।

हवाई आधारभूत संरचना में मजबूती लाना जरूरी

मुद्दा
वरिष्ठ पत्रकार
योगेश कुमार सोनी

बीती 28 जनवरी को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया। इस घटना से पूरे राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार विजिबिलिटी कम होने की वजह से बारामती में रनवे नहीं दिखा और लैंडिंग की कोशिश नाकाम हो गई थी, इसलिए यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद से सवाल उठ रहे हैं कि विमान दुर्घटना की जांच को लेकर भारत में इसके लिए कितना इंफ्रास्ट्रक्चर है? और यह सच संपूर्ण रूप से बाहर आ पाता है या नहीं कि दुर्घटना किस वजह से हुई? कमर्शियल से लेकर प्राइवेट प्लेन तक दुर्घटनाओं की चपेट में आ रहे हैं। जबकि भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में प्लेन का सफर सबसे ज्यादा जोखिम भरा माना जाता है। चूंकि यदि छोटी सी भी घटना या प्लेन में कोई कमी हो जाए तो निश्चित तौर पर मौत तय है और इसलिए प्लेन की पूरी तरह से जांच होनी अनिवार्य होती है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ। आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में भारत में कुल 53 हवाई हादसे हुए हैं। इन हादसों में कुल 320 से ज्यादा लोगों की जान गई है। जबकि करीब 180 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

वहीं, साल 1947 से लेकर अब तक हुए हादसों में 2,000 से अधिक लोगों की जान गई है। भारत में कुल 487 हवाई अड्डे और हवाई पट्टियां हैं जिनमें से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 137 का प्रबंधन करता है इनमें 34 अंतरराष्ट्रीय और कई घरेलू हवाई अड्डे शामिल हैं और भारत में लगभग 148 परिचालन हवाई अड्डे हैं, जो यात्रियों को कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। यह कमर्शियल व प्राइवेट दोनों के लिए हैं। देश में लगभग हर वर्ष एक बड़ा विमान हादसा हो रहा है। इससे तंत्र प्रणाली को सबक लेना चाहिए, चूंकि केवल बजट पारित करने के अलावा हाई टेक सिस्टम के साथ अपडेट होने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार खासतौर पर टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान मौसम का असर सबसे घातक साबित होता है। मौसम सीधे तौर पर विमान की विजिबिलिटी बैलेंस, इंजन कैपेसिटी और पायलट के निर्णय को प्रभावित करता है। खराब मौसम में एक छोटी-सी चूक भी बड़ी दुर्घटना में बदल सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार किसी भी फ्लाइट के कुल समय का केवल 5 से 6 प्रतिशत हिस्सा टेकऑफ और लैंडिंग में लगता है लेकिन 70 प्रतिशत से ज्यादा हवाई हादसे इसी चरण में होते हैं और इसके लिए हम किसी भी रूप में अपडेट नहीं हो पाते। यही कारण है कि हम विमान के हादसे की सही से जांच नहीं कर पाते। इसकी वजह से अधिकतर मामलों में सच सामने आ ही नहीं पाता। हमारा इंफ्रा उतना मजबूत नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय मुख्य काम हवाई अड्डों की योजना, सुरक्षा, विमान नियम बनाना और हवाई यातायात सेवाओं की देखरेख करना है, लेकिन इतने बड़े मंत्रालय के पास अधिकतर अपने कार्य से संबंधित उत्तर नहीं होता तो इसमें आम आदमी को सही उत्तर कहां से मिलेगा। यदि भारत में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़े तो उसके लिए हमारे पास अधिकतर रूट पर बहुत ज्यादा विकल्प नहीं है और स्थिति तो यह भी है कि बड़े-बड़े एयरपोर्ट के पास तक कॉलोनियां बसी हुई हैं। हम हादसों से पहले कभी जागते नहीं और कुछ दिन मात्र अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर फिर से पुराने ढर्रे पर चल पड़ते हैं। बहरहाल, कोई भी सरकार नहीं चाहती कि इस तरह के हादसे हों, लेकिन यदि किसी घटना की आशंका जिस वजह से ज्यादा हो, उस पर गंभीरता दिखाना सरकार का कर्तव्य माना जाता है। उड्डयन तंत्र प्रणाली को लेकर भी अब सजग होना अनिवार्य है। हमारे देश में हर रोज लगभग 6 लाख लोग हवाई सफर करते हैं। हवा में यात्रा करना भरोसा होता है सिस्टम पर, चूंकि एक विमान में 600 तक लोगों के बैठने की क्षमता होती है और उसके संचालित करने के लिए टीम होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बीते दशक भर में हमारे देश में सड़कों पर बहुत बड़े स्तर पर काम हुआ है और हम इसी तरह की उम्मीद हवाई यात्रा की तंत्र प्रणाली के लिए करते हैं ,चूंकि अब हवाई सफर करने वालों की संख्या हर रोज बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ।

कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम पर भी ध्यान दे सरकार

व्यवस्था
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन क्रैश, साइबर अटैक, तकनीकी खराबियों और उड़ानों में अव्यवस्था ने सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। बजट 2026 से उम्मीद है कि सरकार कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत करेगी।

भारतीय एविएशन के लिए बीता हुआ साल बेहद मुश्किल साल रहा। एयर इंडिया का एक जानलेवा हादसा, एयरलाइंस और एयरपोर्ट सिस्टम पर साइबर अटैक, लगातार टेक्निकल खराबियां और दिसंबर में इंडिगो की बड़ी गड़बड़ी ने दिखा दिया कि सिस्टम कितना नाजुक हो गया है। इंडियन एविएशन सेक्टर आज जिस स्थिति में खड़ा है, उसे देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत की आसमान में उड़ान भरने की महत्वाकांक्षा और उसकी जमीनी हकीकत के बीच बेहद गहरा अंतर है। बीते दशक में भारत ने एविएशन के बुनियादी ढांचे, एयरपोर्ट्स, क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की संख्या के लिहाज से अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की है, लेकिन एयरलाइंस के ऑपरेशन्स, फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और कम्पेटिटिव एनवायरमेंट के मोर्चे पर तीव्र संकट से गुजर रहे है। सवाल अहम है कि क्या भारत की एविएशन इंडस्ट्री जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसे सुरक्षित रखने वाले सिस्टम भी मजबूत हो रहे हैं? पहले चर्चा सिर्फ विस्तार (एक्सपेंशन) की होती थी, अब बात दबाव और जोखिम की होने लगी है।

यह विरोधाभास जितना चौंकाने वाला है, उतना ही चिंताजनक भी। भारत में एविएशन सेक्टर में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह विकास टिकाऊ तभी होगा, जब मार्केट स्ट्रक्चर हेल्दी हो, नीतियां संतुलित हों और रेगुलेशन स्ट्रॉन्ग हो। आज की स्थिति में इंडिगो जैसी कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी। भारतीय एविएशन सेक्टर को गौर से देखें तो यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट है, जो अभी मुख्यतः इंडिगो और एयर इंडिया पर ही टिका है। भारी संख्या में फ्लाइट पैसेंजर होने के बावजूद दूसरी कोई एयरलाइंस इस इंडस्ट्री में प्रभावी नहीं है। एविएशन एक्सपर्ट के मुताबिक, यह कोई सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि खराब पॉलिसी का नतीजा है। पिछले 20 सालों में जब भी जेट एयरवेज या किंगफिशर जैसी बड़ी एयरलाइंस डूबीं, तो उस समय भी सरकार की ओर से इन कंपनियों को बचाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अगर सरकार समय से कदम उठाती तो संभवतः आज हजारों नौकरियां सुरक्षित और हमारी हवाई क्षमता बेहतर होती। सरकार एविएशन सेक्टर में किसी भी तरह के नए निवेश को आकर्षित करने में विफल रही है। आज, सरकार की बहुप्रचारित 'उड़ान' योजना का हश्र देखिए। दावा था 2,500 रुपये में हवाई यात्रा का, लेकिन दिसंबर 2025 में सरकार खुद 1500 किमी से कम की उड़ानों के लिए 18,000 रुपये तक की कैपिंग (सीमा) लगा रही है। एकाधिकार की प्रवृत्ति को रोकने के लिए और अधिक एयरलाइंस की सख्त जरूरत है। वर्तमान में, भारतीय घरेलू विमानन बाजार पर मुख्य रूप से दो बड़े समूहों का वर्चस्व है, जिससे प्रतिस्पर्धा का संतुलन बिगड़ गया है। बाजार का लगभग 90 फीसदी हिस्सा केवल इन दो समूहों (इंडिगो और टाटा) के नियंत्रण में है। भारत में और एयरलाइंस की सख्त आवश्यकता है। नई एयरलाइंस न केवल किराया कम करने में मदद करेंगी, बल्कि परिचालन संकट के समय बाजार को स्थिरता भी प्रदान करेंगी। भारत का एविएशन उद्योग सालाना 10 से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, यह दुनिया में सबसे तेज़ ग्रोथ है। उस हिसाब से नए निवेश को आकर्षित करना चाहिए। मौजूदा हालात से बचने के लिए सरकार को अपना लागत ढांचा तर्कसंगत बनाना चाहिए। अभी बेइंतहां टैक्स है, एयरपोर्ट ऑपरेटर्स यात्रियों से तरह-तरह के शुल्क ले रहे हैं। जीएसटी आदि के नाम पर भी तरह तरह के टैक्स हैं। इन सारी वजहों से इस सेक्टर पर नए निवेश नहीं आ पा रहे हैं।

दूसरी सलाह है, बाज़ार हिस्सेदारी की सीमा तय की जानी चाहिए और 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी की इजाज़त नहीं दी जानी चाहिए। भारत यदि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बनना चाहता है तो उसे नीतियों को विस्तार से परे जाकर गहराई में सुधारना होगा। सबसे पहला उपाय होना चाहिए, एटीएफ को जीएसटी में लाना, दूसरा डीजीसीए को अधिक स्वायत्त, सशक्त और उत्तरदायी संस्था बनाया जाए, तीसरा यात्रियों को यूरोपीय मॉडल की तरह मुआवजे का कानूनी अधिकार मिले और चौथा नए खिलाड़ियों के प्रवेश को सरल बनाया जाना चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे। भारत का एविएशन सेक्टर आज आईसीयू में है। हमने 'प्रतिस्पर्धा' को मारकर 'एकाधिकार' को चुना है। 2009 के 'राष्ट्रीय परिवहन विकास नीति समिति' ने जिस वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का सपना देखा था, उसे आज 'सेल्फी पॉइंट्स' और महंगे एयरपोर्ट बर्गर में बदल दिया गया है।

आज की स्थिति में इंडिगो जैसी विमान कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी है।

एविएशन सेक्टर : थोड़ा है और थोड़े की जरूरत है

विस्तार
सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

निश्चित तौर पर भारत का एविएशन सेक्टर यानी उड्डयन क्षेत्र बीते एक दशक में तेजी से विकसित हुआ है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। आज हवाई सफर समाज के हर वर्ग की पहुंच में आता दिखाई दे रहा है।

यह बदलाव भारत की बदलती आर्थिक और सामाजिक तस्वीर को भी दर्शाता है। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने देशभर में हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे के विस्तार पर विशेष जोर दिया है। पटना, दतिया, सतना, अमरावती, तूतीकोरिन, पूर्णिया, नवी मुंबई और गुवाहाटी जैसे शहरों में नए एयरपोर्ट और आधुनिक टर्मिनल सुविधाओं का विकास किया गया है। इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत हुई है और बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु जैसे राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिली है। सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी ने इस सेक्टर को नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ाया है। इसके बावजूद यह कहना जल्दबाजी होगी कि हम पूरी तरह संतुष्ट स्थिति में पहुंच चुके हैं। इस क्षेत्र में अभी कई बुनियादी जरूरतें और कमियां मौजूद हैं। सीनियर एविएशन कंसल्टेंट जी. एस. बाबा के अनुसार, हम प्रगति के रास्ते पर जरूर हैं और संभावनाएं भी बहुत हैं, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। सबसे पहले विमानों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। इसके साथ पायलटों के प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रखरखाव ढांचे को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल की दिशा में तेज प्रगति भी समय की मांग है। विमानों की उपलब्धता के संदर्भ में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। वर्तमान जरूरतों और भविष्य की मांग को देखते हुए बेड़े के विस्तार की आवश्यकता है। ऐसे में 'मेक इन इंडिया' के तहत विमान निर्माण और एयरोस्पेस विनिर्माण को बढ़ावा देने के प्रयास सकारात्मक संकेत देते हैं। पायलट प्रशिक्षण और तकनीकी कौशल विकास के लिए समर्पित समझौते (एमओयू) और प्रशिक्षण ढांचे का विस्तार भी उत्साहजनक कदम है। साथ ही भारत में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल) सुविधाओं का विकास इस क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर इस सेक्टर की रीढ़ है। यदि हम घरेलू यातायात को बेहतर ढंग से विकसित और व्यवस्थित कर लें, तो आत्मनिर्भर एविएशन प्रणाली बनाना कठिन नहीं होगा।सरकार द्वारा छोटे एयरपोर्ट के विकास और छोटे विमानों के संचालन को बढ़ावा देना एक प्रभावी रणनीति साबित हो सकती है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना 'उड़ान' के माध्यम से टू-टियर और थ्री-टियर शहरों को जोड़ने का प्रयास सराहनीय है। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा मिलती है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों पर काम भी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है।हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कई एयरलाइंस आर्थिक दबाव का सामना कर चुकी हैं। ईंधन की ऊंची कीमतें, जटिल टैक्स ढांचा, सीमित एयरपोर्ट स्लॉट, परिचालन लागत और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी विकास की गति को प्रभावित करती है। छोटे हवाई अड्डों की व्यावसायिक व्यवहार्यता भी एक गंभीर प्रश्न है, वहां इंफ्रास्ट्रक्चर तो बन जाता है, पर यात्री संख्या और उड़ानों की निरंतरता सुनिश्चित करना चुनौती बना रहता है। सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन भी इस क्षेत्र की अनिवार्य जरूरतें हैं। बढ़ते हवाई यातायात के साथ सुरक्षा मानकों को और सख्त करना होगा। एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट, विमान रखरखाव और तकनीकी निगरानी को विश्वस्तरीय बनाना आवश्यक है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन कम करने और हरित ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यह भी जरूरी है कि एविएशन सेक्टर केवल महानगरों तक सीमित न रहे। उत्तर-पूर्व, पहाड़ी और दूरदराज क्षेत्रों में हवाई संपर्क जीवनरेखा का काम कर सकता है। मेडिकल इमरजेंसी, आपदा प्रबंधन और आवश्यक सेवाओं के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए नीतियों में लाभ के साथ सामाजिक उपयोगिता को भी बराबर महत्व मिलना चाहिए। भारत जैसा विशाल और उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश अभी एविएशन संभावनाओं का केवल एक छोटा हिस्सा ही उपयोग कर पाया है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत का एविएशन सेक्टर सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन यात्रा अभी अधूरी है। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है।

दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है।

महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार का दिन रहा ऐतिहासिक

सुनेत्रा बनीं राज्य की उप मुख्यमंत्री, संकट ने सियासत में 'उच्चता' दी

अजित की जगह अब उनकी पत्नी बनीं राज्य की डिप्टी सीएम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में अजित पवार के निधन के बाद नए उपमुख्यमंत्री का शपथग्रहण शनिवार को पूरा हो गया। अजित की जगह अब उनकी पत्नी राज्य की डिप्टी सीएम बन गई हैं। लोकभवन में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इससे पहले उन्हें दोपहर में राकांपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया। महाराष्ट्र के इतिहास में पहली बार कोई महिला डिप्टी सीएम बनी हैं।

पहली बार राज्य में कोई महिला उप मुख्यमंत्री बनीं

धाराशिव में जन्म

सुनेत्रा पवार का जन्म 1963 में उस्मानाबाद (अब धाराशिव) में एक मराठी परिवार में हुआ था। सुनेत्रा ने औरंगाबाद (अब छत्रपति संभाजीनगर) के एसबी कॉलेज से बी.कॉम की डिग्री हासिल की।

पार्टी नेताओं के साथ सुनेत्रा पवार

सामाजिक कार्यों में रहा ध्यान

एक राजनीतिक परिवार से आने के बावजूद सुनेत्रा राजनीति से दूर ही रहीं। पवार परिवार से जुड़ने के बाद भी उन्होंने अपना ध्यान सामाजिक कार्यों में लगाया और बारामती के करीब पवार खानदान के पैतृक गांव काठेवाड़ी में कई कार्य कराए। खासकर साफ-सफाई को लेकर। उनके कार्यों की वजह से 2006 में काठेवाड़ी को निर्मल ग्राम का दर्जा दिया गया और घोषित किया गया कि यह गांव खुले में शौच से मुक्त हो गया है। सुनेत्रा ने 2008 में बारामती में हाईटेक टेक्सटाइल पार्क बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई। 65 एकड़ के इस पार्क को केंद्र की टेक्सटाइल पार्क स्कीम के जरिए स्थापित कराया गया और मौजूदा समय में यहां 15 हजार लोगों को नौकरी मिली है। इनमें से अधिकतर महिलाएं हैं, जो कपड़ा उद्योग, सिलाई, बुनाई और कढ़ाई में काम कर रही हैं।

भाई गृह मंत्री रह चुके

उनके पिता बाजीराव पाटिल महाराष्ट्र के मजबूत नेता थे। भाई पदम सिंह बाजीराव पाटिल 1980 के दशक में महाराष्ट्र में सबसे ताकतवर नेताओं में से एक रहे। पदम सिंह कई बार विधायक रहने के साथ-साथ सांसद भी रहे। वे 80 के दशक में ही महाराष्ट्र के गृह मंत्री भी बने।

अजित से इस तरह की शादी

सुनेत्रा के 1983 में ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद 1985 में उनकी शादी अजित पवार से हुई। पदमसिंह और शरद पवार भी अपनी अलग पहचान स्थापित कर चुके थे। दोनों ही नेताओं में अच्छी दोस्ती बाद में रिश्ते में बदली, जब पदमसिंह ने बहन सुनेत्रा का रिश्ता अजित से तय कर दिया। अजित और सुनेत्रा पवार के दो बेटे हुए। बड़े बेटे का नाम पार्थ पवार और छोटे बेटे जय हैं। जय फिलहाल राजनीति में नहीं हैं। जय उद्यमिता के क्षेत्र में अपना करियर बना रहे हैं।

सुनेत्रा का राजनीतिक इतिहास

सुनेत्रा के जीवन में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट 2023 के अंत में आया, जब राकांपा का विभाजन हुआ। यहां से उनकी पहली बार सक्रिय राजनीति में एंट्री हुई। सुनेत्रा के चुनावी करियर की शुरुआत 2024 के लोकसभा चुनावों से हुई, जब वे बारामती निर्वाचन क्षेत्र से अजित गुट के टिकट पर उतरीं। इस चुनाव में उन्होंने अपनी ननद और शरद पवार की बेटी- सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा, जो पवार परिवार और पार्टी में विभाजन का प्रतीक बना। उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव के बाद उन्हें जून 2024 में राज्यसभा के लिए नामित किया गया। अजित के निधन से खाली हुई जगह को भरने पर भी सवाल उठने लगे। उन्हें शनिवार को राकांपा विधायक दल का नेता चुन लिया गया।

खबर संक्षेप

दम घुटने से 4 प्रवासी मजदूरों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु के बाहरी इलाके में किराए के एक मकान में रह रहे चार प्रवासी श्रमिकों की कथित तौर पर दम घुटने से मौत हो गई। ये प्रवासी मजदूर असम के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान जयंत शिंदे, नरेंद्रनाथ, डॉक्टर टाइड और धनंजय टाइड के रूप में हुई है। सभी की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कंटेनर ने 2 ऑटो को मारी टक्कर, 5 मरे

आगरा। यहां के थाना खंदौली क्षेत्र में शनिवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कंटेनर ने दो ऑटो को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों के मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल बताए गए हैं। ये सभी जगन्नाथ यात्रा पर गए थे। ये सभी वापस ऑटो से आ रहे थे। ये सहपऊ के रहने वाले हैं। आगरा कैंट स्टेशन पर के बाद ये ऑटो से घर जा रहे थे।

सीयूईटी यूजी में आवेदन की तारीख आगे बढ़ी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसीने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट अंडरग्रेजुएट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब उम्मीदवार 4 फरवरी रात 11:50 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह फैसला शिकायतों और अनुरोधों के बाद लिया गया है, ताकि अधिकतर छात्र बिना किसी तकनीकी परेशानी के आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकें।

जान्हवी हत्याकांड में दोस्त को उम्रकैद

मुंबई। यहां के चर्चित 2021 जाह्नवी कुकरेजा हत्याकांड में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। करीब 4 साल बाद आए इस फैसले में अदालत ने पीड़िता के दोस्त जोगधनकर को उम्रकैद की सजा सुनाई। दूसरी आरोपी दिया पाडलकर को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। इसने शहर को झकझोर दिया था। हत्या में शामिल लोग मृतका के करीबी दोस्त थे।

संसद में जल्द लाए जाएंगे नए कृषि कानून

दुर्ग। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में किसानों से संवाद करते हुए घोषणा की कि किसानों को कानूनी सुरक्षा देने के लिए जल्द ही संसद में नए कानून लाए जाएंगे। नकली बीज, खाद और कीटनाशक बेचने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों को धोखाधड़ी से बचाना है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कोलकाता के आनंदपुर में सीएम ममता को घेरा

मोमो फैक्ट्री में किसका था पैसा? सरकार ने भ्रष्टाचार छिपाने फैक्ट्री में लगवाई थी आग

बैरकपुर में भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में राज्य सरकार को बताया सबसे भ्रष्ट

ममता किसी भ्रम में न रहें

एजेंसी ▶▶ बैरकपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के आनंदपुर इलाके में वाओ मोमो फैक्ट्री व गोदाम में हाल में लगी भीषण अग्निकांड की घटना को लेकर शनिवार को ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह आग कोई साधारण दुर्घटना नहीं है, बल्कि राज्य प्रशासन में फैले भ्रष्टाचार का नतीजा है।आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शाह ने उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में भाजपा के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते इस भीषण अग्निकांड पर दावा किया कि इसमें 25 लोगों की जान चली गई है और 27 लापता हैं। शाह ने ममता सरकार को कठघरे में लाया। शाह ने कहा कि यह हादसा क्यों हुआ? इस मोमो फैक्ट्री में किसका पैसा लगा हुआ है? फैक्ट्री के मालिक कौन हैं? मालिकों ने उड़ानों में किसके साथ यात्रा की है? मालिक को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है?

अग्निकांड को लेकर ममता पर बरसे शाह

बंगाल के नेताओं ने गृहमंत्री शाह को सौंपी देवी मां काली की तस्वीर

आगजनी का विरोध किया तो पुलिस ने अत्याचार किया

शाह ने ममता सरकार से आग की इस घटना की निष्पक्ष एवं न्यायिक जांच कराने की मांग की। शाह ने कहा कि घटना के जिम्मेदार लोगों को जेल भेजा जाए। शाह ने कहा कि बंगाल में हमारे नेता अधिकारी और शमिक भट्टाचार्य पीड़ित परिवारों से मिलने गए थे। हमारे कार्यकर्ताओं ने घटना का विरोध किया और पुलिस ने उन पर अत्याचार किया।

इस बार ममता की विदाई तय

शाह ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ चुनावों के आंकड़े साफ संकेत दे रहे हैं कि 2026 में बंगाल में बदलाव तय है। 2021 के चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस चुनाव में भाजपा को 38 प्रतिशत वोट मिला था और 77 सीटें जीतकर सुवेंदु अधिकारी विपक्ष के नेता बने। ममता दीदी, हमें 38 से 45 प्रतिशत तक जाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। भाजपा बंगाल में सरकार बनाएगी। ममता पर तंज कसते हुए कहा कि वे भतीजे को अगला मुख्यमंत्री बनाने के सपने में भ्रम का शिकार हो गई हैं।

मतुआ समुदाय से कहा- किसी का नाम नहीं कटेगा

शाह ने मतुआ समुदाय के लोगों को भी भरोसा दिलाया। शाह ने कहा कि ममता व टीएमसी उन्हें यह कहकर डरा कर रही हैं कि एसआईआर के चलते उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे। उन्होंने साफ कहा कि एक भी मतुआ मतदाता का नाम सूची से नहीं हटेगा। कोई कुछ भी कोशिश कर लें, एसआईआर की प्रक्रिया जारी रहेगी और पूरी तरह पारदर्शी मतदाता सूची के साथ चुनाव कराए जाएंगे।

एनआरसी पर भी घेरा, अवैध लोगों का नाम कटेगा

गृह मंत्री ने कहा कि ममता बेनर्जी चाहे जितना एनआरसी का विरोध कर लें, लेकिन घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाने ही होंगे। उन्होंने दावा किया कि यदि कोई घुसपैठिया बच भी जाता है, तो भाजपा का मुख्यमंत्री आकर उसे हटाने का काम करेगा।

भ्रष्टाचार पर खुली चुनौती वे टिकट न देकर दिखाएं

शाह ने ममता को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर खुली चुनौती देते हुए कहा कि अगर उनमें सच में हिम्मत है, तो वे भ्रष्ट नेताओं को टिकट न देकर दिखाएं।

हाई कोर्ट ने भी माना, जमीन देने में नहीं कर रही थी सहयोग

शाह ने कहा कि उन्हें खुशी है कि अब कलकत्ता हाई कोर्ट ने भी यह माना है कि ममता सरकार बॉर्डर फेंसिंग के लिए जमीन देने में सहयोग नहीं कर रही थी। हाई कोर्ट ने बीएसएफ को तय समयसीमा के भीतर जमीन देने का आदेश दिया है, ताकि सीमा सुरक्षा मजबूत की जा सके।

'माटी-मानुष' के नारे पर तंज महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल

शाह ने कहा कि ममता बेनर्जी माटी और मानुष का नारा देकर सत्ता में आई थीं, लेकिन आज महिलाएं असुरक्षित हैं, जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा है और आम लोग तृणमूल सिंडिकेट से परेशान हैं।

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला

मेडिकल तरीके से गिराया जा सकेगा 31 हफ्ते का भ्रूण

अदालत ने इन आधारों पर दी गिराने की अनुमति इसके साथ ही मेडिकल टीम को ताकीद भी दी

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल हाईकोर्ट ने एक दंपती राहत दी है। कोर्ट ने उनके 31 हफ्ते से अधिक समय के भ्रूण का चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति दी। यह भ्रूण दिमाग और सिर से जुड़ी जन्मजात गंभीर विकृतियों से पीड़ित है। जस्टिस शोभा अन्नम्मा ईप्पन ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर गर्भपात की इजाजत दी। बोर्ड ने राय दी थी कि अगर बच्चे का जन्म होता है तो वह गंभीर शारीरिक विकृतियों से ग्रस्त होगा। मेडिकल बोर्ड ने यह भी कहा कि गर्भावस्था को आगे बढ़ाना महिला के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। कोर्ट ने मामले के तथ्यों, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, इस विषय से जुड़े स्थापित कानूनी सिद्धांतों और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों पर विचार किया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो इससे केवल नतीजे में देरी होगी और परिवार की तकलीफ और बढ़ेगी।

कोर्ट के निर्देश

कोट्टायम मेडिकल कॉलेज जरूरी कदम उठाए

कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को गर्भपात कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को तुरंत एक मेडिकल टीम गठित करने और प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल टीम अपने विवेक और सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार चिकित्सा विज्ञान में सुझाई गई सबसे उचित प्रक्रिया अपनाएगी, ताकि गर्भपात किया जा सके और पहली याचिकाकर्ता (महिला) की जान बचाई जा सके।

पहेल अंतिम स्कैन कर दोबारा की जाए पुष्टि

हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि गर्भपात से पहले अंतिम स्कैन कर भ्रूण की विकृतियों की दोबारा पुष्टि की जाए। अगर भ्रूण जीवित जन्म लेता है, तो अस्पताल उसे जीवित रखने के लिए सभी आवश्यक सहायता देगा, जिसमें इन्क्यूबेशन और किसी भी सुपर-स्पेशलिटी में इलाज शामिल है। बच्चे को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार दिया जाएगा और याचिकाकर्ता पति-पत्नी बच्चे की पूरी जिम्मेदारी लेंगे तथा इलाज का खर्च भी वहन करेंगे। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया था कि भ्रूण दिमाग और सिर की जन्मजात विकृतियों से पीड़ित है, जिनमें माइक्रोसेफली जैसे लक्षण शामिल हैं, जिससे गंभीर और जीवनभर रहने वाली शारीरिक व न्यूरोलॉजिकल विकलांगता की आशंका बहुत अधिक है।

पीएम श्री गुरु रविदास जी एयरपोर्ट, आदमपुर का करेंगे अनावरण, हलवारा में नए टर्मिनल का करेंगे उद्घाटन

यह महान संत और समाज सुधारक के प्रति सम्मान का प्रतीक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संत गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पंजाब का दौरा करेंगे। वे दोपहर में आदमपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, जहां एयरपोर्ट का नया नाम 'श्री गुरु रविदास जी एयरपोर्ट, आदमपुर' अनावरण करेंगे। वे लुधियाना स्थित हलवारा एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन भी करेंगे। इस पावन अवसर पर आदमपुर एयरपोर्ट का नामकरण उस महान संत और समाज सुधारक के प्रति सम्मान का प्रतीक है, जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं आज भी भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती हैं।

■ पंजाब का एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर

हरित और ऊर्जा-कुशल टर्मिनल

प्रधानमंत्री के सतत और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकास के विजन के अनुरूप इस टर्मिनल भवन में कई हरित और ऊर्जा-कुशल सुविधाएं शामिल की गई हैं।

नया और बड़ा सिविल एन्क्लेव विकसित किया

पीएमओ के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हलवारा एयरपोर्ट पर जिस नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया जाएगा, वह पंजाब के लिए एक नया एविएशन गेटवे साबित होगा। इससे लुधियाना और आसपास के औद्योगिक तथा कृषि क्षेत्रों की कनेक्टिविटी जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सकेगा।

एटा और कच्छ को रामसर मान्यता मिलने पर पीएम ने जताई प्रसन्नता

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के एटा स्थित पटना बर्ड सेंचुरी और गुजरात के कच्छ स्थित छारी-ढांड को रामसर साइट के रूप में मान्यता मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह मान्यता जैव विविधता के संरक्षण और महत्वपूर्ण इकोसिस्टम की रक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये सुरक्षित आवास के रूप में आगे भी फलते-फूलते रहेंगे।

साध्वी बाईसा की मौत मामले में बड़ा खुलासा

कंपाउंडर ने अपना जुर्म कबूला उन्हें कई इंजेक्शन लगाए गए

पुलिस उसकी योग्यता की कर रही जांच

एसआईटी की तफ्तीश में चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। एसआईटी की प्रमुख और एसीपी छवि शर्मा ने शुरुआती जांच में संकेत दिए हैं कि यह मामला केवल सामान्य इलाज तक सीमित नहीं है। पूछताछ में मुख्य आरोपी कंपाउंडर देवी सिंह ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसने साध्वी को केवल एक इंजेक्शन नहीं, बल्कि एक से अधिक इंजेक्शन लगाए थे।

कई अन्य दवाएं भी दी थी

अब तक केवल 'डेक्सोना' इंजेक्शन की बात सामने आ रही थी, लेकिन उसने कुछ अन्य दवाएं भी शरीर में इंजेक्ट की थीं। उन अन्य इंजेक्शनों में कौन सा साल्ट था, उनकी मात्रा कितनी थी और वे किस उद्देश्य से दिए गए थे?

शक के दायरे में आश्रम के बैंक खाते

पुलिस आर्थिक एंगल को भी गंभीरता से देख रही है। आश्रम से जुड़े सभी आधिकारिक बैंक खातों को खंगाला जा रहा है. आश्रम से जुड़े प्रमुख व्यक्तियों के निजी बैंक खातों की भी जांच हो रही है ताकि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का पता लगाया जा सके।

3,000 करोड़ का निवेश घोटाला, विज्ञापन से संबंधित है यह मामला

मनोज, गोविंदा, शक्ति कपूर की बढ़ी मुश्किलें, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

निवेश से जुड़े एक बड़े घोटाले में अभिनेता और भाजपा सांसद मनोज तिवारी, अभिनेता गोविंदा, शक्ति कपूर और चंकी पांडे समेत कई की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। इन सभी के खिलाफ निवेशकों को लुभाने और निवेश योजना का प्रचार करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक गाजियाबाद स्थित कंपनी मैक्सिम टच प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा यह मामला जमशेदपुर कोर्ट में सामने आया। आरोप है कि कंपनी ने निवेशकों को भारी मुनाफे का लालच दिया था। कंपनी की स्कीम में निवेश करने पर हर महीने करीब 15 प्रतिशत ब्याज देने का वादा किया गया था। मामले की सुनवाई शुक्रवार को जमशेदपुर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट में हुई।

शुक्रवार को जमशेदपुर के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट में हुई। शिकायतकर्ता सुबोध कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आईपीसी की धारा 420,120बी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज करने का आदेश दिया।

शिकायतकर्ता सुबोध कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आईपीसी की धारा 420,120बी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करने का आदेश दिया। शिकायतकर्ता के वकील विद्या सिंह ने बताया कि कोर्ट में शिकायत दर्ज होने के बाद सभी आरोपियों के खिलाफ साकची थाना में केस दर्ज किया जाएगा।

फिल्मी सितारों ने किया था कंपनी का विज्ञापन

बताया जा रहा है कि शिकायत कर्ताओं ने कंपनी में करीब 30 लाख रुपए तक का निवेश किया था। निवेशकों का आरोप है कि कंपनी ने तय समय पर ब्याज और मूलधन वापस नहीं किया। वहीं कंपनी का कहना है कि उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ, जिसके कारण भुगतान नहीं किया जा सका।

कानूनी प्रक्रिया जारी

जानकारी के मुताबिक कंपनी में जमशेदपुर के निवेशकों के करीब 150 करोड़ रुपए और झारखंड के निवेशकों के लगभग 600 करोड़ रुपए फंसे हुए बताए जा रहे हैं। पूरे घोटाले की रकम करीब 3000 करोड़ रुपए बताई जा रही है। लिहाल मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस जांच की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस केस ने निवेश योजनाओं के प्रचार में सेलेब्रिटी की भूमिका को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोयल ने तमिलनाडु सरकार को घेरा

सीएम स्टालिन भ्रष्ट व भारत विरोधी, भाजपा की जीत तय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि तमिलनाडु के लोग डीएमके से तंग हैं। यह एक अक्षम और 'भयंकर भ्रष्ट' सरकार है और यह तमिल विरोधी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। तमिलनाडु चुनाव प्रभारी गोयल ने कहा कि विधानसभा में भाजपा के लिए जीत कठिन नहीं होगी। यहां भाजपा को अभिनेता विजय को बुलाने की जरूरत नहीं है।

डीएमके सरकार अक्षम भ्रष्टाचार में डूबी

तमिलनाडु के प्रभारी मंत्री गोयल ने कहा कि डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ विरोध की भावना है। यह एक अक्षम और महा भ्रष्ट सरकार है। स्टालिन पूरी तरह से तमिल विरोधी संस्कृति और भारत विरोधी रुख का प्रतिनिधित्व करते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला एनडीए (जिसमें भाजपा भी शामिल है) गठबंधन यह चुनाव जीतेगा और अच्छी शासन व्यवस्था वापस लाएगा।

क्या कृषि नीति में बदलाव के बीज बो पाएगा बजट

उम्मीद है कि एक फरवरी को आने वाला बजट इस बार खेती को सिर्फ कल्याणकारी योजना न मानकर, इसे एक उत्पादक और तकनीकी-सक्षम क्षेत्र के रूप में विकसित करेगा।

बजट 2026 भारत की कृषि नीति में बदलाव के बीज बो सकता है। यह ऐसा क्षेत्र है जो भारत–अमेरिका व्यापार वार्ताओं में एक प्रमुख विवाद बिंदु बनकर उभरा है। खेती के मुद्दे पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलटवार करने का फैसला किया। 7 अगस्त को दिल्ली में ट्रंप द्वारा टैरिफ की घोषणा के एक दिन बाद, उन्होंने कहा कि भारत अपने किसानों, डेयरी क्षेत्र और मछुआरों के कल्याण से कभी समझौता नहीं करेगा। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि सीतारमण अपने बही-खाते में भारत के अन्नदाताओं के लिए क्या खोलती हैं। क्या बजट 2026 केवल लेखा-जोखा संतुलित करेगा या घरेलू प्राथमिकताओं और वैश्विक व्यापार दबावों के बीच फंसे इस क्षेत्र के लिए किसी बड़े पुनर्संतुलन का संकेत देगा।

समय की आवश्यकता

2050 तक भारत की जनसंख्या 1.6 अरब तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही सतत विकास तथा एसडीजी लक्ष्यों के अनुरूप देश की कृषि निर्यात क्षमता को खोलना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। विशेषज्ञ इस चुनौती से निपटने के लिए 4पी दृष्टिकोण की जरूरत बताते हैं।

प्रोड्यूज (उत्पादन): अनुसंधान एवं विकास में निवेश के जरिए अधिक उत्पादन

प्रोसेस (प्रसंस्करण): मूल्य संवर्धन और अवसंरचना के माध्यम से अधिक उत्पादन मूल्य

प्राइस (कीमत): कुशल आपूर्ति शृंखला और बेहतर मूल्य प्राप्ति के जरिए अधिकतम मूल्य

प्रोटेक्ट (संरक्षण): दीर्घकालिक स्थिरता के लिए संसाधनों की लचीली और टिकाऊ सुरक्षा

कृषि क्षेत्र
सेंट्रल डेस्क

प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएं

2026 में भारत वैश्विक मंच पर दो प्रमुख उपलब्धियों के साथ प्रमुख भूमिका में होगा। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया है, जो कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और कृषि व ग्रामीण आजीविका में लैंगिक अंतर को पाटने की तत्काल आवश्यकता को मान्यता देता है। भारत अपनी अध्यक्षता में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने का अवसर देगा। आगामी केंद्रीय बजट महिला-नेतृत्व वाली कृषि पहलों के लिए संसाधन आवंटित कर व वैश्विक कृषि-खाद्य निर्यात में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने वाले कार्यक्रमों को सशक्त बनाएगा।

अधिक धन की संभावना

पिछले केंद्रीय बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए आवंटन वित्त वर्ष 2025 में 1.52 लाख करोड़ और वित्त वर्ष 2026 में 1.37 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जबकि एमएसपी और इनपुट सब्सिडी सहित क्षेत्र पर वास्तविक प्रभावी व्यय 3.91 लाख करोड़ से अधिक रहा। अनुमान है कि इस क्षेत्र के लिए आवंटन में उत्तर की ओर बढ़त हो सकती है। अधिक आवंटन उभरते क्षेत्रों को प्रोत्साहन देगा और निर्यात लक्ष्यों, आत्मनिर्भरता, अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीक-आधारित खेती को समर्थन प्रदान करेगा। यह बजट ऐसे समय में आ रहा है जब कृषि क्षेत्र सुस्ती के दौर से गुजर रहा है।

परिवहन में सड़ते अरबों रुपये

मजबूत अनाज उत्पादन के बावजूद भारत में भंडारण और लॉजिस्टिक्स की कमी के कारण फल और सब्जियों जैसी वस्तुओं का 15% से 20% तक नुकसान हो जाता है। पीडीएस भी रिसाव, अवसंरचना की कमी और बर्बादी जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। यह कृषि उत्पादकता के लिए बड़ी बाधाएं हैं। आगामी बजट में फसल कटाई के बाद प्रबंधन हेतु कोल्ड चेन, आधुनिक गोदाम, प्रसंस्करण इकाइयां और डिजिटल आपूर्ति-शृंखला प्रबंधन जैसी कृषि अवसंरचना में निवेश तेज किया जाना चाहिए। मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) का विस्तार होना चाहिए। इसका उपयोग पहले से प्याज और दाल की कीमतों को स्थिर करने के लिए किया जा रहा है। अन्य सस्ती आवश्यक वस्तुओं जैसे दाल, आटा और चावल की उपलब्धता नेटवर्क को मजबूत करना, निम्न-आय वर्ग के लिए वहनीयता बनाए रखने में मदद करेगा।

खाद्य सुरक्षा के लिए कदम

सरकार के राष्ट्रीय खाद्य तेल–तिलहन मिशन और आत्मनिर्भर दाल मिशन, आत्मनिर्भरता की स्पष्ट दिशा दर्शाते हैं। इसमें तिलहन के लिए 2030–31 तक 10,103 करोड़ रुपये का प्रावधान है। उत्पादन को 39 मिलियन टन से बढ़ाकर लगभग 70 मिलियन टन करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें 40 लाख हेक्टेयर धान-परती भूमि को तिलहन के तहत लाने की योजना शामिल है। इसी प्रकार 1,000 करोड़ के समर्थन वाले दाल मिशन का लक्ष्य 2027 तक चयनित दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करना है, जिसके तहत 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीजों का वितरण और 88 लाख मुफ्त बीज किट उपलब्ध कराई जाएंगी। बजट में इन प्रयासों को और मजबूत करना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि भारत अभी भी अपनी खाद्य तेल आवश्यकता का लगभग 60% आयात करता है और दालों का भी बड़ा हिस्सा बाहर से लाता है। खाद्य और पोषण सुरक्षा की शुरुआत खेतों से होती है। भारतीय कृषि में पैमाना भी है और स्थायित्व भी। बजट 2026 यह तय करेगा कि सरकार पुरानी लकीरों पर ही हल चलाती रहेगी या इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर बड़ी फसल काटने में मदद करेगी।

कीटनाशक देश को खाद्य सुरक्षा देने में भी अहम फसल सुरक्षा के लिए स्पष्ट नियमों की दरकार

खाद्य सुरक्षा
सेंट्रल डेस्क

भारतीय कृषि एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। एक ओर देश आत्मविश्वास के साथ स्वयं को वैश्विक खाद्य महाशक्ति, दुनिया के लिए एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता और कृषि विनिर्माण के केंद्र के रूप में स्थापित करने की बात करता है। दूसरी ओर फसल सुरक्षा, किसानों की स्थिरता और खाद्य मूल्य संतुलन की रीढ़ से जुड़ा नीतिगत पारिस्थितिकी तंत्र सक्रिय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे केंद्रीय बजट 2026 नजदीक आ रहा है, यह समय अधिक स्पष्टता, विश्वास और विज्ञान-आधारित निर्णय प्रक्रिया के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता का अवसर प्रदान करता है। पिछले वर्ष के दौरान फसल सुरक्षा पर सार्वजनिक विमर्श विशेष रूप से सक्रिय रहा है। कीटनाशकों पर अक्सर केवल जोखिम के दृष्टिकोण से चर्चा होती है, जबकि फसल हानि रोकने, किसानों की आय की रक्षा करने और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने में उनकी भूमिका पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। यह असंतुलन ऐसे समय में सामने आता है जब भारतीय किसान हर वर्ष कीटों, रोगों और खरपतवारों के कारण 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की फसलें खो देते हैं। यह ऐसी हानि है जिसे खाद्य सुरक्षा और निर्यात नेतृत्व की आकांक्षा रखने वाला कोई भी देश अनदेखा नहीं कर सकता।

सही संतुलन की जरूरत

प्रस्तावित कीटनाशक प्रबंधन विधेयक, 2025 का उद्देश्य भारत की नियामकीय रूपरेखा को आज की वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना है। निगरानी को मजबूत करने, अनुपालन में सुधार लाने और किसानों व उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का इरादा समयानुकूल और आवश्यक है। हालांकि, सभी बुनियादी सुधारों की तरह इसका वास्तविक प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि इन उद्देश्यों को व्यवहार में कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है। इस दृष्टि से प्रस्तावित कीटनाशक प्रबंधन विधेयक को ऐसे बजट का पूरक समर्थन मिल सकता है, जो नियामकीय क्षमता, आधुनिक परीक्षण अवसंरचना और कुशल मूल्यांकन समयसीमा को सुदृढ़ करे। ये कदम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नई रूपरेखा सुरक्षित कृषि की ओर पुल का काम करे। इसलिए बजट से फसल सुरक्षा क्षेत्र एक मूलभूत आर्थिक वास्तविकता की स्पष्ट स्वीकृति चाहता है। असल में उपज की रक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसका उत्पादन करना। इसलिए फसल सुरक्षा उत्पाद उत्पादकता बनाए रखने में अनिवार्य भूमिका निभाते हैं। उन्हें आवश्यक कृषि इनपुट के रूप में मान्यता देना कृषि लचीलापन और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में उनके योगदान को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करेगा।

किसान-केंद्रित सुधार होगा जीएसटी को तर्कसंगत बनाना

बजट की सबसे तात्कालिक अपेक्षाओं में से एक है फसल सुरक्षा उत्पादों पर जीएसटी को अधिकतम 5% तक तर्कसंगत बनाना, ताकि उन्हें अन्य उर्वरकों (बायोस्टिमुलेंट/जैविक उत्पादों) के समान स्तर पर लाया जा सके। ऐसा कदम किसानों पर लागत के दबाव को कम करेगा और उच्च गुणवत्ता वाले वैध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाकर जिम्मेदार उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। इस दृष्टि से यह रियायत से अधिक एक किसान-केंद्रित सुधार है, जो कृषि मूल्य शृंखला में उत्पादकता, सुरक्षा और अनुपालन को मजबूत करता है।

विनिर्माण का अवसर

नए फसल सुरक्षा अणुओं के निर्माण के लिए लक्षित प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) ढांचा वैश्विक स्तर के निवेश आकर्षित करने, घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को गहरा करने और भारत को अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखलाओं में अधिक मजबूती से एकीकृत करने में मदद कर सकता है। यह केवल आयात प्रतिस्थापन का मामला नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए भारत को एक विश्वसनीय और प्रतिस्पर्धी उत्पादक के रूप में स्थापित करने का अवसर है।

नवाचार को वित्तीय समर्थन

फसल सुरक्षा नवाचार विज्ञान-प्रधान, पूंजी-आधारित और स्वाभाविक रूप से दीर्घकालिक प्रक्रिया है। एक नए अणु के विकास में एक दशक से अधिक समय लग सकता है, जिसके लिए सतत निवेश और नियामकीय निश्चितता आवश्यक है। यद्यपि भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को मान्यता देने में प्रगति की है, फिर भी कृषि अनुसंधान एवं विकास के लिए वित्तीय समर्थन को और मजबूत करने की गुंजाइश है। भारत फसल सुरक्षा को किसान लचीलापन, निर्यात वृद्धि और खाद्य सुरक्षा के लिए एक रणनीतिक साधन के रूप में सुदृढ़ कर सकता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वित्तीय और नियामकीय ढाँचे राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा के अनुरूप आगे बढ़ें। लिया गया निर्णय न केवल उद्योग के परिणामों को प्रभावित करेगा, बल्कि भारत की कृषि अर्थव्यवस्था की दीर्घकालिक स्थिरता और प्रतिस्पर्धात्मकता को भी आकार देगा।

इंश्योरेंस सेक्टर्स को भी चाहिए बड़ी राहत

बीमा
सेंट्रल डेस्क

इंश्योरेंस सेक्टर को बजट 2026 से काफी उम्मीदें हैं। बढ़ती मेडिकल लागत, कम इंश्योरेंस कवरेज और महंगे प्रीमियम को देखते हुए इस सेक्टर को बजट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद भी की जा रही है। इंश्योरेंस सेक्टर को बजट से कई उम्मीदें होती हैं, खासकर टैक्स छूट और पॉलिसीधारकों के लिए सुविधाओं में वृद्धि की ऐसे में आइए जानते हैं इस बजट में इंश्योरेंस सेक्टर के लिए क्या कुछ खास पेश हो सकता है। एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय बजट 2026 पेश करने वाली है। ऐसे में अब देखना यह है कि बजट 2026 में वित्त मंत्री क्या क्या ऐलान करती हैं और इन ऐलानों से आम लोगों और अलग अलग सेक्टर्स को क्या क्या लाभ मिलता है। बात करें इंश्योरेंस सेक्टर की तो इंश्योरेंस सेक्टर को बजट 2026 से काफी उम्मीदें हैं। बढ़ती मेडिकल लागत, कम इंश्योरेंस कवरेज और महंगे प्रीमियम को देखते हुए इस सेक्टर को बजट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद भी की जा रही है।

- वित्त मंत्री एक फरवरी को कर सकती हैं बड़े ऐलान

सेक्शन 80डी की टैक्स सीमा

इलाज और मेडिकल खर्च लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। बावजूद इसके इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर मिलने वाली 25,000 रुपये की टैक्स कटौती सीमा कई सालों से बिना बदलाव के बनी हुई है। ऐसे में इस समय में यह सीमा आम लोगों को पर्याप्त राहत नहीं देती है। ऐसे में अब उम्मीद है कि सरकार इस बजट में इस सीमा को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर सकती है।

टर्म इंश्योरेंस पर फोकस

भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोगों के पास पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस सुरक्षा कवर नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में करीब 17 ट्रिलियन डॉलर का मॉर्टलिटी प्रोटेक्शन गैप मौजूद है यानी लोगों को जितनी जीवन बीमा सुरक्षा की जरूरत है, उसके मुकाबले लगभग 83 प्रतिशत जरूरतें अब भी पूरी नहीं हो पाई हैं। ऐसे में सरकार को टर्म इंश्योरेंस को प्रोत्साहन देना चाहिए। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस पर टैक्स छूट, टर्म इंश्योरेंस प्रीमियम पर अलग टैक्स छूट मिलनी चाहिए।

जीएसटी और इंश्योरेंस प्रीमियम

इंश्योरेंस सेक्टर लंबे समय से जीएसटी से जुड़ी राहत की मांग कर रहा है. बीमा कंपनियां केवल जीएसटी से छूट नहीं, बल्कि पूरे सेक्टर को जीरो-रेटेड दर्जा दिए जाने की मांग कर रही हैं। अगर इंश्योरेंस को जीरो-रेटेड किया जाता है, तो कंपनियां अपने रोजमर्रा के खर्चों पर चुकाए गए टैक्स का इनपुट टैक्स क्रेडिट ले सकेंगी। इससे यह अतिरिक्त टैक्स बोझ प्रीमियम में नहीं जोड़ा जाएगा और ग्राहकों को कम प्रीमियम देना पड़ेगा।

यह भी चाहिए

- **टैक्स छूट:** इंश्योरेंस पॉलिसियों पर टैक्स छूट की सीमा बढ़ाने की मांग।
- **पॉलिसीधारकों के लिए सुविधाएं :** पॉलिसीधारकों के लिए क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को सरल बनाने और अधिक सुविधाएं प्रदान करने की उम्मीद।
- **इंश्योरेंस पेनेट्रेशन बढ़ाना :** इंश्योरेंस सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए सरकार से समर्थन की उम्मीद।
- **नियमों में बदलाव :** इंश्योरेंस सेक्टर को अधिक लेबल प्लेयरों को आकर्षित करने और विकास को बढ़ावा देने के लिए नियमों में बदलाव की उम्मीद।

यह भी जानिये

किस वित्त मंत्री ने पेश किए कितने बजट

भारत में हर साल 1 फरवरी के केंद्रीय बजट पेश किया जाता है। यह बजट भारत के वित्त मंत्री द्वारा पेश किया जाता है। हर साल की तरह इस साल भी केंद्रीय बजट 2026 आने वाली 1 फरवरी को भारत, की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया जाएगा। 1947 में आजादी के बाद से अब तक भारत के कई वित्त मंत्रियों ने संसद में बजट पेश किए हैं। कुछ वित्त मंत्री थोड़े समय के लिए रहे और कम बजट पेश किए। वहीं, कुछ वित्त मंत्री लंबे समय के लिए रहें और उन्होनें कई बजट पेश किए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। हम आपको बताएंगे कि 1947 में आजादी के बाद से भारत के किन वित्त मंत्रियों ने कितने बजट पेश किए। आइए जानते हैं पूरी जानकारी।

आजादी के बाद पहला बजट

- आर. के. शनमुखम चेट्टी आजादी के बाद भारत के पहले वित्त मंत्री थे. उन्होने 26 नवंबर 1947 में स्वतंत्र भारत का पहला बजट पेश किया था। आर. के. शनमुखम चेट्टी एक वकील और इकोनॉमिस्ट भी थे।
- भारत के सबसे ज्यादा बजट पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने पेश किए हैं. उन्होंने कुल 10 बजट पेश किए हैं। हालांकि, यह 10 बजट उन्होंने लगातार पेश नहीं किए। उन्होंने पहले 1959 से 1964 के बीच 6 बजट पेश किए और 1967 से 1969 के बीच 4 बजट पेश किए।
- पी चिदंबरम भारत के पूर्व वित्त मंत्री रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कुल 9 बजट पेश किए। उन्होंने अपना पहला बजट 1996 में पेश किया था. वहीं साल 2004 से 2008 के बीच उन्होंने 5 बजट पेश किए. बाद में वह साल 2009 में एक बार फिर वित्त मंत्री बनें और उन्होंने साल 2013 से 2014 के बीच बजट पेश किए।
- पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी भारत में बजट पेश किए हैं। उन्होंने पहले वित्त मंत्री के रूप में भी कार्यकाल संभाला था। इस दौरान उन्होंने कुल 8 बजट पेश किए थे। उन्होंने पहले 3 बजट साल 1982 से 1984 के बीच पेश किए। वहीं साल 2009 से 2011 के बीच उन्होंने 5 बजट पेश किए।
- निर्मला सीतारमण भारत की वर्तमान वित्त मंत्री है और वह साल 2019 से इस पद पर है। अब तक वहां 8 बजट पेश कर चुकी हैं और आने वाली 1 फरवरी को वह 9वां बजट पेश करने वाली हैं।

बजट से कंपनियों को बड़ी उम्मीद, अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने का खाका तैयार

इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी और एमएसएमई पर भी ध्यान दे केंद्र सरकार

बजट में इन सेक्टर्स पर फोकस बढ़ेगा तो बदलेगी ग्रोथ की तस्वीर लॉजिस्टिक कॉस्ट घटेगी, निवेश बढ़ेगा और रोजगार पैदा होंगे

इन्फ्रा
सेंट्रल डेस्क

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम बजट पेश करेंगी। इस बजट से भारतीय कंपनियों को कई बड़ी उम्मीदें हैं। उद्योगों से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार को इस बार बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, मैन्युफैक्चरिंग में वैल्यू एडिशन बढ़ाने, ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने और एमएसएमई सेक्टर को सस्ता और आसान कर्ज दिलाने पर खास फोकस करना चाहिए, ताकि लॉजिस्टिक कॉस्ट घटे और बिजनेस की रफ्तार बनी रहे। इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स का कहना है कि मौजूदा वैश्विक हालात में ग्रोथ बनाए रखने के लिए शॉर्ट टर्म राहत से ज्यादा जरूरी है कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद को मजबूत किया जाए। कंपनियों का भरोसा बढ़ेगा व लंबे समय में देश की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी बेहतर होगी।

ग्लोबल तनाव बढ़ा रहे चुनौतियां

अमेरिका के बढ़ते टैरिफ, लगातार चल रहे जियो-पॉलिटिक्स तनाव और सप्लाई चेन में बदलावों की वजह से कंपनियों के लिए अब लागत को काबू में रखना, नीति की स्थिरता और प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करना बहुत अहम हो गया है। यही वजह है कि निवेश और व्यापार से जुड़े फैसले पहले से ज्यादा सोच-समझकर लिए जा रहे हैं।

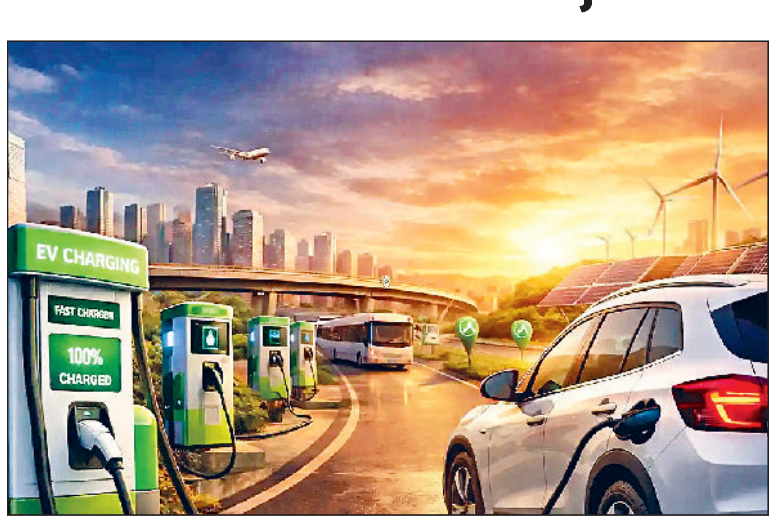

भारत की स्थिति बेहतर

दुनिया भर में कंपनियों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था पहले की तुलना में मजबूत स्थिति में है। इसकी वजह सरकार का पब्लिक इन्वेस्टमेंट पर लगातार फोकस, टैक्स सुधार और कंपनियों की बेहतर बैलेंस शीट है। अब चुनौती यह है कि इस मजबूती को लंबे समय तक टिकाऊ ग्रोथ में बदला जाए और मैन्युफैक्चरिंग व एक्सपोर्ट को और मजबूत किया जाए।

कम हुई लॉजिस्टिक कॉस्ट

पिछले एक दशक में सरकार ने सड़क, रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार निवेश बढ़ाया है, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। वित्तवर्ष 18 से वित्तवर्ष 26 के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर पर बजट सपोर्ट करीब 12% सीएजीआर से बढ़ा है। इसका असर यह हुआ है कि देश की लॉजिस्टिक कॉस्ट घटकर अब करीब 7.97% रह गई है। चूंकि रेलवे सामान ढोने का सबसे सस्ता जरिया है, इसलिए बजट में रेलवे की क्षमता बढ़ाने और प्राइवेट सेक्टर के लिए कार्गो सुविधा बढ़ाने पर जोर जारी रहना चाहिए। इसके साथ ही सड़कों पर कैपेक्स बनाए रखते हुए बीओटी मॉडल के जरिए निजी निवेश को भी बढ़ावा देना जरूरी है।

मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करने की जरूरत

भारत में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान जीडीपी में अभी करीब 17% है, जबकि सरकार का लक्ष्य इसे 25% तक ले जाना है। पीएलआई स्कीम (1.9 लाख करोड़, 14 सेक्टर) से कुछ फायदा जरूर हुआ है, लेकिन अब भी लोकल मैन्युफैक्चरिंग, लागत और एग्जिक्यूशन से जुड़ी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। इसलिए बजट में रिसर्च एंड डेवलपमेंट, टेक्निकल स्किल और इनोवेशन पर टैक्स छूट या इंसेंटिव देने की जरूरत है, खासतौर पर इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, डेटा सेंटर, एनर्जी स्टोरेज और सोलर जैसे सेक्टरों में।

ग्रीन एनर्जी पर भरोसेमंद पॉलिसी जरूरी

भारत ने 2030 तक जीडीपी की एमिशन इंटेंसिटी 45% घटाने, 500 जीडब्ल्यू नॉन-फॉसिल पावर कैपेसिटी हासिल करने और 2070 तक नेट-जीरो बनने का लक्ष्य रखा है। अब कंपनियों को जरूरत है स्पष्ट पॉलिसी और लॉन्ग टर्म फंडिंग की, ताकि वे भरोसे के साथ ग्रीन प्रोजेक्ट्स में निवेश कर सकें। बजट से उम्मीद है कि ग्रीन इन्वेस्टमेंट के लिए बेहतर फाइनेंसिंग सिस्टम बने, क्लीन एनर्जी क्लस्टर विकसित हों और प्रोजेक्ट्स को तेजी से लागू किया जा सके।

एमएसएमई को सस्ता और आसान लोन मिलना जरूरी

एमएसएमई सेक्टर देश के जीडीपी का करीब 30% और एक्सपोर्ट का 45% योगदान देता है, लेकिन इन्हें अब भी महंगा कर्ज और पेमेंट डिले जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बजट में ऐसे कदम जरूरी हैं, जिससे एमएसएमई को तेजी से और कम ब्याज पर लोन मिल सके। इसके साथ ही मुद्रा योजना के तहत लोन की सीमा बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि प्रोजेक्ट्स की लागत अब पहले से कहीं ज्यादा हो चुकी है।

इन क्षेत्रों को भी चाहिए बूस्ट

फार्मा और मेडटेक को लेकर बड़ी उम्मीद

बजट 2026 में सरकार को फार्मा और मेडिकल डिवाइस सेक्टर में आत्मनिर्भरता पर जोर देना चाहिए। उनका सुझाव है कि मेडिकल डिवाइस सेक्टर के लिए 10,000 करोड़ रुपये का पीएलआई पैकेज दिया जाना चाहिए, जिससे ऑन्कोलॉजी, इमेजिंग और इम्प्लांट जैसे सेगमेंट में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग बढ़े। जीवन कसारा के मुताबिक, अगर यह पीएलआई सपोर्ट मिलता है, तो भारत की मेडिकल डिवाइसेज में 70% तक की आयात निर्भरता घट सकती है और 2030 तक देश में 1.2 लाख करोड़ रुपये का घरेलू उत्पादन खड़ा किया जा सकता है।

एलेना ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में आर्यना को 6-4, 4-6, और 6-4 से दी मात

रिबाकिना ने किया बड़ा उलटफेर, विश्व नंबर 1 सबालेंका को हराया, पहली बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

एलेना रिबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया और अपना पहला खिताब जीता। इस रोमांचक तीन-सेट की जीत के साथ, रिबाकिना ने 2023 के फाइनल में सबालेंका से मिली हार का बदला भी पूरा कर लिया।

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

साल 2026 के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताब पर वर्ल्ड नंबर चार एलिना रिबाकिना ने कब्जा जमाया। वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका साल 2023 और साल 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद इस बार हैट्रिक लगाने उतरीं थी। लेकिन उनके सपने को रिबाकिना ने तोड़ा और महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में 6-4, 4-6, और 6-4 से हराया।

इसके साथ ही कजाखस्तान से आने वाली रिबकिना ने अपने करियर का दूसरा और पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इससे पहले रिबकिना ने साल 2022 मे विंबलडन का खिताब जीता था।

पहली ही सर्विस नहीं बचा सकीं सबालेंका

ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला सिंगल्स के फाइनल में पहली सर्विस सबालेंका ने की लेकिन रिबकिना ने पहली बार में ही सबालेंका की सर्विस को ब्रेक कर दिया। बाद में फिर अपनी सर्विस पर पकड़ बनाए रखी और रिबकिना ने पहले सेट को 6-4 से अपने नाम किया। पहले सेट में सबालेंका ने चार एस लगाए लेकिन फिर भी दो एस शॉट लगाने वाली रिबाकिना ने जीत दर्ज की।

सबालेंका ने की वापसी

दूसरे सेट में सबालेंका ने पहले अपनी सर्विस पर गेम जीता। इसके बाद दूसरे गेम में रिबकिना ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और अपनी सर्विस ब्रेक नहीं होने दी। जबकि बाद में रिबकिना अपनी सर्विस नहीं कभा सकीं तो उनको दूसरे सेट में 4-6 से हार का सामान करना पड़ा।

तीसरा सेट जीत रचा इतिहास

तीसरे सेट में रिबकिना दूसरे गेम में अपनी सर्विस गंवा बैठी लेकिन बाद में फिर उन्होंने शानदार विनर्स लगाते हुए सबालेंका को बैकफुट पर धकेला, जिससे वो दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठीं और बाद में फिर रिबाकिना ने उनको वापसी करने का मौका नहीं दिया। इससे तीसरे सेट को रिबकिना ने 6-4 से अपने नाम करने के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता और वह कजाखस्तान के लिए इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली महिला टेनिस खिलाड़ी बनीं। जबकि सबालेंका लगातार तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम नहीं कर सकीं।

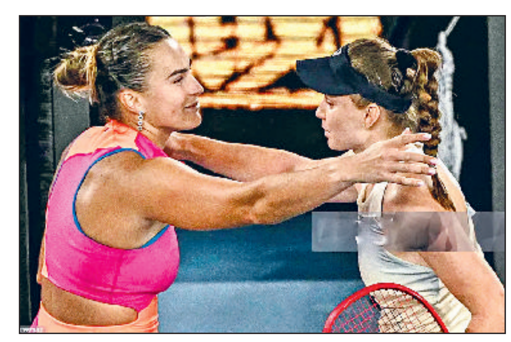

इतिहास रचने उतरेंगे जोकोविच-अल्कारेज

थकान और खुशी के पल में नोवाक जोकोविच ने भीड़ में मार्गरेट कोर्ट को पहचान लिया और उन्हें इतनी देर तक जागकर उन्हें अब तक के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक जीत दूर पहुंचते हुए देखने के लिए धन्यवाद दिया। रोड लेवर एरिना में 83 साल की कोर्ट दो बार के गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनर पर जोकोविच की पांच सेट की जीत के दौरान वीआईपी दर्शकों के बीच मौजूद थीं। यह मुकाबला शनिवार सुबह डेढ़ बजे खत्म हुआ। ये दोनों 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब का सर्वकालिक रिकॉर्ड साझा करते हैं लेकिन रविवार को यह बदल सकता है। सिनर पर जोकोविच की कड़ी जीत ने शीर्ष रैंकिंग वाले अल्कारेज के खिलाफ खिताबी मुकाबला तय किया।

सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की राह पर अल्कारेज

स्पेन का 22 साल का यह खिलाड़ी करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की राह पर है। अल्कारेज और सिनर मिलकर अब तक जोकोविच को 25वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने से रोकने में सफल रहे हैं। दोनों ने पिछले आठ ग्रैंडस्लैम खिताब बराबर संख्या में जीते हैं। सेमीफाइनल में जीत के बाद जोकोविच ने कोर्ट को धन्यवाद दिया कि वह सिनर के खिलाफ लगातार पांच हार का सिलसिला खत्म करने और ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार चार सेमीफाइनल हार का सिलसिला तोड़ने के दौरान उनके साथ थीं। जोकोविच ने कहा, 'कुछ दिग्गज सुबह दो बजे तक जागते रहे!' उन्होंने कहा, 'यहां आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।'

जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड

जोकोविच के पास लगभग हर रिकॉर्ड है। उन्होंने रोजर फेडरर और रफेल नडाल के बनाए रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। उनके पास सेरेना विलियम्स से एक अधिक खिताब है। सेरेना के नाम महिलाओं के ओपन युग के रिकॉर्ड 23 एकल खिताब हैं। जोकोविच ने यह बात नहीं छिपाई है कि वह सिर्फ 25वें खिताब के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं। 'सिनकारेज' (सिनर और अल्कारेज को मिलाकर) प्रतिद्वंद्विता के एक हिस्से को तोड़ने के बाद जोकोविच को मेलबर्न पार्क में अपने करियर के 11वें फाइनल में एक और खिताब जीतने का मौका मिलेगा। उन्होंने अब तक सभी 10 फाइनल जीते हैं।

किशन मैन आफ द मैच

ईशान का पहला टी-20 शतक, अर्शदीप के पांच विकेट से भारत 46 रन से जीता

▶▶ न्यूजीलैंड से 4-1 से जीती सीरीज

तिरूवनंतपुरम (भाषा)। ईशान किशन के पहले टी-20 शतक ने स्थानीय सितारे संजू सैमसन की नाकामी की भरपाई कर दी और उनके साथ अर्शदीप सिंह ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को पांचवें और आखिरी मैच में भारत को 46 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने श्रृंखला 4-1 से जीतकर अगले सप्ताह शुरू हो रहे टी-20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता कर ली। भारत के लिये ईशान ने 43 गेंद में 103 रन बनाये जिसमें छह चौके और दस छक्के शामिल थे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। दोनों ने करीब दस ओवर में 137 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड की टीम जवाब में 19.4 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई। भारत के लिए तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने पहले दो ओवर में 40 रन दिए और टिम सीफर्ट का विकेट लिया लेकिन इसके बाद अगले दो ओवर में 11 रन देकर चार विकेट चटकाये। न्यूजीलैंड के लिये फिन एलेन ने 38 गेंद में 80 रन बनाये लेकिन लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके। एलेन ने अर्शदीप को पहले ही ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद अर्शदीप के दूसरे ओवर में चार चौके और एक छक्के समेत 23 रन निकाले। वह बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हुए जिन्होंने 33 रन देकर तीन विकेट लिये।

सूर्यकुमार यादव बने मैन आफ द सीरीज

भारत-271/5 (20)

खिलाड़ी	रन
अभिषेक शर्मा बो फर्ग्युसन	30
संजू का जैकब्स बो फर्ग्युसन	6
ईशान का फिलिप्स बो डफी	103
सूर्यकुमार स्ट सीफर्ट बो सेंटनेर	63
पंड्या का जैकब्स बो जैमीसन	42
रिंकू सिंह नाबाद	8
शिवम दुबे नाबाद	7

अतिरिक्त : सात रन
योगः 20 ओवर में पांच विकेट पर 271 रन
विकेट पतन : 1-31, 2-48, 3-185, 4-233, 5-261
गेंदबाजीः डफी 4-0-53-1, जैमीसन 4-0-59-1, फर्ग्युसन 4-0-41-2, सोढी 3-0-48-0, फिलिप्स 1-0-10-0, सेंटनेर 4-0-60-1

न्यूजीलैंड-225/10 (19.4)

खिलाड़ी	रन
सीफर्ट का पंड्या बो अर्शदीप	5
फिन एलेन का सिंह बो पटेल	80
रचिन का पटेल बो अर्शदीप	30
ग्लेन फिलिप्स का सिंह बो पटेल	7
डेरिल मिचेल बो अर्शदीप	26
सेंटनेर का यादव बो अर्शदीप	0
बेवोन जैकब्स बो वरूण	7
काइल जैमीसन बो अर्शदीप	9
ईश सोढी का अर्शदीप बो सिंह	33
लॉकी फर्ग्युसन बो पटेल	3
जैकब डफी नाबाद	9

अतिरिक्त : 16 रन
योग : 19.4 ओवर में 225 रन
विकेट पतन : 1-17 , 2-117 , 3-131, 4-137 , 5-137 , 6-166 , 7-179 , 8-180 , 9-191
गेंदबाजी- अर्शदीप 4-0-51-5, पंड्या 2-0-15-0, बुमराह 4-0-58-0, वरूण 4-0-36-1, अक्षर 4-0-33-3, अभिषेक 1-0-13-0, रिंकू 0.4-0-7-1

मर्टेन्स- झेंग और हैरिसन-स्कुप्स्की ने जीता युगल का खिताब

मेलबर्न। एलिस मर्टेन्स ने चीन की झेंग शुआई के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर महिला युगल में नंबर एक रैंकिंग पर वापसी की जबकि अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की ने पुरुष युगल खिताब जीता। चार साल बाद एक टीम के तौर पर वापसी करने वाली मर्टेन्स और झेंग पहले सेट में 0-3 और 1-4 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए कजाखस्तान की एना डैनिलिना और सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रूनिक को 7-6, 6-4 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल में हैरिसन ने मैच प्वाइंट पर ऐस लगाकर स्कुप्स्की के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। कुबलर का अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम फाइनल में उतरने से पहले जीत-हार का रिकॉर्ड 14-3 था।

खबर संक्षेप

स्क्वाश ऑन फायर के सेमीफाइनल में अनाहत

वाशिंगटन। अनाहत सिंह ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वाशिंगटन में स्क्वाश ऑन फायर ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में मिस्र की दूसरी वरीय सना इब्राहिम को हराया। भारत की दुनिया की 31वें नंबर की खिलाड़ी और सातवीं वरीय अनाहत ने तीसरे और चौथे गेम में 5-6 से पिछड़ने के बाद मुकाबले में वापसी की और पीएसए कांस्य स्तर प्रतियोगिता में मिस्र की दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी को 8-11, 8-11, 11-7, 11-8, 11-7 से हराया।

शर्मा संयुक्त चौथे स्थान पर, युवराज कट से चूके

बहरीन। दो अंडर 70 के स्कोर के साथ बाप्को एनर्जीस बहरीन चैंपियनशिप में दो दौर के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। पिछले सप्ताह हीरो दुबई डेजर्ट क्लासिक में कट से चूके शर्मा ने कुल आठ अंडर 36 स्कोर किया। युवराज संधू दो अंडर का ही स्कोर कर सके और कट में प्रवेश से चूक गए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

रणजी ट्रॉफी एलीट

बंगाल ने हरियाणा को 188 रनों से हराया, ढाई दिन में मैच खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

चौधरी बंसीलाल स्टेडियम में खेल गए रणजी ट्रॉफी एलीट के मैच में बंगाल ने हरियाणा को 188 रन से हराया। बंगाल के शाहबाज अहमद को मैन ऑफ मैच चुना गया। बंगाल की ओर से पूरे मैच में शाहबाज ने 11 व आकाश दीप ने 6 विकेट लिए। हरियाणा की ओर से पूरे मैच में अमित ने 6 और तंमय और अंशुल कंबोज ने पांच-पांच विकेट लिए। मैच लगभग ढाई दिन में ही खत्म हो गया। तीसरे दिन बंगाल की टीम ने दूसरी पारी में तीन विकेट के नुकसान पर 155 रन से आगे खेलना शुरू किया और 200 रन पर पूरी टीम ऑलआउट हो गई। हरियाणा को 294 रन का लक्ष्य मिला। बंगाल की ओर से अभिमन्यू ने 83 और सुदीप ने 61 रन बनाए। हरियाणा की ओर से अंशुल ने चार व अमन, तंमय व अमित ने दो-दो विकेट लिए। हरियाणा की दूसरी पारी में शुरूआत तो अच्छी रही। पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। 44 रन पर हरियाणा के लगातार तीन विकेट गिर गए और टीम संकट में आ गई। हरियाणा की ओर से कोई भी बल्लेबाज टीम को संकट से उबार नहीं पाया और पूरी टीम 105 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई।। हरियाणा की ओर से कप्तान अंकित ने 25 व युवराज ने 22 रन बनाए। बंगाल की ओर से शाहबाज ने 6 और मुकेश ने दो विकेट लिए। इससे पहले बंगाल ने पहली पारी में 193 रन बनाए थे। हरियाणा ने पहली पारी में 100 रन बनाए थे।

पिच ने दिखाया अपना रंग

लाहली मैदान की पिच की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह अक्सर गेंदबाजों को अच्छी मदद देती है। अतिरिक्त उछाल , मूवमेंट और स्पीन गेंदबाजों की गेंद यहां पर अच्छी घूमती है। ऐसा ही हरियाणा व बंगाल के बीच हुए मैच में हुआ। मैच लगभग ढाई दिन में ही खत्म हो गया। दोनों टीम की ओर से कोई भी टीम 200 रन से ज्यादा का स्कोर नहीं कर पाई।

टीम को खली ऑलराउंडर निशांत सिंधु की कमी

रणजी ट्रॉफी के पहले मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले पार्थ वत्स भी इस मैच कुछ खास नहीं कर पाए। इसके अलावा कप्तान अंकित का प्रदर्शन भी निराशा जनक रहा। वहीं, टीम को रोहतक के ऑलराउंडर निशांत सिंधु की कमी खली। निशांत चोट के चलते टीम से बाहर चल रहा है। निशांत गेंद व बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन करके टीम जीत में अहम भूमिका निभाता है।

सिंधू ने एशिया टीम चैम्पियनशिप से नाम वापिस लिया

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने आगामी बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप से नाम वापिस ले लिया जिससे अगले सप्ताह शुरू हो रहे टूर्नामेंट में भारत की पदक उम्मीदों को करारा झटका लगा है। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू ने पैर की चोट के बाद हाल ही में कोर्ट पर वापसी की थी। सिंधू ने एशिया टीम चैम्पियनशिप से नाम वापिस ले लिया है। सिंधू ने पिछले साल भी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैम्पियनशिप 2025 से नाम वापिस ले लिया था।

पाक से हिसाब बराबर करने उतरेगा भारत

बुलावायो। पांच बार का चैंपियन भारत रविवार को आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से एशिया कप फाइनल में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने की कोशिश करेगा। भारत पिछले साल 21 दिसंबर को दुबई में हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान से 191 रन से हार गया था जबकि 14 दिसंबर को उसने इसी टूर्नामेंट का ग्रुप मैच इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ 90 रन से जीता था। रविवार को आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम उस हार का बदला लेने के लिए बेताब होगी। किसी भी मैच से पहले सचिन तेंदुलकर से वर्चुअल हौसला अफजाई मिलना सपनों के सच होने जैसा होता है और भारतीय खिलाड़ियों को इस महान खिलाड़ी से कुछ कीमती सलाह मिली।

टी20 वर्ल्ड कप : यूएई ने किया टीम का ऐलान, अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए यूएई ने मुहम्मद वसीम की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभव और युवा प्रतिभा का रणनीतिक संतुलन है। कप्तान वसीम और ऑल-राउंडर पराशर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों पर टीम के प्रदर्शन का दारोमदार होगा, जिनसे आक्रामक खेल की उम्मीद है।

जैसे-जैसे टी20 वर्ल्ड कप 2026 नज़दीक आ रहा है, पूरी क्रिकेट दुनिया की निगाहें इस बड़े टूर्नामेंट पर टिकी हैं। इसी कड़ी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने

आधिकारिक तौर पर अपनी टीम की घोषणा कर दी है, जिससे टूर्नामेंट को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। कप्तान के रूप में मुहम्मद वसीम की अगुवाई में यूएई की टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है। टीम चयन, प्रमुख खिलाड़ियों और उन रणनीतियों पर रोशनी डालता है जो यूएई को इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सफलता दिला सकती हैं।

टी20 विश्व कप खेलेंगे मिलर, मिली मंजूरी

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के सीनियर बल्लेबाज डेविड मिलर को अगले सप्ताह शुरू हो रहा टी20 विश्व कप खेलने के लिए मेडिकल मंजूरी मिल गई। मिलर को एसए 20 के दौरान मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि वह रविवार को दक्षिण अफ्रीका टीम के साथ मुंबई रवाना होंगे। सीएसए ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा,'दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर को भारत और श्रीलंका में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप खेलने के लिए मेडिकल मंजूरी मिल गई है।' इसमें कहा गया, 'एसए 20 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हुए मिलर की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था लेकिन इस सप्ताह उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वह रविवार को टीम के साथ जोहानिसबर्ग से मुंबई रवाना होंगे।'

टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने सैम

करन की जबरदस्त वापसी, हैट्रिक लेकर इंग्लैंड को दिलाई जीत

एजेंसी ▶▶| पल्लेकेले

सैम करन ने पल्लेकेले में पहले टी20 में श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड को 11 रन से जीत (डकवर्थ लुईस स्ट्रेन) दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपने पहले स्पेल में खूब रन लुटाने के बाद शानदार वापसी करते हुए हैट्रिक ली।

इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे करन को टी20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड की टीम में भी शामिल किया गया है। वह टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक लेने वाले इंग्लैंड के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने। उनसे पहले क्रिस जॉर्डन ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका के खिलाफ ऐसा किया था। बारिश के कारण देरी से शुरू हुए मैच को 17-17 ओवर का कर दिया गया था। करन ने अपने पहले स्पेल में पहला और सातवां ओवर फेंका। उन्होंने पहले ओवर में 16 रन दिए और फिर सातवें ओवर में कुसल मेंडिस ने 20 रन बनाए। करन 16वें में गेंदबाजी के लिए लौटे तब श्रीलंका का स्कोर 125/6 था। स्पिनर आदिल राशिद और लियाम डॉसन ने शानदार गेंदबाजी की। मेजबान टीम के अच्छा स्कोर बनाने की उम्मीदें दासुन शनाका और वानिंदु हसरंगा पर टिकी थीं।

करन ने ली हैट्रिक

करन ने ओवर की चौथी गेंद पर शनाका को मिडऑफ पर कैच आउट करवा दिया। इसके बाद अगली ही गेंद पर महेश तीक्ष्णा लॉन्ग ऑन पर कैच आउट हो गए। फिर करन ने मतीशा पथिराना को बोल्ड करके ओवर और हैट्रिक पूरी की। हसरंगा अगले ओवर की दूसरी गेंद पर जेमी ओवरटन का शिकार हो गए और श्रीलंका की टीम 16.2 ओवर में सिर्फ 133 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

इंग्लैंड 11 रनों से जीता

फिर फिल साल्ट और जोस बटलर ने सिर्फ 17 गेंदों में 36 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। साल्ट मैच के आखिरी ओवर तक टिके रहे। वह 35 गेंदों में 46 रन बनाकर शनाका का शिकार हुए। उस ओवर के आखिर में बारिश फिर से शुरू हो गई। इंग्लैंड को 12 गेंदों में जीतने के लिए सिर्फ 10 रन चाहिए थे। इसके बाद और खेल नहीं हो सका और इंग्लैंड डकवर्थ लुईस स्ट्रेन नियम के तहत 11 रन आगे था।

बलूचिस्तान में एकसाथ 12 जगहों पर बलूच लिबरेशन आर्मी का बड़ा हमला

10 पुलिसकर्मियों की मौत, डिप्टी कमिश्नर का किया अपहरण, जवाबी सैन्य कार्रवाई में 57 लड़ाके मारे गए

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 57 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में कम से कम 4 पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह 4 पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है।

बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया है। पाकिस्तान के अधिकारियों के मुताबिक, इसके बाद देर रात से लेकर शनिवार दोपहर तक सुरक्षा बलों ने जवाबी अभियान चलाया। इन अभियानों के दौरान भारी गोलीबारी हुई और बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए। पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा बलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उन्हें और पूरे देश को अपने शहीदों पर गर्व है। देश से आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

बीएलए ने कहा कि उसने सैन्य ठिकानों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बनाया। साथ ही यह भी दावा किया कि मुख्य हाईवे बंद किए गए, ताकि सेना की कार्रवाई में बाधा डाली जा सके। बीएलए लड़ाकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ये दावा किया है कि उन्होंने क्वेटा के एक बाजार इलाके पर कब्जा कर लिया है

क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर में किया हमला

बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया

क्वेटा में सुरक्षाकर्मी धमाके वाली जगह का निरीक्षण करते हुए

सबसे गरीब राज्य है बलूचिस्तान

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है, जबकि यहां प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के मामले में यह देश के बाकी हिस्सों से काफी पीछे है। यह इलाका लंबे समय से हिंसा और विद्रोह से जूझ रहा है। यह खनिज संसाधनों से भरपूर दक्षिण-पश्चिमी प्रांत है, जिसकी सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। यहां लड़ाके अक्सर सरकारी बलों, विदेशी नागरिकों और दूसरे प्रांतों से आए लोगों को निशाना बनाते हैं।

बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ रहा बीएलए

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) बलूचिस्तान का सबसे सक्रिय अलगाववादी संगठन माना जाता है। जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है। पिछले कुछ वर्षों में बलूच अलगाववादियों ने दूसरे प्रांतों से आए पाकिस्तानी मजदूरों और विदेशी कंपनियों पर हमले तेज कर दिए हैं। उनका आरोप है कि ये लोग और कंपनियां बलूचिस्तान के संसाधनों का शोषण कर रही हैं। बीएलए अपनी गुरिल्ला शैली के लिए जाना जाता है। यानी पहाड़ी इलाकों में छिपकर सेना पर हमला करना और तुरंत वापस लौट जाना।

» पीएम शहबाज का कबूलनामा

कर्ज के लिए भीख मांगने में शर्म से झुका सिर

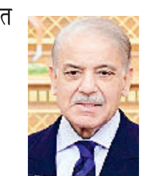

पाक के पीएम शहबाज शरीफ ने हाल ही में कारोबारियों और निर्यातकों को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक हालत पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान को गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा, तब उसे अपने मित्र देशों से कर्ज मांगना पड़ा, जिससे देश की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। उन्होंने कहा कि कर्ज लेने की प्रक्रिया आसान नहीं होती। जब कोई देश कर्ज मांगता है तो उसे कई शर्तें और दबाव झेलने पड़ते हैं, जिनका कई बार कोई ठोस औचित्य भी नहीं होता। उन्होंने माना कि ऐसे हालात में देश को दूसरों की शर्तें माननी पड़ती हैं, चाहे वे उचित हों या नहीं।

भारत-जापान नौसेना वार्ता

इंडो-पैसिफिक में सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय नौसेना और जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) के बीच स्टाफ टॉक्स के 11वें संस्करण का आयोजन नई दिल्ली में किया गया। इस दौरान दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग, आपसी तालमेल बढ़ाने और फ्री व ओपन इंडो-पैसिफिक के साझा दृष्टिकोण को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। भारतीय नौसेना ने बताया कि यह बैठक 29 जनवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। स्टाफ टॉक्स की सह-अध्यक्षता भारतीय नौसेना में असिस्टेंट चीफ ऑफ नेवल स्टाफ रियर एडमिरल श्रीनिवास मद्दुला और जेएमएसडीएफ के डायरेक्टर जनरल रियर एडमिरल तोशियुकी हिराता ने की।

भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को मिल रही नई मजबूती

इस महीने की शुरुआत में जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि भारत और जापान स्वाभाविक साझेदार हैं, जो समान बुनियादी मूल्यों और रणनीतिक हितों को साझा करते हैं। नौसेना प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि बातचीत का मुख्य फोकस समुद्री सहयोग को आगे बढ़ाने, आपसी तालमेल को मजबूत करने और महासागरों एवं समुद्रों के साझा दृष्टिकोण के तहत फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक के निर्माण के लिए सहयोगात्मक रणनीति विकसित करने पर रहा।

ऑपरेशन और मानव संसाधन में सहयोग करेंगे

जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने भी इस बैठक को लेकर एक्स पर पोस्ट साझा किया। जेएमएसडीएफ ने कहा कि दोनों देशों ने ऑपरेशन, इक्विपमेंट और लोगों से जुड़े मामलों में सहयोग बढ़ाकर आपसी संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। यह भी कहा गया कि नौसेना संबंधों को गहरा करके दोनों देश क्षेत्रीय शांति और स्थिरता में योगदान देते रहेंगे।

खबर संक्षेप

किश्तवाड़ में मुठभेड़ जारी, 3 जवान घायल

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के डोलगाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। इस मुठभेड़ के दौरान 3 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए उधमपुर के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स शामिल है।

दिल्ली के दंगे का आरोपी फैजान अदालत से बरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान दंगे और आगजनी के आरोपी फैजान को बरी कर दिया। अदालत ने अभियोजन पक्ष के मामले में गंभीर असंगतियों का हवाला देते हुए कहा कि एकमात्र पहचान करने वाले गवाह की गवाही पर भरोसा करना सुरक्षित नहीं होगा।

कांगो की खदान धंसकी 200 लोगों की मौत

कांगो। अफ्रीकी देश कांगो रिपब्लिकन के पूर्वी हिस्से में रुबाया कोल्टैन खदान में लैंडस्लाइड हो गया है, जिसमें 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा बुधवार को हुआ, जब बारिश के मौसम में जमीन कमजोर हो गई और खदान ढह गई। गवर्नर के प्रवक्ता लुबुम्बा कंबेरे मुयिसा ने बताया कि इस लैंडस्लाइड में 200 से अधिक लोग मारे गए।

जिनमें खनन मजदूर, बच्चे और बाजार में सब्जी-फल बेचने वाली महिलाएं शामिल हैं। हालांकि, शुक्रवार शाम तक सटीक मृतकों की संख्या स्पष्ट नहीं हो पाई थी, क्योंकि मलबे से शव निकालने का काम जारी है।

भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने की पुष्टि

जल्द ही दोनों देशों के बीच होगा एफटीए, नियमों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार ने दोनों देशों के बीच के मजबूत संबंध का जिक्र करते हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर जल्द समझौता होने की उम्मीद जताई है। उन्होंने जल्द ही एफटीए की पुष्टि करते हुए कहा कि इजराइल और भारत ने एफटीए पर बातचीत के लिए नियमों पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी महीने में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल तेल अवीव की यात्रा करने वाला है। इस दौरान एफटीए पर बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा की शुरूआती बातचीत आसान मुद्दों पर की जाएगी और उसके बाद ज्यादा जटिल मुद्दों पर एक राय बनाने के लिए बातचीत की जाएगी। इजराइली राजदूत ने उम्मीद जताई है कि व्यापार डील पर इसी साल समझौता होने की पूरी उम्मीद है।

इजराइल के राजदूत रियूवेन अजार

आईएमईसी बेहद अहम

इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) पर बात करते हुए इजराइली राजदूत ने कहा कि यह बेहद अहम है। हम ट्रेड को आसान बनाने और सामान की लागत कम करने के लिए लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में इजराइल जोर दे रहा है। इजराइल में हमारी एक टास्क फोर्स है जो लॉजिस्टिक्स से निपटने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने पर काम कर रही है, क्योंकि हम ट्रेड को आसान बनाना चाहते हैं। हम सामान लाने-ले जाने की कीमत कम करना चाहते हैं और मुझे लगता है कि इससे सभी के लिए इकोनॉमिक खुशहाली आएगी।

गाजा में इजराइल के हमले में 2 परिवार के 12 लोगों की मौत

गाजा। गाजा में शनिवार को इजराइल ने हमला किया। इसमें 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिसमें 6 बच्चे भी शामिल हैं। गाजा पट्टी के अस्पतालों ने बताया कि हमले में 2 परिवारों के लोग मारे गए हैं।

हमले उत्तरी और दक्षिणी गाजा में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और रिलीफ कैंप पर हुए। हमले की वजह से कैंप में आग लग गई। यह हमला ऐसे समय हुए जब रविवार को मिस्र बॉर्डर पर रफाह क्रॉसिंग खुलने वाली है, जो अमेरिका की मध्यस्थता वाले सीजफायर के दूसरे स्टेज का हिस्सा है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिकॉर्ड किया है कि 10 अक्टूबर से सीजफायर शुरू होने के बाद इजराइली फायरिंग से 500 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

अभ्यास 'अग्नि परीक्षा' से युद्ध की तैयारियों को दी धार

नई दिल्ली। भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने अरुणाचल प्रदेश में चार दिवसीय संयुक्त फायरिंग अभ्यास 'अग्नि परीक्षा' के दूसरे चरण (फेज-दो) का सफल आयोजन किया है। इस अभ्यास का उद्देश्य दोनों बलों के बीच समन्वय बढ़ाना और युद्धक तैयारियों को और अधिक मजबूत करना रहा। रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने शुक्रवार को बताया कि 'अग्नि परीक्षा' अभ्यास का दूसरा चरण 25 से 28 जनवरी के बीच अरुणाचल प्रदेश के तेजू क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस चरण का मुख्य उद्देश्य अंतर-बल युद्धक तालमेल और परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना था।

एपस्टीन फाइल्स में सामने आया फिल्म निदेशक मीरा नायर का नाम, सूची में बिल गेट्स भी शामिल

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका में जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों ने एक बार फिर तहलका मचा दिया है। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने शुक्रवार को एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख से ज्यादा पेजों के दस्तावेज जारी किए हैं, जिसमें 2,000 वीडियो और 1,80,000 तस्वीरें शामिल हैं। इन नए दस्तावेजों में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की मां

और फिल्म निदेशक मीरा नायर का नाम भी सामने आया है। दस्तावेजों में दावा किया गया है कि मीरा नायर ने 2009 में अपनी फिल्म 'एमेलिया' के लिए आयोजित एक आफ्टर-पार्टी में शिरकत की थी। फिल्म में हिलेरी स्वैंक ने एविएटर एमेलिया ईयरहार्ट का किरदार निभाया था और रिचर्ड गियर उनके पति जॉर्ज पुटनम के रूप में थे। चौंकाने वाली बात यह है कि यह पार्टी यौन तस्करी की दोषी गिसलेन मैक्सवेल के घर पर हुई थी।

बिल गेट्स को लेकर चौंकाने वाला दावा

एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेजों में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स को लेकर भी सनसनीखेज खुलासा किए गए हैं। फाइलों में शामिल कुछ ईमेल ड्राफ्ट्स में आरोप लगाया गया है कि बिल गेट्स ने रूसी महिलाओं के साथ संबंध बनाए और कथित तौर पर यौन संचारित रोग (एसटीडी) हो गया था और उन्होंने तत्कालीन पत्नी मेलिंडा गेट्स को गुप्त रूप से एंटीबायोटिक्स देने की कोशिश की थी।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान का बड़ा ऐलान

ईरान ने कहा अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुख्य मांगें की खारिज

अमेरिकी युद्धपोत के पास करेगा नौसैनिक अभ्यास

एजेंसी ▶▶| दुबई

अमेरिका ने ईरान की तरफ से अपना सबसे बड़ा बेड़ा भेजा है, जिससे पश्चिम एशिया में मौजूदा तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं ईरान ने भी मोर्चा संभालते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य में दो दिवसीय नौसैनिक अभ्यास की घोषणा की है। इस पर अमेरिकी सेना के केंद्रीय कमान ने ईरानी सेना को चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि वह अमेरिकी युद्धपोतों के ऊपर से उड़ान भरने जैसे असुरक्षित युद्धाभ्यास को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसमें अमेरिकी जहाजों से टक्कर की दिशा में ईरानी स्पीडबोटों का आना भी शामिल है। वहीं इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि उनका देश निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने ट्रंप की मुख्य मांगों को खारिज कर दिया। अराघची ने कहा कि रक्षा रणनीतियां और मिसाइल प्रणालियां कभी भी बातचीत का विषय नहीं होंगी।

अयातुल्ला खामनेई डोनाल्ड ट्रंप

ईरान के बंदर अब्बास में विस्फोट

ईरान के दक्षिणी बंदरगाह बंदर अब्बास में शनिवार को एक विस्फोट हुआ। ईरानी मीडिया ने कहा कि विस्फोट की जांच की जा रही है। बंदर अब्बास होरमुज की खाड़ी पर स्थित है, जो ईरान और ओमान के बीच एक अहम जलमार्ग है। दुनिया में जो तेल समुद्र के जरिए भेजा जाता है, 20 फीसदी इसी बंदरगाह से होकर गुजरता है।

ईरान का दावा- पहले से ज्यादा मजबूत हुए

ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातमी ने दावा किया है इस संघर्ष से ईरानी सेना को अपनी ताकत और कमजोरियों को समझने का मौका मिला, साथ ही विरोधी पक्ष की रणनीति को भी बेहतर ढंग से परखा गया। इस युद्ध के बाद ईरान की मिसाइल प्रणाली, हवाई रक्षा और समग्र सैन्य क्षमता पहले से बेहतर और मजबूत स्थिति में है। उन्होंने इसे ईरान के लिए अनूठा अनुभव बताया, जिससे भविष्य में किसी भी हमले से निपटने की तैयारी और पुख्ता हुई है।

पूरी ताकत से दिया जाएगा जवाब

ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी और सर्वोच्च नेता के सलाहकार अली शमखानी ने कहा है कि किसी भी दुश्मन कार्रवाई का प्रभावी और डर पैदा करने वाला जवाब दिया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि ईरान सिर्फ स.मुद्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापक और उन्नत सैन्य विकल्पों के लिए पूरी तरह तैयार है। शमखानी ने कहा कि फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ने का मतलब यह नहीं कि अमेरिका को यहां बढ़त मिल गई है। यह हमारा क्षेत्र है, इसकी भौगोलिक स्थिति और ताकत को हम किसी भी बाहरी शक्ति से बेहतर जानते हैं।

नायडू से मिले फ्रांसीसी परिवहन मंत्री

विमानन साझेदारी पर हुई चर्चा एयर मोबिलिटी में करेंगे सहयोग

नायडू से फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने फ्रांस के परिवहन मंत्री फिलिप टाबारोट के नेतृत्व में आए फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह बैठक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत की आगामी राजकीय यात्रा से ठीक पहले आयोजित की गई, जिसे भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिहाज से अहम माना जा रहा है। मंत्री नायडू ने 'एक्स' पर लिखा कि फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल से मिलकर उन्हें सम्मान महसूस हुआ। बैठक के दौरान भारत और फ्रांस के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने के लिए हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109